राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 359
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
रविवार 10 जूलाई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 दिल्ली में मेट्रो स्टेशन पर महिला स्कूल टीचर से छेड़छाड़ करने वाला शख्स गिरफ्तार, पहले भी करता था परेशान

पेज 5 अमरोहा में सड़क हादसा, हाईवे पर खड़े कंटेनर में पीछे से घुसी टूरिस्ट बस; चार लोग घायल

पेज 7 श्रीलंका में बवाल : 15 जुलाई तक सभी स्कूल बंद, प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने को तैयार हुए रानिल विक्रमसिंघे

बारिश से केदारनाथ यात्रा रुकी, एमपी में बिजली गिरने से 16 मौत

जम्मू के डोडा में बादल फटा; अहमदाबाद में सड़कें डूबीं

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में मानसूनी बारिश ने लोगों की परेशानी बढ़ दी है। शुक्रवार शाम को पवित्र अमरनाथ गुफा के पास बादल फटने के बाद 16 लोगों की जान चली गई, इसके बाद अमरनाथ यात्रा को रोक दिया गया। शनिवार को उत्तराखंड के सोनप्रयाग में भारी बारिश के बाद केदारनाथ यात्रा भी रोकी गई है। प्रशासन ने तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर यह फैसला लिया है।

शुक्रवार को गुजरात के अहमदाबाद और सूरत में भारी बारिश हुई। इन शहरों में सड़कें डूब गईं और कई इलाकों में पानी भर गया। बारिश से जामनगर और कच्छ में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। मध्य प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में पिछले तीन दिन में बिजली गिरने से 16 लोगों की मौत हो गई। वहीं, जम्मू के डोडा में बादल फटने के बाद नेशनल हाईवे पर लंबा जाम लग गया।

डोडा में बादल फटा, नेशनल हाईवे जाम

अमरनाथ के बाद जम्मू के डोडा जिले के ठाठरी में शनिवार सुबह बादल फटने की घटना सामने आई है। इससे यहां आर्मी कैंप में पानी भर गया। पहाड़ से पानी के साथ गिरे मलबे में कई घरों के दबने की भी सूचना है। हालांकि अब तक किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं मिली हैं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक ठठरी कस्बे के गुंटी जंगल में बादल फटने की वजह से नेशनल हाईवे पर जमा हुए मलबे में कई वाहन फंस गए।

अहमदाबाद में बादल फटने जैसे हालात

अहमदाबाद में शुक्रवार को मूसलाधार बारिश का ऐसा दौर शुरू हुआ, मानो बादल फट गए हों। सिर्फ दो घंटे में ही उस्मानपुरा इलाके में 9 इंच तो गोमतीपुर, विराटनगर और चकुडिया में 6 इंच पानी गिर गया। इससे शहर की सड़कें तालाब में बदल गईं और जगह-जगह लंबा ट्रैफिक जाम लग गया।

इधर, सूरत में भी शुक्रवार को जमकर बारिश हुई। दोपहर दो बजे शुरू हुआ बारिश देर रात तक चलता रहा। यहां दो घंटे में ढाई इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। जबकि उमरपाड़ा-महुआ तहसील में चार इंच बारिश हुई। 30 जून को भी इसी तरह की बारिश ने सूरत को पानी-पानी कर दिया था।

दिल्ली में आज मिल सकती है उमस से राहत

दिल्ली में अब तक मानसूनी बारिश की गतिबिधि देखने को नहीं मिल रही हैं। दिल्ली के लोग उमस भरी गर्मी से परेशान हैं। यहां हालांकि, मौसम विभाग ने शनिवार (9 जुलाई) को बारिश की संभावना जताई है। वहीं, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी मानसून एक्टिव हो चुका है। हालांकि बारिश में अब तक उतनी तेजी नहीं आई है।

एमपी से गुजर रही मानसून की ट्रफ लाइन

मध्य प्रदेश में मानसून तय समय पर 16 जून को ही पहुंच गया था। मानसून की ट्रफ लाइन भी MP से होकर ही गुजर रही है, लेकिन इसे लो प्रेशर एरिया जैसे किसी स्ट्रांग सिस्टम का सपोर्ट नहीं मिल रहा, इसलिए प्रदेश में अब तक तेज बारिश नहीं हो पाई। पिछले कुछ दिनों से रिमझिम बारिश का दौर ही चल रहा है। प्रदेश के 17 जिलों में अब तक सामान्य से कम बारिश हुई है। आलीराजपुर जिले में सबसे कम 59 प्रतिशत बारिश हुई है। यहां अब तक 3.8 इंच बारिश हो चुकी है, जबकि 7.45 इंच बारिश होनी थी। इस दौरान प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में बारिश हुई, लेकिन कहीं भी 4 या 5 इंच पानी नहीं बरसा। भोपाल जिले में अब तक 9.71 इंच बारिश हो चुकी है, यह सामान्य से 23त्न ज्यादा है। शुक्रवार को राजधानी में सुबह से दोपहर तक रुक-रुककर बारिश हुई। बीते 24 घंटे में भोपाल के बैरसिया इलाके में 2 इंच बारिश हुई। भोपाल शहर, बैरागढ़ और कोलार सहित अन्य हिस्से भी बारिश से भीगे। मौसम केंद्र के अनुसार रविवार से भोपाल सहित प्रदेश के कुछ इलाकों में तेज बारिश होने की संभावना है।

अमरनाथ हादसा : अब तक 16 की मौत, 35 घायल एयरलिफ्ट

एक-दो दिन में फिर शुरू हो सकती है यात्रा

अमरनाथ गुफा, जम्मू-कश्मीर। अमरनाथ गुफा के पास बादल फटने से अब तक 16 लोगों की मौत हो गई है। सेना ने शनिवार सुबह फिर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। 35 घायलों को एयरलिफ्ट किया गया है। 45 लोग अभी लापता हैं और माउंटेन रेस्क्यू टीम उनकी तलाश में जुटी है। सीआरपीएफ के डीजी कुलदीप सिंह ने कहा कि अभी हम यह देखने के लिए सभी एहतियाती कदम उठा रहे हैं कि क्या सभी गुमशुदा लोग मिलते हैं या नहीं। यात्रा एक या दो दिन में फिर से शुरू हो सकती है।

जानकारी के मुताबिक प्रशासन ने शुक्रवार रात को ही यात्रा स्थगित कर दी थी। पहलगाम और बालटाल में बने बेस कैम्प से आगे किसी यात्री को जाने की इजाजत नहीं है।

हादसे के बावजूद श्रद्धालुओं में उत्साह

शुक्रवार को पवित्र गुफा के पास आए सैलाब के बावजूद अमरनाथ यात्रा के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं की हिम्मत में कोई कमी नहीं आई है। शुक्रवार की देर रात को जम्मू बेस कैंप से तीर्थयात्रियों का एक जत्था कश्मीर के बालटाल और पहलगाम बेस कैंप के लिए रवाना हुआ।

जम्मू से तीर्थ यात्रियों के 279 व्हीकल कॉन्वॉय में रवाना किए गए थे। हालांकि स्थानीय लोगों ने इसे प्रशासन का मिस मैनेजमेंट कहा है। उनका कहना है कि जम्मू के भगवतीपुर बेस कैंप में यात्रियों की तादाद ज्यादा हो गई थी, इसलिए यात्रा स्थगित होने के बावजूद तीर्थ यात्रियों को बालटाल और पहलगाम के लिए रवाना कर दिया गया।

पवित्र गुफा के एक-दो किमी के दायरे में फटा बादल

अमरनाथ गुफा के पास शुक्रवार शाम 5 बजकर 30 मिनट बादल फटा था। जिस समय बादल फटा, उस समय गुफा के पास 10 से 15 हजार श्रद्धालु मौजूद थे। इस घटना में मरने वालों में 3 महिलाएं भी शामिल हैं।

बादल फटने के कारण पहाड़ों से तेज बहाव के साथ आए पानी से श्रद्धालुओं के लिए लगाए गए करीब 25 टेंट और दो से तीन लंगर बह गए। बारिश से पूरे इलाके में तेजी से पानी भर गया और कई लोग इसकी चपेट में आ गए। कई श्रद्धालु लापता हैं और उनके तेज बहाव में बहने की आशंका है।

टीम इंडिया का टी-20 सीरीज पर कब्जा

इंग्लैंड को दूसरे मुकाबले में 49 रन से हराया, भुवी को 3 विकेट; रोहित ने कप्तानी में बना दिया वर्ल्ड रिकॉर्ड

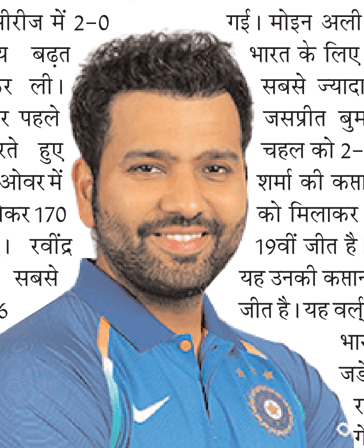

नई दिल्ली। भारत ने दूसरे टी-20 मैच में इंग्लैंड को 49 रन से हरा कर 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए भारत ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 170 रन बनाए। रवींद्र जडेजा ने सबसे ज्यादा 46 रनों की पारी खेली। जवाब में इंग्लैंड की टीम 17 ओवर में 121 रन के स्कोर पर सिमट गई। मोइन अली ने 35 रन बनाए।

भारत के लिए भुवनेश्वर कुमार ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह और युजवेंद्र चहल को 2-2 मिले। यह रोहित शर्मा की कप्तानी में तीनों फॉर्मेट को मिलाकर भारत की लगातार 19वीं जीत है। टी-20 क्रिकेट में यह उनकी कप्तानी में लगातार 14वीं जीत है। यह वर्ल्ड रिकॉर्ड है।

भारत के लिए रवींद्र जडेजा ने सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 29 गेंद पर 46 रन की पारी खेली। खराब फॉर्म से जूझ रहे विराट एक बार फिर फ्लॉप साबित हुए और सिर्फ एक रन बनाकर आउट हो गए। इंग्लैंड के लिए क्रिस जॉर्डन ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। वहीं, अपना पहला मैच खेल रहे रिचर्ड ग्लीसन ने तीन विकेट अपने नाम किए। मैच में टीम इंडिया ने बड़ा बदलाव किया और ऋषभ पंत के साथ रोहित शर्मा सलामी बल्लेबाजी करने आए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 29 गेंद में 49 रन जोड़े।

रोहित 20 गेंद में 31 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन इसके बाद लगातार दो गेंदों पर दो विकेट गिरे। वहीं, अगली ही गेंद पर धमाकेदार बल्लेबाजी कर रहे ऋषभ पंत भी 15 गेंद में 26 रन बनाकर चलते बने। सूर्य कुमार यादव भी मैच में कोई बड़ी पारी नहीं खेल पाए और 15 रन बनाकर आउट हो गए।

हार्दिक भी सूर्यकुमार के आउट होने के बाद अगली ही गेंद पर 12 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। दोनों को क्रिस जॉर्डन ने आउट किया। पंड्या के आउट होने के बाद उम्मीद दिनेश कार्तिक से थी, लेकिन वो भी कुछ खास नहीं कर पाए और 17 गेंद में 12 रन बनाकर रनआउट हो गए। भारत ने प्लेइंग इलेवन में 4 बदलाव किए हैं। विराट कोहली, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा की वापसी हुई है। वहीं, अर्शदीप सिंह, दीपक हुड्डा, अक्षर पटेल और ईशान किशन को प्लेइंग इलेवन से बाहर किया गया है।

पंजाब में 3 घोटालेबाज अफसर सस्पेंड

प्लानिंग विभाग और सीएम के फंड में 11 करोड़ का घपला; बीडीपीओ , 2 सीनियर असिस्टेंट पर एक्शन

चंडीगढ़। पंजाब में सीएम भगवंत मान की अगुआई वाली आम आदमी पार्टी सरकार ने ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग के 3 अफसरों को सस्पेंड कर दिया है। इन पर 11 करोड़ के घोटाले का आरोप है। इन तीनों ने प्लानिंग विभाग और ष्टरूफंड के लिए आई रकम का मिसयूज किया। जांच रिपोर्ट में खुलासा होने के बाद इन पर कार्रवाई की गई। सस्पेंड किए अफसरों में ब्लॉक डेवलपमेंट एवं पंचायत अफसर जतिंदर सिंह ढिल्लों, सीनियर असिस्टेंट (अकाउंट) गुरदीप सिंह और सीनियर असिस्टेंट चंद सिंह शामिल हैं।

ऐसे पकड़ा गया घोटाला

रोपड़ के जिला डेवलपमेंट एवं पंचायत अफसर अमरिंदर चौहान किसी दूसरे केस की जांच कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें आनंदपुर साहिब के BDPO ऑफिस में हुई खरीद में कुछ गड़बड़ी नजर आई। जिसके बाद उन्होंने इसकी जांच शुरू की और गड़बड़ी पकड़ी गई।

ऐसे किया घोटाला

ग्रांट मिलते ही खर्च कर दी, कोड ऑफ कंडक्ट का भी उल्लंघन प्रतिशत प्लानिंग बोर्ड ने BDPO ऑफिस को 7.38 करोड़ की ग्रांट भेजी थी। यह ग्रांट इसी साल 10 जनवरी को मिली। BDPO ऑफिस ने उसी दिन 6.5 करोड़ की रकम खर्च कर दी। इस संबंध में ऑफिस रिकॉर्ड में न कोई कोटेशन है और न ही बिल। वहीं, विभाग यह रकम खर्च नहीं कर सकता था क्योंकि पंजाब में विधानसभा चुनाव की वजह से 8 जनवरी को ही कोड ऑफ कंडक्ट लागू हो चुका था।

3 कंपनियों को करोड़ों की पेमेंट, कंपनियां जांच के घेरे में : 24 दिसंबर को BDPO आफिस रोपड़ को सीएम कोटे से 3.95 करोड़ का फंड रिलीज हुआ। 27 दिसंबर को ही इसमें से 3.18 लाख रुपए की पेमेंट कर दी गई। जिसका कोई रिकॉर्ड ऑफिस में नहीं है।

इसके अलावा 1.59 करोड़ रुपए क्रिकेट का सामान बनाने वाली कंपनी और 3.18 करोड़ एक्सपोर्ट कंपनी को दिए गए। एक कंस्ट्रक्शन कंपनी को भी 35 लाख की पेमेंट हुई।

देश में पिछले 24 घंटे कोरोना के 18 हजार से अधिक नये मामले दर्ज

नयी दिल्ली। देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के पिछले 24 घंटों में 18840 नये मामले सामने आये हैं। जिससे संक्रमितों की संख्या बढ़कर 43604394 हो गई है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे में राष्ट्रीय कोविड टीकाकरण अभियान के तहत 12,26,795 टीके लगाये गये। जिससे अब तक 198 करोड़ 65 लाख 36 हजार 288 टीके लगाये जा चुके है।

इसी अवधि में 16104 मरीजों के स्वस्थ होने पर संक्रमण मुक्त होने वालों की संख्या कुल 42953980 हो गई और इसी अवधि में 43 मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 525386 हो गयी है। देश में कोरोना मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत और रिकवरी दर 98.51 प्रतिशत है।

देश में पिछले 24 घंटों में 2693 सक्रिय मामले सामने आये है जिससे इनकी संख्या बढ़कर 125028 हो गई है।

इसी दौरान देश में चार लाख 54 हजार 778 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में कुल 86 करोड़ 61 लाख 77 हजार 957 कोरोना परीक्षण किए जा चुके हैं।

केरल में कोरोना वायरस के 881 सक्रिय मामले घटकर 28891 रह गये हैं। इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 4172 बढ़कर 6567960 हो गयी है, इसी दौरान मृतकों की संख्या 70108 हो गयी है।

महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 562 घटकर 18851 रह गयी है तथा 3499 और लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों का आंकड़ा 7831851 तक पहुंच गया है। इस दौरान सात लोगों की मौत हो जाने से मृतकों का आंकड़ा 147971 हो गया।

पश्चिम बंगाल में सक्रिय मामलों की संख्या 2310 बढ़कर 18856 हो गयी है तथा 637 और लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों का आंकड़ा 2005689 तक पहुंच गया है तथ मृतकों का आंकड़ा 21236 पर पहुंच गया।

मुलायम सिंह की पत्नी साधना यादव का निधन

एजेंसी

नयी दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) के संरक्षक एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री मुलायम सिंह यादव की पत्नी साधना यादव का शनिवार को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में निधन हो गया।

पार्टी के आधिकारिक ट्विटर पर यह जानकारी दी गयी।

पार्टी के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर कहा गया, समाजवादी पार्टी के संरक्षक आदरणीय मुलायम सिंह यादव की पत्नी साधना यादव की मृत्यु, अत्यंत दुखद, भावपूर्ण श्रद्धांजलि।

श्रीमती यादव की तबीयत करीब एक हफ्ते से काफी खराब थी और उन्हें मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। श्रीमती यादव की पूर्व मुख्यमंत्री श्री यादव के साथ यह दूसरी शादी थी। उनकी पहली शादी चंद्र प्रकाश गुप्ता के साथ हुई थी और 1990 में उनका तलाक हो गया था। श्री यादव ने श्रीमती साधना यादव से शादी अपनी पहली पत्नी मालती देवी के निधन के बाद मई 2003 में की थी।

बेकाबू पिकअप ने बारातियों को कुचला, 6 लोगो की मौत

चित्रकूट। चित्रकूट में शनिवार सुबह सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। घायल हुए दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना से गुस्साए लोगों ने झांसी-मिर्जापुर नेशनल हाईवे पर लगभग दो घंटे तक जाम लगाए रखा। घटना की जानकारी मिलने पर ष्ठरूऔर स्क्क ने मौके पर पहुंचकर जाम खुलवाया। वहीं , सीएम योगी ने घटना पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए देने की घोषणा की।

शुक्रवार को रौली कल्याणपुर के रहने वाले राजबहादुर की बहन की शादी थी। बारात बांदा के देहात कोतवाली के जारी गांव से आई थी। शनिवार को सुबह घर पर वैवाहिक रस्में चल रही थीं। राजबहादुर के घर के बाहर लड़की और लड़के पक्ष के लोग बैठे थे। टमाटर से लादी पिकअप कर्वी की तरफ जा रही थी। बेकाबू पिकअप ने 8 लोगों को रौंद दिया। इसमें जारी के नरेश, रामरूप, छक्का, अरविंद और सोमदत्त की मौके पर ही मौत हो गई।

गुस्साए लोगों ने लगाया जाम

घटना से गुस्साए लोगों ने हाईवे पर जाम लगा दिया। CO सिटी शीतला प्रसाद पांडेय और थाना प्रभारी दुर्गेश गुप्ता ने परिजनों और ग्रामीणों को काफी समझाया। कुछ ही देर बार DM और SP भी मौके पर पहुंच गए। दोनों अधिकारियों के समझाने पर लोगों ने जाम खत्म किया।

ईडी रेड

15 ठिकानों पर 15 घंटे ईडी की रेड, 5 करोड़ से अधिक मिला कैश

हिरासत में झारखंड सीएम हेमंत के विधायक प्रतिनिधि

रांची। झारखंड सीएम हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा को ईडी की टीम ने उत्तराखंड ने पकड़ा है। टेंडर घोटाले में टीम उन्हें हिरासत में दिल्ली ले गई है, जहां उनसे पूछताछ होगी। इधर, शुक्रवार को ईडी ने पंकज मिश्रा समेत कारोबारियों के 15 ठिकानों पर रेड मारी। छापेमारी के दौरान पत्थर कारोबारी हीरा भगत के यहां से करीब सवा तीन करोड़ नकदी मिले। हालांकि ईडी ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

वहीं छापेमारी के दौरान अलग अलग जगहों से ईडी ने कुल सवा पांच करोड़ के करीब नकदी बरामद की है। साथ ही निवेश व खनन से जुड़े कई कागजात भी ईडी ने जब्त किए हैं। यह कार्रवाई लगभग 15 घंटे तक चली जिसके बाद ईडी टीम पंकज मिश्रा के घर से निकली।

धनबाद जिले में शुक्रवार सुबह से श्वष्ठ की टीम ने पंकज मिश्रा के स्थानीय आवास पर टेंडर घोटाले को लेकर छापेमारी की जा रही है। साथ ही साहेबगंज के 12 ठिकानों पर भी कार्रवाई की गई। ये छापेमारी सुबह 5 बजे ही शुरू हुई।

छापेमारी में ईडी की कुल 48 टीम लगी थी। साहिबगंज के पांच ,बरहड़वा के चार, मिर्जाचौकी के तीन, राजमहल और बरहेट में एक-एक व्यक्ति के यहां छापेमारी की गई।

टेंडर घोटाले में छापेमारी

मिली जानकारी के अनुसार, अन्य जिन जगहों पर छापेमारी हो रही, वो पंकज मिश्रा के करीबी बताए जा रहे हैं। दरअसल साहिबगंज जिले के बरहरवा में जून 2020 के टेंडर विवाद में एक केस दर्ज किया गया था। जिसे ईडी ने टेकओवर किया है। बरहरवा का यह केस शंभु नंदन कुमार उर्फ शंभु भगत ने दर्ज कराया था। पूछताछ में शंभू ने ईडी को बताया कि मंत्री आलमगीर आलम के भाई की कंपनी नगर पंचायत बरहरवा में वाहन प्रवेश शुल्क वसूली के टेंडर में शामिल थी।

उस कंपनी ने एक डमी कंपनी के जरिए 5 करोड़ रुपये तक की बोली लगाई। बाद में पैसा जमा नहीं कराने पर दूसरी बोली 1.46 करोड़ में लगाकर आलमगीर आलम की कंपनी ने ठेका ले लिया। शंभु को इसकी भनक थी, इसलिए उन्होंने इस ठेके को 1.80 करोड़ में ले लिया। उन्होंने बरहरवा थाने में मंत्री आलमगीर आलम व सीएम के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा के इशारे पर मारपीट करने से जुड़ी प्राथमिकी दर्ज करायी थी। दोनों ही आरोपियों को साहिबगंज पुलिस ने क्लीन चिट दे दी थी।

पंकज मिश्रा ने कहा था ईडी से डरता नहीं

बता दें कि 11 मई को झारखंड में मनी लॉन्ड्रिंग केस में ढ्ढस् अधिकारी पूजा सिंघल को गिरफ्तार किया है। पूजा सिंघल फिलहाल जेल में हैं। वहीं छह मई को ईडी ने पूजा सिंघल के करीबियों के रांची समेत अन्य ठिकानों पर छापे मारे थे। छापे के दौरान ईडी को 19 करोड़ से अधिक कैश और कई अहम दस्तावेज मिले थे।

शार्ट न्यूज

अमरनाथ यात्रा अस्थाई रूप से स्थगित

श्रीनगर/नयी दिल्ली। जम्मू कश्मीर में पवित्र अमरनाथ गुफा के समीप बादल फटने की घटना के बाद पैदल यात्रा को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया है। भारतीय सेना के अधिकारियों ने बताया कि कि अमरनाथ गुफा की मलबा हटाने का काम और लापता लोगों की तलाश तेज कर दी गयी है। सेना की दो बचाव टीम और अन्य विशेषज्ञ दल पवित्र गुफा में पहुंच गये हैं। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान के लिए सेना के हेलिकॉप्टरों की मदद ली जा रही है। बीएसएफ के एमआई 17 हेलिकॉप्टर को भी मृतकों के शवों को उनके घरों तक पहुंचाने तथा घायलों को आगे के इलाज के लिए नीलगढ़ हेलीपैड / बालटाल से बीएसएफ कैंप श्रीनगर तक हवाई परिवहन के लिए लगाया गया है। बाढ़ के कारण अमरनाथ पवित्र गुफा क्षेत्र के पास फंसे अधिकांश यात्रियों को पंजतरणी में स्थानांतरित कर दिया गया है। आईटीबीपी के अधिकारियों ने बताया कि लोगों को निकालने का काम तड़के 03.38 बजे तक जारी रहा। यात्रा मार्ग पर कोई यात्री नहीं बचा है तथा अब तक करीब 15,000 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। शुक्रवार की शाम करीब साढ़े पांच बजे अमरनाथ गुफा के पास बादल फटने की घटना में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गयी। घटना के बाद अचानक आयी बाढ़ से बालटाल में आधार शिविर में तीन सामुदायिक रसोई और कम से कम 25 तंबुओं के बह जाने से करीब 40 लोगों के लापता होने की खबर है।

पौड़ी में 25 लाख से ज्यादा के नशीले पदार्थ जब्त

पौड़ी/देहरादून। उत्तराखंड के गढ़वाल मण्डल मुख्यालय पौड़ी जिले की पुलिस ने इस वर्ष जनवरी माह से अभी तक लगभग 25 लाख रुपये से अधिक राशि के नशीले पदार्थ बरामद किया तथा इन मामलों में कुल 55 लोगों को गिरफ्तार किया है। पौड़ी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) यशवन्त सिंह चौहान ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नशामुक्त अभियान के अन्तर्गत, मादक पदार्थों एवं ड्रग्स की बढ़ती प्रवृति पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने व अवैध तरीके से नशीले पदार्थों का क्रय-विक्रय करने वालों के विरूद्ध प्रभावी चैकिंग अभियान चलाये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जनवरी से अभी तक आबकारी अधिनियम के अंतर्गत 53 अभियोग पंजीकृत हुये हैं जबकि 55 लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। श्री चौहान ने बताया कि इस अवधि में विभिन्न प्रकार की शराब व बीयर अनुमानित कीमत 17,36,560/- रुपये (सत्रह लाख, छत्तीस हजार पांच सौ साठ रुपये) बरामद हुई। उन्होंने बताया कि इसी अवधि में एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत, 19 लोगों के विरुद्ध 19 अभियोग पंजीकृत किये गए हैं। जिनसे अनुमानित कीमत 8,55,400 रुपये (आठ लाख पचपन हजार चार सौ) रुपये कीमत का अवैध गांजा, चरस और स्मैक बरामद हुयी। उन्होंने कहा कि पौड़ी गढ़वाल पुलिस द्वारा युवाओं में बढ़ते नशे की प्रवृत्ति की रोकथाम हेतु नशे के कारोबार में संलिप्त अभियुक्तों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्यवाही लगातार जारी रहेगी। ताकि नशे की बढ़ती प्रवृति पर प्रभावी अंकुश लगया जा सके। एसपी ने आम जनता का आह्वान किया है कि यदि नशे के सम्बन्ध में कोई सूचना मिलती है या कोई व्यक्ति नशे के कार्यों में संलिप्त रहता है या कोई किसी सार्वजनिक स्थानों पर नशा कर रहा है तो उसकी सूचना तत्काल नजदीकी थाने में दे, ताकि जिला पुलिस नशे पर रोक लागाकर एक नशामुक्त समाज बना सकें।

पंजाब सरकार राजस्व अधिकारियों के दबाव के आगे नहीं झुकेगी : जिम्पा

चंडीगढ़। पंजाब के राजस्व, पुनर्वास एवं आपदा प्रबंधन मंत्री ब्रम शंकर जिम्पा ने कहा कि राज्य सरकार राजस्व अधिकारी संघ द्वारा दबाव बनाने के किये जा रहे प्रयासों के आगे नहीं झुकेगी और जो कर्मचारी केवल अपने निहित स्वार्थों के लिये सरकारी काम में रुकावट डालने की कोशिश करेंगे, उनके खिलाफ़ सख़्त कार्रवाई की जाएगी। श्री जिम्पा ने पंजाब राजस्व अधिकारी संघ के 11 जुलाई से हड़ताल के आह्वान पर यह प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस हड़ताल को ग़ैर-कानूनी, विकास विरोधी और जनहित विरुद्ध माना जाएगा, क्योंकि संघ के बैनर तले कुछ लोग अपने पद का दुरुपयोग कर कर्मचारियों को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने सभी राजस्व कर्मचारियों को राज्य के कल्याणार्थ कड़ी मेहनत करने के नसीहत देते हुये कहा कि अधिकांश कर्मचारी इस तरह की दबाव बनाने के प्रयासों से सहमत नहीं है। राज्य सरकार सभी कर्मचारियों के कल्याणार्थ प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यदि राजस्व विभाग के कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी करने में कोई कठिनाई होती है तो इसके लिये सरकार के दरवाज़े हमेशा खुले हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार ने थोड़े ही समय में तहसीलों से भ्रष्टाचार ख़त्म कर दिया है और इस दिशा में सरकार की मुहिम निरंतर जारी रहेगी।

किसानों ने सफेद मक्खी से प्रभावित कपास की फसल की नष्ट

सिरसा। हरियाणा के सिरसा में नरमा व कपास की फसल पर सफेद मक्खी व मिलीबग के बढ़ते चले जा रहे प्रकोप से किसान दुविधा में हैं। इस रोग का फैलाव अन्य खेतों की फसल पर ना फैले इससे चिंतित किसानों ने लहलहाती व इस रोग से प्रभावित फसल की जुताई कर मिट्टी में दबाकर नष्ट करना आरम्भ कर दिया है। शनिवार को जिले के गावं तिलोकेवाला के किसान इकबाल सिंह व मल्लेवाला के किसान दीपक ने क्रमश: तीन व साढ़े तीन एकड़ क्षेत्र में खड़ी फसल को जुताई कर नष्ट करते हुए मिट्टी में दबा दिया। गौरतलब है कि उत्तरी भारत में सिरसा जिला सर्वाधिक कपास उत्पादन वाला क्षेत्र है। अबकी बार इस जिला में दो लाख हेक्टेयर क्षेत्र में कपास व नरमा फसल की बुवाई है। गांव मिलोकेवाला के किसान इकबाल सिंह ने बताया कि हमारे गांव के ज्यादातर किसानों की फसल पर इस मिलीबग नामक कीट व सफेद मक्खी का हमला हो चुका है जिससे किसान चिंतित है। उपचार के लिए दवा का छिड़काव भी किया मगर असरहीन रही। बढ़ती बीमारी के कारण तीन एकड़ में लहलहाती कपास की फ सल पर हल चला कर नष्ट कर दिया ताकि साथ लगते किसान के खेत की फ सल को इस बीमारी से बचाया जा सके। पीड़ित किसान ने बताया कि अब तक उसका प्रति एकड़ नरमा कपास की फ सल पर लगभग पन्द्रह हजार खर्च आ चुका है। वह सरकार से अपनी तीन एकड़ फ सल का मुआवजा की मांग करता हु ताकि मेरे नुकसान की भरपाई हो सके।

खेदड़ थर्मल हादसा : जांच समिति गठित, टिकैत भी पहुंचे धरने पर

हिसार। हरियाणा के हिसार जिले के खेदड़ गांव में गोशाला को दी जाने वाली राख का उठान बंद करने को लेकर हुये विवाद में गत शुक्रवार को पुलिस और किसानों की बीच झड़प में एक किसान की मौत होने की के मामले में जांच समिति गठित की गई है। गांव में आयोजित महापंचायत में शनिवार को भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश टिकैत, भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी, किसान नेता सुरेश कौथ और अन्य पहुंचे। श्री टिकैत ने प्रशासन को चेतावनी दी कि बातचीत से मामला सुलझा लें तो ठीक है, अन्यथा गंभीर परिणाम होंगे। इसलिए प्रशासन स्थानीय किसानों की समिति से बातचीत करे। वह भी इस समिति से बातचीत करेंगे।इससे पहले सुबह प्रशासन और किसानों के बीच हुई बैठक में फैसला लिया गया है कि मृतक किसान धर्मपाल का पोस्टमार्टम चार डाक्टरों की टीम करेगी। बैठक में चढूनी ने भी भाग लिया। किसानों ने हिरासत में लिए युवाओं को भी रिहा करने की मांग की। मृतक का शव अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में रखा गया है। धर्मपाल की मौत के बाद खेदड़ गांव में शोक की लहर है। पूरे गांव ने चूल्हा नहीं जलाया। उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि खेदड़ मामले में तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन कर दिया गया है। समिति में भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी मोहम्मद अकील, हिसार जिला उपायुक्त प्रियंका सोनी और जींद के पुलिस अधीक्षक है। उन्होंने कहा कि खेदड़ मामले में बातचीत के लिए सरकार के दरवाजे खुले हैं। उन्होंने साफ किया कि विद्युत विभाग कह चुका है कि गोशाला का अनुदान बंद नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि गत शुक्रवार को राख का उठान बंद करने के विवाद में राजीव गांधी थर्मल पावर प्लांट का रेलवे ट्रैक जाम करने जा रहे किसानों-ग्रामीणों की पुलिस के साथ झड़प हो गई थी। इस टकराव में गांव खेदड़ निवासी 56 वर्षीय किसान धर्मपाल की मौत हो गई थी। तीन पुलिसकर्मियों सहित 12 लोग घायल हो गए थे।

झारखंड के 100 स्कूलों में जुमे की छुट्टी

यहां मुस्लिम आबादी ज्यादा; इसलिए दबाव में बदला नियम, विभाग बेखबर

जामताड़ा (झारखंड)। झारखंड के जामताड़ा में लगभग 100 सरकारी स्कूल ऐसे हैं, जहां मुस्लिम आबादी बढ़ते ही साप्ताहिक अवकाश रविवार से बदलकर शुक्रवार कर दिया गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि जुमे के दिन न तो स्टूडेंट्स आते हैं और न ही टीचर। स्कूल की दीवार पर भी शुक्रवार को जुमा लिखा गया है। पिछले दिनों झारखंड के ही एक स्कूल में हाथ जोड़कर प्रार्थना नहीं करने का मामला आया था। यहां भी मुस्लिम आबादी ज्यादा होने के कारण प्रार्थना का नियम बदला गया था।

जिले में जहां मुस्लिमों की आबादी ज्यादा है। उन इलाकों में दबाव डालकर

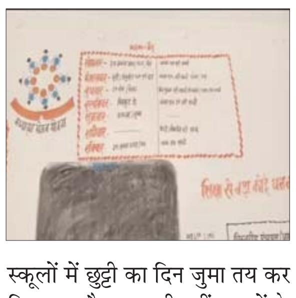

स्कूलों में छुट्टी का दिन जुमा तय कर दिया गया है। इतना ही नहीं स्कूलों के नाम के आगे उर्दू शब्द को लिखा गया है। इस पर जामताड़ा DC फैज अक अहमद मुमताज से जब सवाल किया गया तब उन्होंने बयान देने से मना कर दिया। मामले पर उन्होंने शिक्षा विभाग से पता करने को कहा।

और भी कई स्कूलों में जुमे की छुट्टी

उत्क्रमित उच्च विद्यालय बिराजपुर और मध्य विद्यालय सतुआतांड समेत कई स्कूलों में जुमे की छुट्टी की जा रही है। ज्यादातर स्कूल नारायणपुर, करमाटांड और जामताड़ा प्रखंड में स्थित हैं।

ये न तो उर्दू विद्यालय हैं और ना ही विभाग ने इन्हें शुक्रवार को बंद रखने का निर्देश दिया है, फिर भी दबाव में ऐसा किया जा रहा है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं हो पाया कि स्कूलों में जुमे की छुट्टी कब से की रही है। प्राथमिक विद्यालय ऊपर भिठरा के नाम के आगे उर्दू लगाया गया है। सरकारी आंकडे के अनुसार, जिले में करीब 1084 सरकारी स्कूल हैं।

गढ़वा में स्टूडेंट्स को हाथ जोड़ने रोका

पिछले दिनों राज्य के गढ़वा में एक माध्यमिक विद्यालय में बिना हाथ जोड़े प्रार्थना किए जाने का मामला सुर्खियों में आया था।

प्रिंसिपल का आरोप है कि स्थानीय लोगों के दबाव में यह सिलसिला पिछले 9 साल से चल रहा है। ग्रामीणों की जिद के आगे वे मजबूर हैं। उन्होंने स्थानीय प्रशासन से भी इसकी शिकायत की।

कश्मीर में शहीद जवान की याद में माल्यार्पण समारोह

श्रीनगर। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में शुक्रवार को शहीद हुए जवान को श्रद्धांजलि देने के लिए श्रीनगर में सेना के चिनार कोर मुख्यालय में शनिवार को माल्यार्पण समारोह आयोजित किया गया।

इस समारोह में चिनार कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल एडीएस औजला ने आज चिनार युद्ध स्मारक पर सभी रैंकों की ओर से माल्यार्पण किया। उन्होनें बताया कि सैनिक के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए उनके पैतृक स्थान भेजा गया है और पूरे सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। श्रीनगर स्थित रक्षा प्रवक्ता ने लेफ्टिनेंट कर्नल इमरोन मौसवी बताया कि घुसपैठियों की आवाजाही के सम्बन्ध में खुफिया जानकारी के आधार पर नियंत्रण रेखा के पास सेना के जवानों ने सात से आठ जुलाई एक अभियान चलाया, जिसमें जम्मू के आरएस पुरा निवासी नाइक जसवीर सिंह कुपवाड़ा के टीटवाल सेक्टर में इस मुठभेड़ के दौरान शहीद हो गए थे और एक घुसपैठिया मारा गया।

उन्होंने कहा कि गरंग नार के पास एंबुश पार्टी ने नाइट विजन डिवाइस के जरिए घुसपैठियों पर निगरानी रखी और मध्यरात्रि करीब 1:15 मुठभेड़ शुरू हो गयी उन्होंने बताया कि इस दौरान दो घुसपैठिए अपनी ही गोली से मारे गए।

अमरनाथ यात्रा पर गए कर्नाटक के लोग सुरक्षित : बोम्मई

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बस्वाज बोम्मई ने शनिवार को कहा कि अमरनाथ यात्रा पर गए राज्य के सभी लोग सुरक्षित हैं। अमरनाथ में बादल फटने की घटना में मृतकों की संख्या 16 हो गयी है। बोम्बई ने संवाददाताओं से कहा, कर्नाटक से अमरनाथ यात्रा पर गए सभी लोग सुरक्षित है। राज्य के लोगों से जुड़ी घटना की कोई जानकारी हमें नहीं मिली है। हम जम्मू- कश्मीर तथा केंद्र सरकार के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कर्नाटक से 100 लोग अमरनाथ यात्रा पर हैं और राज्य सरकार ने उनकी सुरक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, हमने इसके लिए हेल्पलाइन जारी की है।

अबतक 15-20 यात्रियों ने मदद के लिए हमसे संपर्क किया है और अपने स्थान की जानकारी दी है। उन्हें वापस लाने के लिए तुरंत बचाव अभियान चलाया गया। श्री बोम्मई ने कहा कि केंद्र सरकार के अधिकारी, सीमा सशस्त्र बल और भारत तिब्बत सीमा पुलिस बचाव अभियान में जुटी है।

मूसेवाला हत्याकांड में पूर्व अकाली मंत्री का भतीजा गिरफ्तार

संदीप ने शूटरों को हथियार मुहैया करवाए थे, कोठी में ठहराए थे मनदीप-मनप्रीत

लुधियाना। पंजाब के फेमस सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में लुधियाना पुलिस ने शिरोमणि अकाली दल के पूर्व मंत्री निर्मल सिंह के भतीजे संदीप को गिरफ्तार किया है। इसी ने ही शूटरों को हथियार मुहैया करवाए थे। साथ ही आरोपी मनदीप सिंह तूफान और मनप्रीत सिंह को अपनी कोठी में ठहराया था। पुलिस ने संदीप को कोर्ट में पेश कर मंगलवार तक रिमांड पर लिया है।

संदीप को पुलिस ने शनिवार को लुधियाना के बाड़ेवाल पुल से गिरफ्तार

किया। संदीप काहलो बीडीपीओ की पोस्ट पर तैनात है, जो कि एक पूर्व अकाली मंत्री निर्मल सिंह का भतीजा है। संदीप की ही कोठी में मनदीप सिंह तूफान और मनप्रीत सिंह ठहरे हुए थे। बताया जा रहा है कि संदीप ने ही सतबीर सिंह को कहा था कि वह मनदीप और मनप्रीत को बठिंडा पहुंचा दे। CIA के इंचार्ज बेअंत जुनेजा की टीम ने गुप्त सूचना पर बाड़ेवाल पुल पर संदीप को गिरफ्तार किया है। संदीप अमृतसर का रहने वाला है। पुलिस ने देर शाम उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे मंगलवार तक का रिमांड भेजा गया है।

इंस्पेक्टर बेअंत जुनेता ने बताया कि संदीप से पूछताछ की जाएगी कि वह हथियार कहा से लाया था और इस मामले में किन-किन लोगों का हाथ है। इस मामले में जल्द बड़े खुलासे हो सकते हैं।

मनोज सिन्हा ने घायल तीर्थयात्रियों से की मुलाकात

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा शनिवार को श्रीनगर के एसकेआईएमएस अस्पताल गये और श्री अमरनाथजी की पवित्र गुफा के पास बादल फटने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में घायल तीर्थयात्रियों के स्वास्थ्य की जानकारी ली।

एक आधिकारिक प्रवक्ता ने आज यह जानकारी दी। उपराज्यपाल ने घायलों का इलाज कर रहे डॉक्टरों से मुलाकात की और उनके शीघ्र स्वस्थ होने के लिए हर संभव इलाज के लिए कहा। उन्होंने उन वार्डों का दौरा किया जहां घायलों का इलाज चल रहा था

और उनका हालचाल जाना।

एसकेआईएमएस के निदेशक प्रो. परवेज ए. कौल ने उपराज्यपाल को घायल तीर्थयात्रियों को उनके इलाज के लिए दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। यह बताया गया कि दुखद बादल फटने के दौरान घायल हुए सात तीर्थयात्रियों का अस्पताल में इलाज चल रहा है और वरिष्ठ स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा उनकी निगरानी की जा रही है।

बाद में, उपराज्यपाल ने श्रीनगर पुलिस नियंत्रण कक्ष का भी दौरा किया, जहां उन्हें मृतक तीर्थयात्रियों के पार्थिव शरीर को उनके गृहनगर भेजने की स्थिति के बारे में जानकारी दी गई।

अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार शाम को अमरनाथ गुफा के पास अचानक बादल फटने से आई बाढ़ के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है।

गंदेरबल जिले के बालटाल और अनंतनाग के नुवान के दोनों आधार शिविरों से यात्रा को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया है।

हैदराबाद में दुष्कर्म के आरोप में एसएचओ के खिलाफ शिकायत दर्ज

हैदराबाद। तेलंगाना के वनस्थलीपुरम में एक महिला ने मेरेडपल्ली के स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) नागेश्वर राव के खिलाफ अपहरण और दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई। हैदराबाद सिटी पुलिस द्वारा शनिवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी। पुलिस बयान के अनुसार, महिला ने अपनी शिकायत में कहा कि नागेश्वर राय ने उनके पति को बंदूक से धमकाते हुए कथित तौर पर उसके साथ दुष्कर्म किया और दंपति का अपहरण करने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि वे एसएचओ के चंगुल से भागने में सफल रहे और शुक्रवार को वनस्थलीपुरम थाना में शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करके, आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने शनिवार को यहां एक बयान में कहा, वनस्थलीपुरम थाना में एसएचओ मररेडपल्ली के नागेश्वर राव के खिलाफ दर्ज बलात्कार और हथियार अधिनियम और सीपी रचकोंडा से प्राप्त रिपोर्ट के मद्देनजर, उन्हें सेवा से निलंबित कर दिया गया है।

कर्नाटक के विजयपुरा में भूकंप के हल्के झटके

विजयपुरा। कर्नाटक के विजयपुरा शहर समेत जिले के विभिन्न हिस्सों में शनिवार भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 4.4 मापी गयी।

अण्धिकारिक सूत्रों के अनुसार भूकंप के झटके सुबह 6.22 बजे महसूस किये गये और धरती 10 सेकेंड से ज्यादा समय तक हिली। साथ ही धरती के अंदर से तेज आवाज की आवाज सुनाई दी।

भूकंप के कारण कहीं से किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है।

कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा प्रबंधन केंद्र ने पुष्टि की है कि विजयपुर तालुक के कन्नूर गांव में आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.4 दर्ज की गई। भूकंप जमीन की सतह से 10 किमी की गहराई में स्थित था।

विजयपुर शहर में भी भूकंप महसूस किया गया, जिसमें तिकोटा, बाबलेश्वर, होरती, इंचिगेरी, नागथन, ताम्बा, देवरहिपरागी, इंडी, चडचन और पड़ोसी बागलकोट जिले और महाराष्ट्र के गांव शामिल हैं। जो लोग नींद से जागे थे वे धरती के झटके और तेज आवाज से चौंक गए व डर के मारे घर से बाहर की ओर भागे।

भूकंप की आवाज और नजारा सीसीटीवी में कैद हो गया। साथ ही कंपन से घर के बर्तन भी हिल गए। आवाज सुनकर कुत्ते भौंकने लगे।

कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा प्रबंधन केंद्र के निदेशक डॉ. मनोज राजन ने एक बयान में कहा कि शनिवार को आया भूकंप एक सामान्य भूकंप था और लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है।

भूकंप की खबर सामने आते ही अधिकारियों ने शहर के विभिन्न बरंगे और गांवों का दौरा किया और लोगों के अनुभव सुनकर उनमें हिम्मत जुटाई।

विजयपुर तहसीलदार सिद्धराय बोसागी ने भूकंप के केंद्र कन्नूर गांव का दौरा किया और लोगों के अनुभव के बारे में जानकारी ली। उन्होंने लोगों में जागरूकता पैदा की और उनमें आत्मविश्वास भरने की कोशिश की।

जयपुर की 35 कॉलोनियों तक पहुंचेगा बीसलपुर का मीठा पानी

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर शहर की करीब 35 कॉलोनियों को अब बीसलपुर का मीठा पानी मिलेगा। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने 28 करोड़ 85 लाख रूपए की लागत से करीब 130 किलोमीटर की पाइप लाइन डालने के साथ ही उच्च जलाशय आदि बनाकर इन कॉलोनियों में रहने वाली 50 हजार से अधिक की आबादी को बीसलपुर का पानी पिलाने की कवायद शुरू कर दी है। विभाग के अतिरिक्त अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुबोध अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई राजस्थान वाटर सप्लाई एवं सीवरेज मैनेजमेंट बोर्ड (आरडब्ल्यूएसएसएमबी) की वित्त समिति की आज संपन्न हुई बैठक में इसकी निविदा को मंजूरी दी गई। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि शहरी जल योजना के तहत हरमाड़ा एवं बढ़ारना सहित सीकर रोड क्षेत्र की करीब 30 से 35 कॉलोनियां इस परियोजना से लाभांवित होंगी। उल्लेखनीय है कि 1966 में बनी हरमाड़ा योजना के तहत इस क्षेत्र के गांवों को पानी मिल रहा था।

धामी ने जाड़ी के बीज बम अभियान का किया शुभारंभ

देहरादून। उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में 'बीज बम अभियान सप्ताह' का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर श्री धामी ने कहा कि यह अभियान हिमालय पर्यावरण जड़ी-बूटी एग्रो संस्थान 'जाड़ी' द्वारा शुरू किया गया है जो कि आज से 15 जुलाई तक चलेगा। इस अवसर पर श्री धामी ने पर्यावरण संरक्षण पर आधारित पुस्तक 'हिमालयी जन सरोकार' का विमोचन भी किया। उन्होंने कहा कि जाड़ी द्वारा द्वारिका प्रसाद सेमवाल के नेतृत्व में बीज बम अभियान की शुरूआत, मानव एवं वन्य जीव संघर्ष को कम करने की दिशा में सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा कि समय के साथ जैव विविधता प्रभावित हो रही है। जंगली जानवरों को जंगलों में खाद्य की उपलब्धता हो, इस दिशा में बीज बम अभियान एक अच्छा प्रयोग है। यह वैज्ञानिक तरीके से चलाया जा रहा अभियान है, जिसमें खर्चा भी बहुत कम

है। उन्होंने कहा कि कोई भी अभियान जन भागीदारी से ही बड़ा अभियान बनता है। सरकार द्वारा चलाये जा रहे अभियान तभी सफल होते हैं, जब उनमें अधिक से अधिक जन सहभागिता हो। उन्होंने कहा कि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्द्धन कर क्या दे सकते हैं, इस बारे में सबको गम्भीरता से सोचना होगा एवं इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इकोलॉजी के संरक्षण की दिशा में राज्य सरकार अनेक कार्य कर रही है। उत्तराखण्ड में सकल पर्यावरणीय उत्पाद (जीईपी) का आकलन किया जा रहा है। राज्य सरकार इकोलॉजी एवं इकोनॉमी में सामंजस्य बनाने की दिशा में कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विभागों, संस्थानों एवं सामाजिक क्षेत्र से लोगों द्वारा प्रदेश हित में क्या किया जा सकता है, इस दिशा में विशेष ध्यान देने की जरूरत है। राज्य के समग्र विकास के लिए विचारों की श्रृंखला 'बोधिसत्व' कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े बुद्धिजीवियों के सुझाव लिये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीज बम अभियान को व्यापक स्तर तक ले जाना होगा। इस अवसर पर डॉ. मोहन सिंह रावत 'गांववासी', बीज बम अभियान के संस्थापक द्वारिका सेमवाल, पूर्व प्रमुख वन संरक्षक जयराज, मुख्य विकास अधिकारी पौड़ी प्रशांत आर्य, एम्स ऋषिकेष से डॉ. संतोष, सावित्री उनियाल एवं वर्चुअल माध्यम से राज्य के विभिन्न जिलों से जुड़े अधिकारी इस अभियान में शामिल थे।

अमित शाह ने संविधान पार्क की पहल की सराहना की

जयपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार सायं को यहां राजभवन में राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात की। श्री शाह ने श्री मिश्र से करीब एक घण्टे तक संविधान, देश में सीमावर्ती क्षेत्रों में आंतरिक सुरक्षा आदि पर विस्तार से चर्चा की। राज्यपाल श्री मिश्र ने इस दौरान गृह मंत्री श्री शाह को राजभवन परिसर में बन रहे संविधान पार्क और संविधान जागरूकता के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी। श्री शाह ने राजभवन में संविधान पार्क को देशभर में अभिनव पहल बताते हुए संविधान जागरूकता के लिए श्री मिश्र द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि संविधान सर्वोच्च विधान है, इसके प्रति समर्पण भाव जरूरी है।

अमरनाथ यात्रियों के लिए सेना का बचाव अभियान जारी

श्रीनगर 09 जुलाई (वार्ता) सेना ने शनिवार को कहा कि वह बादल फटने से घायल अमरनाथ यात्रियों के लिए बचाव अभियान लगातार चला रही है। पवित्र गुफा के पास शुक्रवार को अचानक बादल फटने से बाढ़ आ गई और कम से कम 15 यात्रियों की मौत हो गई और 63 अन्य घायल हो गए।

श्रीनगर स्थित रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल इमरोन मुसावी ने कहा कि हताहतों की सूचना मिलने पर बचाव दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने कहा, कर्नल के नेतृत्व में एक इन्फैंट्री बटालियन, त्वरित प्रतिक्रिया टीमों के साथ, सेक्टर आरआर (राष्ट्रीय राइफल्स) के कर्मियों की एक अतिरिक्त कंपनी और विशेष बलों की एक टीम बचाव अभियान चलाने के लिए विशेष बचाव उपकरणों के साथ पवित्र गुफा पहुंची।

प्रवक्ता ने कहा कि रात के दौरान, कमांडर सेक्टर आरआर और कमांडिंग ऑफिसर इन्फैंट्री बटालियन ने पवित्र गुफा तथा नीलगर से बचाव कार्यों का निरीक्षण और समन्वय किया। उन्होंने कहा खोज अभियान के लिए एचएचटीआई, एनवीडी और अन्य नाइट साइट्स के साथ नौ निगरानी टुकड़ियों को भी तैनात किया गया था। तलाशी के लिए हैंड हेल्ड थर्मल इमेजर्स, नाइट विजन डिवाइसेस और अन्य नाइट साइट्स का इस्तेमाल किया गया।

दो एएलएच (उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर) को पवित्र गुफा में हताहतों की निकासी के लिए ले जाया गया, हालांकि खराब मौसम की स्थिति के कारण गुफा में रात की लैंडिंग असफल रही। दो थ्रू वॉल रडार और दो सर्च एंड रेस्क्यू डॉग स्क्वॉड को भी बचाव अभियान के लिए पवित्र गुफा में भेजा गया है।

खोज, बचाव और चिकित्सा के प्रयास दिन के अंतराल में जारी रहे। सुबह 6.45 बजे पहला एएलएच घायलों को निकालने के लिए स्थल पर उतरा। सेना और नागरिक दोनों के हेलीकॉप्टर घायलों तथा मृतकों को निकालने के लिए लगातार उड़ान भर रहे हैं।

प्रवक्ता ने कहा कि पवित्र गुफा से 15 शवों को नीलागर ले जाया गया है। फंसे हुए यात्रियों को भारतीय सेना के जवान बालटाल तक ले जा रहे हैं, क्योंकि ट्रैक कीचड़ भरा और फिसलन भरा है। इसके साथ ही ,संगम स्थित अमरनाथ नार में भी किसी भी संभावित हताहत की तलाश शुरू कर दी गई है।

लेफ्टिनेंट जनरल एडीएस औजला, चिनार कॉर्प्स कमांडर और मेजर जनरल संजीव सिंह स्लारिया, जीओसी किलो फोर्स ने भारतीय सेना द्वारा किए जा रहे बचाव और चिकित्सा प्रयासों की समीक्षा करने के लिए सुबह-सुबह पवित्र गुफा का दौरा किया। जीओसी चिनार कोर ने यात्रियों और स्थानीय लोगों से भी बातचीत की और भारतीय सेना से हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा, ''नागरिकों को सहायता/पूछताछ के लिए सेना के हेल्पलाइन नंबर +91 9149720998 पर संपर्क करने की सलाह दी जाती है। कॉल करने वालों को नाम, यात्रा पंजीकरण/आरएफआईडी नंबर, संपर्क नंबर, आधार नंबर और अंतिम ज्ञात स्थान तथा समय जैसे यात्रियों का विवरण रखने की भी सलाह दी गयी है।

सेना ने कहा है कि भारतीय सेना हर संभव तरीके से और सभी परिस्थितियों में यात्रियों की सहायता के लिए प्रतिबद्ध है।

उसने कहा, बचाव और चिकित्सा के प्रयास दिन भर जारी रहेंगे और जनता की सामान्य जानकारी के लिए विवरण अपडेट किया जाएगा।

शार्ट न्यूज

पिछले 17 माह से वेतन न मिलने के कारण 10 दिनों से धरने पर कर्मचारी

नई दिल्ली। हरदयाल म्यूनिसिपल हेरिटेज पब्लिक लाइब्रेरी , चाँदनी चौक ,में पिछले 17 माह से वेतन न मिलने के कारण कर्मचारी धरने का 10 दिन है इस मौके पर कमर्चारियों की शिकायत सुनने के लिए कांग्रेस पार्टी की ओर से अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी के पूर्व सांसद एवं दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष श्री जयप्रकाश अग्रवाल जी एवं दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष श्री मुदित अग्रवाल जी, पूर्व निगम पार्षद श्री महमूद जिया साहब एवं अन्य कांग्रेसगण धरने पर पहुँचे, * इन्होंने लाइब्रेरी के कर्मचारियों की शिकायतों को सुना। इसके बाद श्री जयप्रकाश अग्रवाल जी ने कर्मचारियों को बताया की इस लाइब्रेरी से मेरे परिवार का पुराना रिश्ता रहा है। मैं जब दिल्ली नगर निगम में डिप्टी मेयर रहा तब मैंने इस लाइब्रेरी का कई बार दौरा किया है। श्री जयप्रकाश अग्रवाल जी ने कर्मचारियों से कहा आपकी माँग जायज है, मैं और मेरी पार्टी हम आपका वेतन दिलवाने में मदद करेंगे व आपकी आवाज जोर शोर से उठाएंगे। श्री मुदित अग्रवाल जी ने अपने भाषण में कहा कर्मचारियों पर दिल्ली नगर निगम में शाषित भाजपा सरकार द्वारा किये गए शोषण और अत्याचार को हम कभी बर्दाश्त नही करेंगे। हम पूरी तरह कर्मचारियों के साथ है। और उन्हें पूरी तरह न्याय दिलवाएंगे। इस मौके पर कर्मचारियों की ओर से श्री योगेश शर्मा, आशु होटला, संजीव कुमार श्रीमती अनिता एवं सुमन बेबी ने अपनी समस्याएं बताई, कांग्रेस पार्टी की ओर से अन्य लोग जो शामिल हुए उनमें ब्लॉक अध्यक्ष मनोज गुप्ता, राहुल डाबला, पराग जैन शरद नाहार, मैकी जैन, चांद कुमार, राजू वशिष्ठ, अशोक कुमार व अन्य उपस्थित रहे।

गृह मंत्रालय भारत सरकार ने दिल्ली नगर निगम के वार्डों के परिसीमन के लिए आयोग गठित किया

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के चुनावों की तरफ कदम बढ़ाते हुए भारत सरकार के केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दिल्ली म्युनिसिपल कॉरपोरेशन एक्ट 1957 की धारा 3,3 एवं 5 द्वारा निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए निगम वार्डों के परिसीमन एवं उससे से जुड़े अन्य कार्यों में केंद्र सरकार की सहायता के लिए परिसीमन आयोग का गठन कर दिया है। दिल्ली नगर निगम के वार्डों के परिसीमन के लिए गठित आयोग में तीन सदस्य होंगे। श्री विजय देव, राज्य चुनाव आयुक्त, दिल्ली, इसके अध्यक्ष होंगे एवं श्री पंकज कुमार सिंह, संयुक्त सचिव, शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं श्री रणधीर सहाय,अतिरिक्त आयुक्त, दिल्ली नगर निगम इस परिसीमन आयोग के सदस्य होंगे। यह आयोग दिल्ली नगर निगम के वार्डों के परिसीमन से संबंधित अपनी रिपोर्ट अपने गठन से चार माह के अंदर सौंपेगा।

पूर्व एनबीसीसी अधिकारी के घर आयकर विभाग का छापा, भारी मात्रा में मिला कैश, नोट गिनवाने को मंगाई मशीनें

नोएडा। आयकर विभाग ने नोएडा में एनबीसीसी के पूर्व अधिकारी डीके मित्तल के सेक्टर-19 स्थित आवास पर शनिवार को छापेमारी की। उनके पास भारी मात्रा में कैश, ज्वैलरी और अन्य दस्तावेज मिले हैं। बताया जा रहा है कि जांच एजेंसी ने दो करोड़ रुपए नकद बरामद किए हैं। इन्हें गिनने के लिए दो मशीनें मंगवाई गई हैं। पूर्व अधिकारी पर यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति मामले में हो रही है। आयकर विभाग सीबीआई के साथ मिलकर यह कार्रवाई कर रहा है। इस दौरान नगदी को बक्सों में जब्त करके इनकम टैक्स अधिकारी ले जा रहे हैं।

सड़क दुर्घटना में दुकानदार की मौत

गुरुग्राम। भाई का इंतजार कर रहे दुकानदार को तेज रफ्तार बाइक चालक ने जोरदार टक्कर मार दी ।टक्कर लगते ही वह नीचे गिर गया और अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर बादशाहपुर थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मूलरूप से पश्चिम बंगाल निवासी तपस जाना ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गांव फाजिलपुर में किराए पर रहता है और वह गाड़ी साफ करने का काम करता है। उसके पड़ोस में बड़ा भाई आदित्य जाना भी रहता है। उन्होंने बताया कि पांच जुलाई को वह सब्जी मंडी में स्थित भाई की दुकान पर गया था। भाई ने बोला कि दुकान को बंद कर ओमेक्स सिटी सेंटर में सोहना रोड पर किसी काम से जाना है। उसका भाई बाइक चला रहा था और वह पीछे बैठा हुआ था। तभी भाई को बाइक रोकने के लिए बोला कि वह बाथरूम करेगा। वह बाथरूम करने चला गया और उसका भाई इंतजार करने लगा ।तभी तेज रफ्तार में बाइक चालक आया और उसकी बाइक में सीधी टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वह नीचे गिर गया। घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती करवाया और हालत को देखते हुए दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

अब दिल्ली में भी खुला कैलाश अस्पताल

प्रफुल्ल राय

नई दिल्ली। विकास मार्ग स्थित कड़कडडूमा कोर्ट के पास कैलाश अस्पताल समूह के नए अस्पताल का विधिवत शुभारंभ किया गया ।लोकापर्ण कार्यक्रम में सबसे पहले कैलाश अस्पताल समूह के सीएमडी व गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद डॉ. महेश शर्मा तथा निदेशक एस एम गर्ग ने निर्मित अस्पताल के परिसर में स्थापित भगवान श्री शंकर तथा भगवान श्री गणेश की प्रतिमा की विधिवत पूजा अर्चना की। वहां मौजूद पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना करवाई ।नवनिर्मित कैलाश दीपक हॉस्पिटल 508 बैड का अस्पताल है। फिलहाल 320 बैड चालू कर दिए गए हैं। अस्पताल में सभी अत्याधुनिक सुविधाओं की व्यवस्था की गयी इस मौके पर सांसद डॉ महेश शर्मा की धर्मपत्नी तथा वरिष्ठ चिकित्सक डॉ.उमा शर्मा, पूर्व केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डा.हर्षवर्धन, दिल्ली के सांसद व प्रसिद्ध लोक कलाकार मनोज तिवारी, पूर्वी दिल्ली के सांसद गौतम गंभीर, एस.एम.गर्ग, श्रीमती संगीता गर्ग, डॉ.कार्तिक शर्मा, सुनील अग्रवाल, विजय कुमार गुप्ता, कैलाश दीपक हॉस्पिटल के सीएमडी शशी मोहन गर्ग, संजय चितकारा सहित अस्पताल के सभी चिकित्सक तथा स्टाफ मौजूद था।

शशि मोहन गर्ग ने अमरनाथ यात्रा में दिवंगत श्रद्धालुओं की आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन व्रत रखवाया तथा उनकी आत्मा की शांति की भगवान से कामना की ।श्री गर्ग ने बताया कि यह अस्पताल 350 बेड का शुरू किया गया है जो आगे भविष्य में बढ़ाकर 500 बेड का कर दिया जाएगा। यहां पर सभी प्रकार की अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद है ।कैलाश अस्पताल की शुरूआत वर्ष 1990 में नोएडा के सेक्टर-19 में एक छोटी सी क्लीनिक से हुई थी। अब यह एक विशाल समूह बन गया है। इस समूह के उत्तर प्रदेश, राजस्थान एवं उत्तरांचल में एक दर्जन अस्पताल हैं। इस कड़ी में अब दिल्ली प्रदेश भी जुड़ गया है। प्रगति की यह पूरी यात्रा डा. महेश शर्मा के समर्पण भाव से किए गए निस्वार्थ कर्म की 'सफलता की कहानी है।

गुरुग्राम : कोरोना संक्रमित 159 नए मरीज मिले

एजेंसी

गुरुग्राम। जिले में शनिवार को कोरोना संक्रमित 159 नए मरीज मिले।

इसी के साथ कुल संक्रमित मरीजों की संख्या 284501 हो गई। राहत इस बात की रही कि बीते 24 घंटे में किसी भी संक्रमित मरीज की मौत नहीं हुई, वहीं 139 संक्रमित मरीज कोरोना को मात देकर स्वस्थ भी हो गए। शनिवार को जिले में कोरोना संक्रमण की दर 4.12 फीसदी दर्ज की गई।

कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या जिले में अब 757 रह गई है। इनमें से 745 सक्रिय मरीज होम आइसोलेशन में हैं। इनमें संक्रमण के कम लक्षण होने की वजह से स्वास्थ्य विभाग ने इन्हें घर पर ही अलग से आइसोलेट रहने की हिदायत दी है। जबकि 12 संक्रमित मरीजों का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

नए संक्रमित मरीजों की पहचान के लिए भी जिला स्वास्थ्य विभाग का सघन जांच अभियान लगातार जारी है। कोरोना जांच के लिए शनिवार को जिले में 3857 नमूने लिए गए।

इनमें से 1867 नमूनों की जांच रैपिड एंटीजन टेस्ट से की गई। जबकि 1990 नमूने आरटीपीसीआर जांच के लिए एकत्रित किए गए। 1122 नमूनों की जांच रिपोर्ट अभी सरकारी लैब से आना बाकी है।

हुडा सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन के पास एफओबी का निर्माण शुरू

गुरुग्राम। हुडा सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन के पास गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) की ओर से फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) का निर्माण शुरू करवा दिया गया है। पैदल राहगीर एफओबी बनने के बाद सुरक्षित सड़क पार कर सकेंगे। अभी कोई सुरक्षित माध्यम नहीं होने से लोगों को मेट्रो स्टेशन तक पहुंचने और मेट्रो स्टेशन से बाहर निकलकर दूसरी ओर आने के लिए वाहनों के बीच से सड़क पार करनी पड़ती है।

इससे पैदल राहगीरों के वाहनों की चपेट में आने का खतरा बना रहता है। वाहनों को भी सड़क पर पैदल चलने वाले राहगीरों की वजह से अपने वाहनों की रफ्तार को धीमा करना पड़ता है। जीएमडीए अधिकारियों के अनुसार एफओबी का निर्माण 31 अगस्त तक पूरा करने की समय सीमा तय की गई है।

हुडा सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन के पास जाम की समस्या को खत्म करने के लिए जीएमडीए ने एक फ्लाईओवर और एक अंडरपास का निर्माण कराया है। इनके बनने से यहां लगने वाले जाम से तो वाहन चालकों को राहत मिल गई है, लेकिन परियोजना में शामिल एफओबी का निर्माण अभी तक पूरा नहीं हो पाया है। अधिकारियों के अनुसार जिस जगह पर एफओबी बनना है। वहां नीचे से मास्टर सीवर, पानी और बरसाती नाले की लाइन गुज रही थी।

दिल्ली में मेट्रो स्टेशन पर महिला स्कूल टीचर से छेड़छाड़ करने वाला शख्स गिरफ्तार, पहले भी करता था परेशान

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के आईपी एक्सटेंशन मेट्रो स्टेशन पर कथित रूप से एक प्राइमरी स्कूल की टीचर का पीछा कर छेड़छाड़ करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। छेड़छाड़ की यह घटना गुरुवार को हुई थी।

डीसीपी मेट्रो ने शनिवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान राजेश चंद मीणा के रूप में हुई है, जो दिल्ली के कल्याणपुरी का निवासी है। आईपी एक्सटेंशन मेट्रो स्टेशन के स्टेशन नियंत्रक से 7 जुलाई को छेड़खानी की शिकायत के संबंध में प्राप्त एक पीसीआर कॉल के आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ के दौरान पीड़ित महिला ने हमें बताया कि वह एक प्राइमरी स्कूल में टीचर है।

घटना वाले दिन वह एमसीडी ऑफिस गई थी, जहां उसने देखा कि कोई उसका पीछा कर रहा है। जब उसने आईपी एक्सटेंशन मेट्रो स्टेशन में प्रवेश किया, तो उसे वहां और लिफ्ट के अंदर फिर से वही आदमी मिला, जहां उसने उसके साथ छेड़छाड़ की और किसी को भी इस बारे में बताने पर जान से मारने की धमकी दी थी।

आरोपी मीणा से लगातार पूछताछ में सामने आया कि वह पहले भी शिकायतकर्ता का पीछा करता था और उसे परेशान करता था और वह पहले भी कई बार इसकी शिकायत कर चुकी है।

पुलिस ने पीड़िता के हवाले से कहा कि करीब डेढ़ साल पहले उसने विभाग के साथ-साथ थाने में भी इसकी शिकायत की थी, जिसमें आरोपी ने वादा किया था कि वह भविष्य में उसे कभी परेशान नहीं करेगा या उसका पता नहीं लगाएगा।

यमुना डिपो मेट्रो पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 354 (महिला का शील भंग करने के इरादे से हमला या आपराधिक बल), 354 ए (यौन उत्पीड़न और यौन उत्पीड़न के लिए सजा), 354 डी (पीछा करना), 506 (आपराधिक धमकी के लिए सजा) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपने नाम के अलावा यह भी खुलासा किया कि वह दिल्ली के गोकुलपुरी में एक प्राइमरी स्कूल टीचर के रूप में कार्यरत था।

दिल्ली के उस्मानपुर में पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़, 1 शातिर अपराधी ढेर, 3 साथी गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के उस्मानपुर इलाके में शुक्रवार रात दिल्ली पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में एक 23 वर्षीय बदमाश की मौत हो गई, जबकि उसके तीन साथियों को गिरफ्तार कर लिया गया। मृतक की पहचान दिल्ली के करतार नगर निवासी आकाश उर्फ इलू के रूप में हुई है।

पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) उत्तर-पूर्व संजय सेन ने कहा कि दिल्ली के उस्मानपुर इलाके में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ मुठभेड़ में आकाश नाम का एक अपराधी मारा गया और तीन अन्य को गिरफ्तार किया गया है।

आठ जुलाई को स्नैचिंग की शिकायत के बाद पुलिस टीम संदिग्धों की तलाश में यमुना खादर इलाके की ओर बढ़ी और जंगल की गहराई में पहुंची, जहां उन्होंने सात-आठ संदिग्ध व्यक्तियों की मौजूद देखा।

पुलिस कर्मियों ने अपनी पहचान बताते हुए उन्हें बाहर आने को कहा, लेकिन अचानक उन्होंने पुलिस टीम पर दो गोलियां चला दीं। पुलिस कर्मियों ने किसी तरह खुद को बचाया और फिर

से आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन उन्होंने उसे अनसुना कर दिया और फिर से पुलिस टीम पर गोली चला दी।

इसके बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की और अंधेरे का फायदा उठाकर भागने की कोशिश के दौरान एक बदमाश को गोली लगने से वह नीचे गिर गया और अन्य बदमाश भाग खड़े हुए।

लूट के सात आपराधिक मामलों में था संलिप्त

डीसीपी ने बताया कि घायल आकाश को इलाज के लिए पास के जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया और बाद में उसे एलएनजेपी अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना स्थल से एक पिस्टल व तीन खाली कारतूस बरामद हुए हैं।

पुलिस द्वारा मृतक आकाश के आपराधिक इतिहास की जांच करने पर वह लूट के सात आपराधिक मामलों में संलिप्त पाया गया है। वह थाना न्यू उस्मानपुर का बीसी (बेड कैरेक्टर) था और उसे एक मामले में 6 जून 2022 को जमानत पर रिहा किया गया था। बाद में जारी सर्च ऑपरेशन के दौरान यमुना खादर क्षेत्र से मृतक आकाश के तीन साथियों को भी पकड़ लिया गया। इनकी पहचान विशाल उर्फ राहुल नेगी उर्फ चुन्नू, मोनू उर्फ चाइनीज और निखिल के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से आठ मोबाइल फोन, दो जिंदा कारतूस और एक चाकू भी बरामद किया है। विशाल को लूट के छह आपराधिक मामलों में भी शामिल पाया गया है और अन्य के आपराधिक इतिहास का सत्यापन किया जा रहा है।

लड़कियों के कपड़े पहन फंसाते थे शिकार

पूछताछ में पता चला कि मोनू और निखिल सड़क पर आने-जाने वालों को रिझाने करने के लिए लड़कियों की तरह कपड़े पहनते थे। एक बार कोई भी व्यक्ति ऐसी लड़कियों के साथ आता था तो उसके साथी उसके रुपये और कीमती सामान लूट लेते थे।

इस मामले में धारा 186, 353, 332, 307 और 34 भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने कहा कि आगे की जांच जारी है और शेष आरोपियों को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

वॉयलेट लाइन की पटरी पर उतरी महिला

कुछ देर के लिए थमे दिल्ली मेट्रो के पहिए

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो की वॉयलेट लाइन स्थित बड़खल मोड़ स्टेशन पर शुक्रवार को एक महिला यात्री के उतर जाने से ट्रेन सेवाएं कुछ समय के लिए प्रभावित हो गईं। दिल्ली मेट्रो की यह लाइन कश्मीरी गेट को हरियाणा के बल्लभगढ़ से जोड़ती है। सेवाएं बाधित होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि, महिला ने पूछताछ में दावा किया है कि वह चक्कर आने से गिर पड़ी थी।

पुलिस के अनुसार पूछताछ में महिला ने बताया कि वह एक निजी कंपनी में एचआर मैनेजर के पद कार्यरत है।

उन्होंने डेढ़ साल पहले प्रेम विवाह किया था। वह काफी समय से तनाव में चल रही हैं। वह शुक्रवार को दिल्ली की ओर जाने के लिए बड़खल मेट्रो स्टेशन पहुंची थी।

तनाव के चलते उन्हें चक्कर आ गया और वह स्टेशन पर मेट्रो ट्रैक पर गिर गई। मेट्रो थाना प्रभारी इंस्पेक्टर दलबीर ने बताया कि महिला के पति और भाई से भी पूछताछ की गई है। फिलहाल महिला को उनके परिजनों के हवाले कर दिया गया है।

ट्वीट कर जानकारी दी

दिल्ली मेट्रो ने खुद ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। डीएमआरसी ने शुक्रवार दोपहर ट्वीट किया कि बड़खल मोड़ पर एक यात्री के पटरी पर उतरने के कारण बदरपुर बॉर्डर से राजा नाहर सिंह (बल्लभगढ़) तक सेवाओं में देरी हो रही है। वहीं, अन्य सभी लाइन पर सेवाएं सामान्य हैं।

प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर लगाए गए हैं

ट्रैक पर कूदकर जान देने की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए मेट्रो फेज तीन से सभी स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर (पीएसडी) लगाने की शुरुआत की गई थी। फेज तीन के दोनों कॉरिडोर पिंक लाइन और मजेंटा लाइन पर पहले ही दिन से पीएसडी लगाए गए हैं।

बर्थडे पार्टी खत्म होने पर मांगा खाना, मना करने पर बौखलाया युवक; चार महिलाओं को चाकू से गोदा

एजेंसी

नई दिल्ली। द्वारका के ककरोला में एक नशे में धुत एक युवक ने अपने पड़ोसियों पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में तीन बहनों सहित उनकी मां घायल हो गई हैं। तीनों को सिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है। युवक ने इनपर इसलिए हमला किया क्योंकि जन्मदिन की पार्टी खत्म होने के बाद उन्होंने उसे खाना देने से मना कर दिया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना मंगलवार रात को घटी। पुलिस ने बताया कि 17 साल की पुष्पा ने मामले की शिकायत की है। उसने बताया कि मंगलवार को उसके पांच साल के भाई का बर्थडे था। पीड़ित परिवार भरत विहार में रहता है। पुष्पा ने कहा कि उनका 28 वर्षीय पड़ोसी विक्की आधी रात को पार्टी खत्म होने के बाद उनके घर आया था। उसने उनसे खाना मांगा, जब उन्होंने खाना देने से मना किया तो तो उसने चाकू निकाला और उनपर हमला कर दिया। इसमें उसकी मां मालती देवी (40), और दो बहनें नीलम (20) सपना (15) और पुष्पा घायल हो गईं।

आधी रात को खाना मांगने पहुंचा

पुष्पा ने अपनी शिकायत में कहा, 5 जुलाई को मेरे भाई विक्रम का जन्मदिन था और हमने अपने घर पर एक छोटी सी पार्टी रखी थी। परिवार के कुछ सदस्यों के अलावा, हमने इसमें कुछ पड़ोसियों को आमंत्रित किया था। लगभग 12.30 बजे पार्टी खत्म होने के बाद, विक्की ने हमारा दरवाजा खटखटाया। वह नशे में था और हमने उसे वापस जाने को कहा क्योंकि पार्टी खत्म हो चुकी थी। इससे वह नाराज हो गया और हमें गालियां देकर लौट गया।

तीन बहनों और मां पर चाकू से किया हमला

पीड़िता ने आगे कहा कि कुछ ही मिनटों बाद विक्की चाकू लेकर लौटा और हम सभी को जान से मारने की धमकी दी।

पुष्पा ने कहा, मेरी मां बाहर खड़ी थी, उसने उसे चाकू मार दिया। मेरी बहन नीलम मां को बचाने के लिए दौड़ी, लेकिन विक्की ने उन्हें भी चाकू मार दिया। इसके बाद सपना ने बीच-बचाव करने की कोशिश की तो विक्की ने उसपर भी हमला कर दिया। उसने मुझपर भी हमला किया।

आवाज सुनकर आए लोगों ने आरोपी को पीटा

इस दौरान पीड़िता के रोने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और उन्होंने विक्की को पकड़ लिया। अधिकारियों ने बताया कि लोगों ने उसकी पिटाई की और उसे पुलिस को सौंप दिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि जब तक पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक सभी घायलों को दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में भर्ती करवा दिया गया था। उसी दिन इलाज के बाद पुष्पा को छुट्टी दे दी गई।

अधिकारी ने कहा, मालती देवी और सपना को शुक्रवार को छुट्टी दे दी गई, लेकिन नीलम अभी भी अस्पताल में हैं और उसकी हालत गंभीर है। पुलिस टीम ने चाकू बरामद कर लिया है और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। 28 साल का आरोपी विक्की कूड़ा इकट्ठा करता है।

पुलिस ने उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 307 के तहत मामला दर्ज करके गिरफ्तार कर लिया है। उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

नेताजी सुभाष मार्ग के साइकिल लेन से वाहनों की पार्किंग हटवाई

गुरुग्राम। नेताजी सुभाष मार्ग पर बने मॉडल साइकिल ट्रैक पर साइकिल चालकों को चलने में अब कोई दिक्कत नहीं आएगी। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने गुरुग्राम यातायात पुलिस की सहायता से सेक्टर-39 स्थित एक निजी इमारत के सामने साइकिल ट्रैक पर बनी अवैध पार्किंग को हटवा दिया है। जिस जगह पर साइकिल ट्रैक में बाइकों की पार्किंग की जाती थी, वहां पुलिस ने बैरिकेड लगवा दिए हैं और सिर्फ साइकिल के ही निकलने की जगह खुली छोड़ी है। ऐसे में साइकिल चालक अब डेडिकेटेड साइकिल ट्रैक से सुरक्षित सफर कर सकेंगे ।साइकिल ट्रैक में अवैध पार्किंग की वजह से साइकिल चालकों को चलने में हो रही दिक्कत को हिन्दुस्तान ने कई बार प्रमुखता से उठाया, जिसपर संज्ञान लेते हुए जिम्मेदार अधिकारियों ने अवैध कब्जे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए इस समस्या को दूर कर दिया है। शहर में पहला मॉडल डेडिकेटेड साइकिल ट्रैक दो साल पहले जीएमडीए ने नेताजी सुभाष मार्ग पर बनवाया था। हुडा सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन तक बने इस साइकिल ट्रैक की कुल लंबाई दस किलोमीटर की है। सड़क के दोनों तरफ साइकिल चालकों के लिए अलग से डेडिकेटेड लेन बनी है। इस मॉडल साइकिल ट्रैक का उद्घाटन दो अक्तूबर 2020 को जीएमडीए के तत्कालीन सीईओ वीएस कुंडू की उपस्थिति में हुआ था। सेक्टर-39 में एक निजी इमारत ने साइकिल ट्रैक पर कब्जा कर लिया था और इमारत में आने वाले लोग साइकिल ट्रैक पर ही अपनी बाइक खड़ी करते थे। साइकिल ट्रैक का लगभग 100 मीटर हिस्सा इससे जाम हो गया था और साइकिल चालकों को निकलने में दिक्कत होती थी।

साइकिल ट्रैक का जब निर्माण किया गया था, उस समय इस ट्रैक पर वाहन न चल सकें इसके लिए छोटे छोटे खंभे लगवाए गए थे, लेकिन लोगों ने उन्हें तोड़ दिया और साइकिल ट्रैक में वाहन दौड़ाने शुरू कर दिए। साइकिल ट्रैक में वाहन दौड़ने की वजह से साइकिल चालकों को मजबूरी में सड़क किनारे ही साइकिल चलाकर सफर करना पड़ रहा था और जिस उद्देश्य से ये ट्रैक बनाया गया था उसका लाभ बड़े स्तर पर साइकिल चालक नहीं उठा पा रहे थे। साइकिल ट्रैक में वाहनों के प्रवेश को रोकने के लिए जहां कहीं भी अब खंभे टूट चुके हैं।

सीआईएसएफ के बर्खास्त जवान की विधवा अनुकंपा भत्ता पाने की हकदार : दिल्ली हाईकोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि नौकरी से बर्खास्त जवान की विधवा को अनुकंपा भत्ता से वंचित नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में 24 साल की सेवा के बाद नौकरी से बर्खास्त किए गए जवान की विधवा को 'अनुकंपा भत्ता' देने का आदेश दिया है।

जस्टिस सुरेश कुमार कैत और सौरभ बनर्जी की बेंच ने कहा कि तथ्यों से साफ है कि फैमिली पेंशन/अनुकंपा भत्ता की मांग को लेकर याचिकाकर्ता की दया याचिका को खारिज करते समय केंद्र सरकार और सीआईएसएफ ने सीसीएस (पेंशन) रूल्स 1972 के नियम 41 के प्रावधानों की अनदेखी की है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि याचिकाकर्ता के पति कृष्णपाल सिंह को 18 बार कदाचार के मामले सामने आने के बाद 1995 में नौकरी से हटा दिया गया था, लेकिन इससे पहले वह सीआईएसएफ में 24 साल की सेवा पूरी कर चुके थे। नौकरी से हटाए जाने और लगाए गए आरोपों को याचिकाकर्ता के पति ने अदालत में चुनौती थी, लेकिन इस बीच 2000 में उनकी मौत हो गई।

बेंच ने कहा कि मौत के बाद 2011 में कोर्ट में लंबित याचिका स्वतः खारिज हो गई, लेकिन इस बीच याचिकाकर्ता ने 2008 में फैमिली पेंशन पाने की मांग को लेकर सक्षम प्राधिकार के समक्ष प्रतिवेदन दिया, जिसे खारिज कर दिया गया। याचिकाकर्ता ने 2018 में सरकार के समक्ष दया याचिका दाखिल कर अनुकंपा भत्ता की मांग की, लेकिन सीआईएसएफ ने इसे खारिज कर दिया। बेंच ने केंद्र सरकार और सीआईएसएफ को चार सप्ताह में याचिकाकर्ता को अनुकंपा भत्ता देने का आदेश दिया है।

यह मामला है

हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता शिक्षा ने वकील अजीत कक्कड़ के माध्यम से याचिका दाखिल कर अनुकंपा भत्ता/फैमिली पेंशन की मांग को लेकर सरकार के सक्षम प्राधिकार द्वारा 2018 में दया याचिका खारिज किए जाने को चुनौती दी थी। वकील ने बेंच को बताया कि उनके मुवक्किल के पति कृष्णपाल सिंह जो सीआईएसएफ में नायक के पद पर तैनात थे, उन्हें 1995 में कदाचार के आरोप में दोषी पाते हुए नौकरी से हटा दिया गया था।

संपादकीय

शिक्षा और चिकित्सा पर सरकारों ने ज्यादा ध्यान दिया होता तो आज हालात कुछ और होते

पिछले 75 साल में भारत में शिक्षा का ढांचा वही है, जो लगभग 200 साल पहले अंग्रेजों ने भारत पर थोप दिया था। उनकी शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ जी-हुजूर बाबुओं की जमात खड़ी करना था। आज भी वही हो रहा है। हमारे सुशिक्षित नेता लोग उसके साक्षात ज्वलंत प्रमाण हैं।

वाराणसी में अखिल भारतीय शिक्षा समागम में बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंग्रेजों की औपनिवेशिक शिक्षा प्रणाली की दो-टूक आलोचना की और देश भर के शिक्षाशास्त्रियों से अनुरोध किया कि वे भारतीय शिक्षा प्रणाली को शोधमूलक बनाएं ताकि देश का आर्थिक और सामाजिक विकास तीव्र गति से हो सके। जहां तक कहने की बात है, प्रधानमंत्री ने ठीक ही बात कही है लेकिन वर्तमान प्रधानमंत्री और पिछले सभी प्रधानमंत्रियों से कोई पूछे कि उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में कौन-से आवश्यक और क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं?

पिछले 75 साल में भारत में शिक्षा का ढांचा वही है, जो लगभग 200 साल पहले अंग्रेजों ने भारत पर थोप दिया था। उनकी शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ जी-हुजूर बाबुओं की जमात खड़ी करना था। आज भी वही हो रहा है। हमारे सुशिक्षित नेता लोग उसके साक्षात ज्वलंत प्रमाण हैं। देश के कितने नेता सिर्फ डिग्रीधारी हैं और कितने सचमुच पढ़े-लिखे और बुद्धिजीवी हैं? इसीलिए वे नौकरशाहों की नौकरी करने के लिए मजबूर होते हैं। हमारे नौकरशाह भी अंग्रेज की टकसाल के ही सिक्के हैं। वे सेवा नहीं, हुकूमत के लिए कुर्सी पकड़ते हैं। यही कारण है कि भारत में औपचारिक लोकतंत्र तो कायम है लेकिन असलियत में औपनिवेशिकता हमारे अंग-प्रत्यंग में रमी हुई है।

प्रधानमंत्री गर्व से कह रहे हैं कि उनके राज में अस्पतालों की संख्या 70 प्रतिशत बढ़ गई है लेकिन उनसे कोई पूछे कि इन अस्पतालों की हालत क्या है और इनमें किन लोगों को इलाज की सुविधा है? अंग्रेज की बनाई इस चिकित्सा-पद्धति को, यदि वह लाभप्रद है तो स्वीकार जरूर किया जाना चाहिए लेकिन कोई यह बताए कि आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, होम्योपेथी, हकीमी-यूनानी चिकित्सा-पद्धतियों का 75 साल में कितना विकास हुआ है? उनमें अनुसंधान करने और उनकी प्रयोगशालाओं पर सरकार ने कितना ध्यान दिया है? पिछले सौ साल में पश्चिमी एलोपेथी ने अनुसंधान के जरिए अपने आपको बहुत आगे बढ़ा लिया है और उनकी तुलना में सारी पारंपरिक चिकित्साएं फिसड्डी हो गई हैं। यदि हमारी सरकारें शिक्षा और चिकित्सा के अनुसंधान पर ज्यादा ध्यान दें और इन दोनों बुनियादी कामों को स्वभाषा के माध्यम से संपन्न करें तो अगले कुछ ही वर्षों में भारत दुनिया के उन्नत राष्ट्रों की टक्कर में सीना तानकर खड़ा हो सकता है। यदि शिक्षा और चिकित्सा, दोनों सस्ती और सुलभ हों तो देश के करोड़ों लोग रोजमर्रा की ठगी से तो बचेंगे ही, भारत शीघ्र ही महाशक्ति और महासंपन्न भी बन सकेगा। दुनिया में जो भी 8-10 राष्ट्र शक्तिशाली और संपन्न माने जाते हैं, यदि बारीकी से आप उनका अध्ययन करें तो आपको पता चलेगा कि पिछले 100 वर्षों में ही वे वैसे बने हैं, क्योंकि उन्होंने अपनी शिक्षा और चिकित्सा पर सबसे ज्यादा ध्यान केंद्रित किया है।

85 प्रतिशत मुसलमानों को अपनी तरफ करने का बीजेपी का प्लान

अभिनय आकाश

समांदा पूरी मुस्लिम आबादी को धर्म आधारित आरक्षण देने की मांग का भी विरोध करते हैं, उनका तर्क है कि यह समुदाय के भीतर राज्य के संसाधनों तक असमान पहुंच की अनदेखी करता है। आज बात मुसमानों की करेंगे। उन मुस्लिमों जो किसी को नजर नहीं आते हैं। ये वो मुसलमान हैं जिनके वोट तो सबको चाहिए। लेकिन इनकी बात कोई नहीं करता है। दिलचस्प बात ये है कि इनकी बात अगर किसी व्यक्ति ने की है तो उसने की है जिसे मुसलमानों का विरोधी बताया जाता है। वो नाम है पीएम नरेंद्र मोदी का जिनको लेकर विरोधी अक्सर आरोप लगाते हैं कि उनके आने के बाद मुसलमान डरा हुआ है। मोदी सरकार में कोई मंत्री मुस्लिम नहीं है। एक मात्र मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी हुआ करते थे। लेकिन संयोग से 7 जुलाई को ही उनका कार्यकाल खत्म हो गया। क्योंकि राज्यसभा के सांसद के रूप में उनके कार्यकाल की अवधि खत्म हुई तो अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ने इस्तीफा जाकर राष्ट्रपति को सौंप दिया। अब देश में अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री स्मृति ईरानी हैं। लेकिन पसमांदा समाज की फिक्र बीजेपी को बहुत सता रही है। लेकिन पासमांदा समाज का जिक्र और फ्रिक अगर बीजेपी की तरफ से ये जानते हुए करे कि एक भी सांसद उसका मुस्लिम नहीं है। राज्यसभा के दरवाजे भी अब बंद हो गए। इस देश में दोनों सदनों को मिलाकर 400 से ज्यादा सांसद जिस पार्टी के आते हैं उनमें एक भी मुसलमान नहीं। उसी राजनीतिक पार्टी के 1300 से ज्यादा विधायक समूचे देश में हैं। लेकिन उसमें भी एक भी मुसलमान नहीं। भले ही मुस्लिमों की नुमाइंदगी के मामले में बीजेपी का हाथ तंग रहा हो। लेकिन बीजेपी की चिंता मुस्लिम समाज को लेकर है क्योंकि जब इस देश में अलग-अलग योजनाएं चलती हैं। जिसका ऐलान प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से किया जाता है। चाहे वो आयुष्मान योजना हो चाहे उज्जवला योजना। या फिर प्रधानमंत्री आवास योजना। हर योजना के माहतत धर्म जाति देखी नहीं जाती है, बल्कि गरीबी और दरिद्रगी देखी जाती है, मुफलिसी देखी जाती है।

क्यों पीएम मोदी चाहते हैं इन पर फोकस

बीजेपी नए भौगोलिक इलाकों में अपने विस्तार की कोशिश कर रही है। जिसके लिए उसने 30-40 साल का पॉलिटिकल प्लान बनाया है। इसी कवायद के तहत बीजेपी अब नए वोट बैंक भी ढूंढ़ रही है। ये नया वोट बैंक पसमांदा मुसलमानों का है। अब आप कहेंगे कि ये पसमांदा मुसलमान कौन है? ये बताने से पहले आपको थोड़ा ब्रैकग्राउंड बता देते हैं। 2 और 3 जुलाई को हैदराबाद में बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई थी। इसमें पीएम मोदी ने अल्पसंख्यकों के कमजोर और वंचित तबके को बीजेपी के साथ लाने की बात कही थी। पीएम मोदी ने कहा था कि हमें तुष्टीकरण नहीं बल्कि तृप्तिकरण के रास्ते आगे बढ़ना है। इसके लिए अल्पसंख्यक समुदाय के बीच देशभर में स्नेह यात्रा निकालनी चाहिए। उन्होंने कहा था कि अल्पसंख्यक में भी उन लोगों से जुड़िए जिनकी कोई बात नहीं करता है। खासतौर से जिस देश में अल्पसंख्यक का मतलब मुसलमान ही समझा जाता हो उन मुसलमानों में वो तबका जिसकी कोई सुध नहीं लेता वो है पसमांदा मुसलमान। बीजेपी को जब अपने तौर पर निर्दश देते हुए प्रधानमंत्री ने हैदराबाद में राष्ट्रीय कार्यकारिणी में जिक्र किया तो अब राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ भी सक्रिय हो गया। मुस्लिम समाज के भीतर 85 फीसदी हिस्सा पसमांदा समाज का आता है। यानी 2011 की जनगणना के हिसाब से 19.2 फीसदी मुसलमान में 85 फीसदी हिस्सा पिछड़े और दलित मुस्लिम आते हैं, जो मुस्लिम समाज में एक अलग सामाजिक लड़ाई लड़ रहे हैं।

भूखमरी का बढ़ता दायरा एवं संवेदनहीन शासन-व्यवस्थाएं

ललित गर्ग

संयुक्त राष्ट्र की ताजा वैश्विक खाद्य सुरक्षा रिपोर्ट में दुनिया में भुखमरी की स्थिति पहले के मुकाबले ज्यादा विकराल होने की स्थितियां तमाम विकास की तस्वीरों पर एक बदनुमा दाग है। दुनिया में उभरती आर्थिक महाशक्तियों, व्यवस्थाओं एवं विकास के बीच भूखे लोगों की तादाद में इजाफा होना दुनिया के विकास एवं संतुलित समाज की संरचना पर एक गंभीर प्रश्न है। कहीं-ना-कहीं दुनिया के विकास मॉडल में खामी है या वर्तमान सरकारों की कथनी और करनी में फर्क है। ऐसा लगता है कि विकास के लुभावने स्वरूप को कामयाबी माना जाने लगा है, लेकिन इसके बुनियादी पहलुओं को केंद्र में रखकर जरूरी कदम नहीं उठाए गए या उन पर अमल नहीं किया गया, तभी भूखमरी एवं भूखे लोगों की विडम्बनापूर्ण स्थितियां सुरसा की भांति बढ़ती ही जा रही है। यह कैसी संवेदनहीनता एवं उपेक्षापूर्ण मानसिकता है कि भूखमरी की त्रासद एवं खौफनाक मसले पर किसी नई रिपोर्ट पर हैरानी तक नहीं होती, मगर इससे इतना जरूर पता चलता है कि विश्वभर में नीतियां बनाने और उन्हें लागू करने को लेकर कोई संतुलित रुख नहीं अपनाया जाता। यह शासन व्यवस्थाओं की नीति एवं नियत में खोट को ही दर्शाता है।

विश्व की करीब दो अरब तीस करोड़ आबादी को भूखमरी एवं भूख का सामना करना पड़ रहा है। दो वक्त की भोजन सामग्री जुटाने के लिए इस आबादी को जिन मुश्किलों, संकटों एवं त्रासद स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है, वह विश्व की सरकारों एवं व्यवस्थाओं के विकास के बयानों को बेमानी सिद्ध करता है। संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना महामारी और उसके बाद रूस-यूक्रेन युद्ध ने भूखमरी को विकट बनाने में अहम भूमिका निभाई है। संयुक्त राष्ट्र की कई एजंसियों की ओर से संयुक्त रूप से प्रकाशित इस रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया 2030 तक सभी रूपों में भूख, खाद्य असुरक्षा, स्वास्थ्य और कुपोषण को खत्म करने के अपने लक्ष्य से और दूर जा रही है।

संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट में भले ही भुखमरी के कारणों में कोरोना महामारी, युद्ध, संघर्ष, हिंसा, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदा आदि की बात की गयी हो, लेकिन इसके लिये नवसाम्राज्यवाद, नवउदारवाद, मुक्त अर्थव्यवस्था और बाजार का ढांचा जैसे बड़े कारणों पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है, अमीरी-गरीबी के बीच बढ़ता फासला आदि की चर्चा नहीं होती। दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं की एक बड़ी विसंगति यह रही है कि इसमें एक तरफ गरीब है तो दूसरी तरफ अति-अमीर है। इन दोनों के बीच बड़ी खाई है। इस बढ़ती खाई पर ज्यादा शोरशराबा नहीं होता तो इसकी एक वजह यह भी है कि मान लिया गया है कि उच्च वर्गों की समृद्धि की रिसन या ऊंची विकास दर के जरिए गरीबी उन्मूलन का लक्ष्य अपने आप पा लिया जाएगा। यह उम्मीद पूरी तरह भ्रामक है और पूरी होती नहीं दिखती। उलटे विश्व खाद्य कार्यक्रम की रिपोर्ट बताती है कि

सरकारों द्वारा निर्धारित अनाज की ऊंची कीमतों के चलते दुनिया में साढ़े सात करोड़ वैसे लोग भुखमरी की चपेट में आ गए हैं जो पहले इससे ऊपर थे। भूखे या अधपेट रह जाने वाली जनसंख्या में हुए इस इजाफे में तीन करोड़ लोग केवल भारत के हैं। इसमें पीने के पानी, कम से कम माध्यमिक स्तर तक शिक्षा और बुनियादी चिकित्सा सुविधाओं के अभाव को जोड़ लें तो हम देख सकते हैं कि भारत आजादी के सात दशक बाद भी असल में वंचितों की दुनिया है।

विकास, विज्ञान एवं उपलब्धियों पर सवार आज की दुनिया का एक बहुत बड़ा वर्ग आज भी गरीबी, अभाव, भूखमरी में घुटा-घुटा जीवन जीता है, जो परिस्थितियों के साथ संघर्ष नहीं, समझौता करवाता है। हर वक्त अपने आपको असुरक्षित-सा महसूस करता है। जिसमें आत्मविश्वास का अभाव अंधेरे में जीना सिखा देता है। जिसके लिए न्याय और अधिकार अर्थशून्य बन जाता है। कोरोना महामारी का सामना करने के क्रम में जो उपाय अपनाए गए, उनसे विषाणु के प्रसार की रोकथाम में कितनी मदद मिली, इसका आकलन बाकी है, लेकिन इसके व्यावहारिक असर के रूप में अगर लोगों के सामने पेट भरने तक का संकट पैदा हो गया तो इस पर फिर से सोचने की जरूरत है।

बड़ा प्रश्न है कि दुनिया में आधुनिक तकनीक एवं विज्ञान के सहारे जब भूखमरी के आंकड़े उजागर हो सकते हैं, तो ऐसी व्यवस्थाएं क्यों नहीं विकसित होती जो भूखमरी को रोक सके। जरूरत इस बात की है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस मसले पर गहराई से नजर रखने वाली संस्थाओं, विशेषज्ञों, तकनीकों सहित बड़ी तादाद में उच्च स्तर की व्यवस्थाएं मौजूद हैं, तो इसके दूरगामी हल के लिए ठोस नीतियां क्यों तैयार नहीं हो पातीं! क्यों नहीं भूखमरी पर नियंत्रण पाया जाता? उल्टे यह समस्या लगातार और गंभीर होती गई है।

दरअसल, संतुलित एवं संवेदनशील व्यवस्थाएं-नीतियां बनायी जाये और धरती पर मौजूद संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल को लेकर गंभीर प्रयास किए जाएं तो खाद्य असुरक्षा और भुखमरी के हालात से निपटने के रास्ते निकल सकते हैं। लेकिन युद्ध और अन्य बेमानी मामलों पर सारा धन खर्च करने और मौजूद संसाधनों को भी नष्ट किए जाने के कारण भुखमरी को लेकर विश्व समुदाय की ओर से गंभीरता नहीं दिखाई जाती, तो इसके पीछे किसका हित है? अभाव से जूझती आबादी को पोषणयुक्त संतुलित भोजन मुहैया कराने को लेकर चिंता जताई जाती है, लेकिन हकीकत यह है कि बहुत सारे लोगों को जीने के लिए न्यूनतम भोजन भी नहीं मिल पा रहा।

हमारी दुनिया विरोधाभासी एवं विडम्बनाओं से ग्रस्त है। एक तरफ भूखमरी तो दूसरी ओर महंगी दावतों और धनाढ्य वर्ग की विलासिताओं के अम्बार, बड़ी-बड़ी दावतों में जूठन की बहुतायत मानवीयता पर एक बदनुमा दाग है।

इस तरह व्यर्थ होने वाले भोजन पर अंकुश लगाया जाए, विज्ञापन कंपनियों को भी दिशा निर्देश दिए जाएं, होटलों और शैक्षिक संस्थानों, दफ्तरों, कैंटीनों, बैठकों, शादी और अन्य समारोहों और अन्य संस्थाओं में खाना बेकार न किया जाए। इस भोजन का हम अपने समाज की बदहाली, भूखमरी और कुपोषण से छुटकारे के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। सरकारों के भरोसे ही नहीं, बल्कि जन-जागृति के माध्यम से ऐसा माहौल बनाना चाहिए। आखिर में खुद से पूछना चाहिए कि क्या हम अशांत, अस्थिर, हिंसक और अस्वस्थ समाज चाहते हैं या उसे बदलना चाहते हैं? क्या हम भूखमरी एवं भूखें लोगों की दुनिया के नागरिक होना चाहते है या खुशहाल एवं साधन-सम्पन्न नागरिकों की दुनिया के नागरिक?

लंबे समय से क्या यह समस्या स्थिर इसलिए है कि भुखमरी के भुक्तभोगी तबके बेहद गरीब और कमजोर समुदायों के होते हैं, जिनकी परवाह करना सरकारें जरूरी नहीं समझतीं? ऐसा क्यों है कि दुनिया में विज्ञान के आविष्कारों और इसकी प्रगति के नए आयामों के बीच अंतरिक्ष की दुनिया और नए ग्रहों पर जीवन तक बसाने की बातें होती हैं और दूसरी ओर धरती पर ही मौजूद आबादी का पेट भरने के इंतजाम नहीं हो पा रहे! इसका कारण अनियमितताएं, भ्रष्टाचार एवं उपेक्षाएं इन्हीं गरीबी उन्मूलन नीतियों, भूखमरी उन्मूलन कार्यक्रमों, सेवाओं और योजनाओं में है जिनका वास्ता समाज में कमजोर तबकों से होता है। एक बड़ा तकाजा इस भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने का है।

दूसरे, नीतिगत स्तर पर भी दुनिया के शासन-कर्त्ताओं को नए सिरे से सोचना होगा। भुखमरी और गरीबी मिटाने के कार्यक्रम खैरात बांटने की तरह नहीं चलाए जाने चाहिए, बल्कि उनकी दिशा ऐसी हो कि गरीबी रेखा से नीचे जी रहे लोग स्थायी रूप से उससे ऊपर आ सकें।

यह तभी हो सकता है जब इन योजनाओं का मेल ऐसी अर्थनीति एवं विकास योजनाओं से हो जो विकास प्रक्रिया में ज्यादा से ज्यादा लोगों को शामिल करने पर जोर देती है।

बोरिस जॉनसन की जिस तरह विदाई हुई, वह दुनिया के सभी शासकों के लिए सबक है

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की विदाई का कारण स्वच्छन्द, भ्रष्ट एवं अनैतिक राजनीति बना। समूची दुनिया के शासनकर्त्ताओं को एक सन्देश है बोरिस का इस बेकद्री से बेआबरू होकर विदा होना। किस तरह कांड-दर-कांड का सिलसिला चला और जॉनसन ने 2019 के चुनावों में जो राजनीतिक प्रतिष्ठा अर्जित की थी, वह धीरे-धीरे राजनीतिक अहंकार एवं अनैतिक कृत्यों के कारण गायब होती गई। उन्हें जो व्यापक जनादेश मिला था, उसका फायदा वह नहीं उठा पाए, क्योंकि जो अनुशासन, चरित्र की प्रतिष्ठा, संयम एवं मूल्यों का सृजन उनके प्रशासन में होना चाहिए था, वह कमोबेश नदारद रहा। जिस तेजतर्रार तेवर के साथ जॉनसन ने ब्रेग्जिट अभियान को अपने हाथों में लिया था और उसके बाद 2019 के आम चुनाव में जीत हासिल की थी, उस तेवर को वह बरकरार नहीं रख पाए। इसी वजह से विगत कुछ महीनों से उनकी कंजर्वेटिव पार्टी को लगातार झटके लगते आ रहे थे और नौबत यहां तक आ गई कि अनेक मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया।

अपनी सरकार पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों और डिप्टी चीफ व्हिप के पद पर नियुक्त किए क्रिस पिंचर पर लगे आरोपों के चलते बोरिस जॉनसन को इस्तीफा देने पर मजबूर होना पड़ा है। विपक्ष के लगातार बढ़ते दबाव और कंजरवेटिव पार्टी में उनके खिलाफ उठती आवाजों के बीच उनके वित्त मंत्री ऋषि सुनक सहित 50 मंत्रियों और सांसदों के इस्तीफे के बाद जॉनसन को अपना पद छोड़ना ही पड़ा। हाऊस ऑफ कॉमन्स में मोबाइल फोन में अश्लील वीडियो देखने को लेकर कंजरवेटिव पार्टी के एक सांसद को इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा था। ब्रिटेन की सरकार पहले कोरोना महामारी के दौरान शराब पार्टी को लेकर फंसी थी और अब वह एक सैक्स स्कैंडल को लेकर फंसी है।

कोरोना महामारी के दौरान पाबंदियों के बावजूद प्रधानमंत्री आवास में दारू पार्टियां की जाती रहीं, जिसमें खुद बोरिस जानसन भी शामिल होते रहे। अश्लील, भोगवादी एवं दारू पार्टियों के मदहोश में उन्मुक्त बोरिस एवं उनकी पार्टी के नेता भूल गये कि वे जिन जिम्मेदार पदों पर आसीन हैं, वहां बैठकर यह सब करना कितना गलत, अनैतिक एवं स्वच्छंद है। 30 जून को ब्रिटेन के समाचार पत्र द सन ने एक रिपोर्ट छापी जिसमें दावा किया गया था कि सत्ताधारी कंजरवेटिव पार्टी के सांसद क्रिस पिंचर ने लंदन के एक प्राइवेट क्लब में दो मर्दों को आपत्तिजनक तरीके से छुआ। हाल ही के वर्षों में पिंचर के कथित यौन दुर्व्यवहार से जुड़े अनेक मामले सामने आए। यह खुलासे होने के बाद पिंचर ने सरकार के सचेतक पद से इस्तीफा देकर जांच में सहयोग का वादा किया।

दुनिया की सभी शासन-कर्त्ताओं से वहां के नागरिक अपेक्षा करते हैं कि उनके शासक ईमानदार हों, चरित्रसम्पन्न हों, नशामुक्त हों एवं अपने पद की गरिमा को कायम रखने वाले हों। ब्रिटेन के नागरिक भी यही उम्मीद करते रहे कि सरकार एक सही, योग्य, जिम्मेदार और गम्भीर तरीके से काम करे। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा था, वहां की सरकार सही ढंग से काम नहीं कर रही थी। राजनीतिक क्षेत्रों में इन बातों की चर्चा लम्बे समय से गर्मायी रही। भारतीय उद्योगपति नारायणमूर्ति के दामाद ऋषि सुनक ने बोरिस जॉनसन के माफी मांगने के बावजूद इस्तीफा क्यों दिया? ऋषि सुनक ने कहा है कि जो कुछ हुआ उसके खिलाफ यह जरूरी था। ब्रिटेन में ही नहीं, हमारे भारत में भी ऐसे ही कुछ कारणों से पिछले दिनों महाराष्ट्र में ठाकरे को मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़नी पड़ी।

चरित्र, नैतिकता एवं राजनीतिक मूल्यों के साथ जुड़ी जागृति ही राजनीति में सच्चाई का रंग भरती है अन्यथा आदर्श, उद्देश्य और सिद्धान्तों को भूलकर सफलता की सीढ़ियों पर चढ़ने वाला और भी बहुत कुछ नीचे छोड़ जाता है, जिसके लिये मंजिल की अन्तिम सीढ़ी पर पहुंचकर अफसोस करना पड़ता है।

अस्पताल-जनित संक्रमण से बचाने के लिए नया सॉल्यूशन

सॉल्यूशन की एक विशेषता यह है कि यह लंबे समय तक प्रभावी रहता है। संक्रमण-रोधी सॉल्यूशन की कोटिंग से युक्त वस्त्रों के उपयोग से अस्पतालों में पाये जाने वाले वायरस, बैक्टीरिया, और फंगस जैसे रोगजनक सूक्ष्मजीवों का संक्रमण फैलने का खतरा कम हो सकता है। अस्पतालों में उपयोग होने वाले स्वास्थ्य देखभाल परिधान (स्क्रब, गाउन, डॉक्टर कोट, रोगी के वस्त्र आदि) में सूक्ष्म रोगजनक होते हैं, जो बीमारी का कारण बन सकते हैं। कपड़े की नरम और छिद्रयुक्त सतह हानिकारक बैक्टीरिया, वायरस, और कवक के पनपने एवं उनके प्रसार के लिए अनुकूल होती है। इन रोगजनकों को साफ करने या हटाने के बार-बार किये जाने वाले प्रयासों के बावजूद, वे समय के साथ कपड़ों से चिपके रहते हैं, और संक्रमण फैलाते रहते हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली द्वारा इन्क्यूबेटेड स्टार्टअप मेडिकफाइबर और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के शोधकर्ताओं ने एक प्रभावी सॉल्यूशन विकसित किया है, जिससे अस्पतालों में चिकित्सकों, कर्मचारियों, एवं मरीजों को रोगजनकों के संक्रमण से रहित वस्त्र एवं टैक्सटाइल मैटेरियल उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। यह पहल अस्पतालों में कपड़ों के जरिये फैलने वाले रोगजनक सूक्ष्मजीवों के संक्रमण को रोकने में मददगार हो सकती है। मेडिकफाइबर ने चिकित्सकों, कर्मचारियों, एवं मरीजों के लिए रोगजनक सूक्ष्मजीवों के संक्रमण से रहित वस्त्रों के साथ-साथ अस्पतालों में उपयोग होने वाली बेडिंग इत्यादि की विस्तृत श्रृंखला पेश की है। इन वस्त्रों और टैक्सटाइल मैटेरियल की विशेषता यह है कि इन पर वायरोक्लॉग नामक नये विकसित एक विशिष्ट सॉल्यूशन की कोटिंग की गई है, जो रोगजनक सूक्ष्मजीव प्रतिरोधी है। सॉल्यूशन की कोटिंग कपड़ों पर संक्रमण पैदा करने वाले रोगजनकों को पनपने नहीं देती।

देश को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षण संस्थानों, शिक्षकों को कौशलता धारक मानव संसाधनों को तैयार करने की भावना को आत्मसत करना होगा

भारत में आदि-अनादि काल से ही मानवीय बौद्धिक क्षमता का अभूतपूर्व ख़जाना रहा है या यूं कहें कि भारत की मिट्टी में ही ऐसी अद्भुत शक्ति समाई हुई है कि वह प्राकृतिक रूप से ही हर मानवीय जीवन में बौद्धिक क्षमता का प्रचुर डोज़ पैदा होने के समय से ही उसके मस्तिष्क में लगा देती है, परंतु हम मानवीय जीव अपने इस कौशलता रूपी डोज़ को नहीं पहचान पाते या विलंबित धारा में पहचान केवल महसूस करते हैं। एक भारतीय में गज़ब का टैलेंट, कॉन्फिडेंस और बौद्धिक क्षमता की विविधता होती है वह शायद ही वैश्विक स्तरपर किसी अन्य देश के किसी नागरिक में होगी!! यही कारण हैकि दुनिया में करीब-करीब हर देश में बड़ी तादाद में भारतीय अपनी बौद्धिक क्षमता के बल पर परचम लहरा रहे हैं!! जो हम टीवी चैनलों के माध्यम से पीएम के विदेश दौरों में अप्रवासी भारतीयों का हुजूम उमड़ा हुआ देखते हैं कि कितना खुशहाल और अभूतपूर्व सौहार्द्र के माहौल में पीएम उन्हें संबोधित करते हैं और हमारी कॉलर टाइट होती है!! हम गदगद होते हैं!! कि यह भी अप्रवासी हिंदुस्तानी हैं!!

साथियों बात अगर हम विद्यया अमृतम् अश्नुते। की करें तो अमृतकाल में देश के अमृत संकल्पों को पूरा करने की बड़ी जिम्मेदारी हमारी शिक्षा व्यवस्था पर है, हमारी युवा पीढ़ी पर है। हमारे यहाँ उपनिषदों में भी कहा गया है- विद्यया अमृतम् अश्नुते। अर्थात्, विद्या ही अमरत्व और अमृत तक लेकर जाती है। काशी को भी मोक्ष की नगरी इसीलिए कहते हैं क्योंकि हमारे यहाँ मुक्ति का एकमात्र मार्ग ज्ञान को, विद्या को ही माना गया है।

साथियों बात अगर हम पुरानी सोच, पढ़ाई का मतलब नौकरी की करें तो पीएम ने एक कार्यक्रम में कहा, आप सभी जानते हैं कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मूल आधार, शिक्षा को संकुचित सोच के दायरों से बाहर निकालना और उसे 21वीं सदी के आधुनिक विचारों से जोड़ना है। हमारे देश में मेधा की कभी कोई कमी नहीं रही है। लेकिन, दुर्भाग्य से हमारे यहाँ ऐसी व्यवस्था बना कर दी गई थी जिसमें पढ़ाई का मतलब केवल और केवल नौकरी ही माना जाने लगा था। शिक्षा में ये विकार गुलामी के कालखंड में अंग्रेजों ने अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए, अपने लिए एक सेवक वर्ग तैयार करने के लिए किया था। आजादी के बाद, इसमें थोड़ा बहुत बदलाव हुआ भी लेकिन बहुत सारा बदलाव रह गया। अब अंग्रेजों की बनाई व्यवस्था कभी भी भारत के मूल स्वभाव का हिस्सा नहीं थी और न हो सकती है। अगर हम हमारे देश के पुराने कालखंड की तरफ नजर करें। हमारे यहाँ शिक्षा में अलग-अलग कलाओं की धारणा थी।

साथियों बात अगर हम देश को आगे बढ़ाने के लिए कौशलता धारक मानव संसाधनों की करें तो पीआईबी के अनुसार माननीय पीएम ने दिनांक 7 जुलाई 2022 को एक कार्यक्रम के संबोधन में कहा, शिक्षा में यही विविधता हमारी शिक्षा व्यवस्था का भी प्रेरणास्रोत होनी चाहिए। हम केवल डिग्री धारक युवा तैयार न करें, बल्कि देश को आगे बढ़ने के लिए जितने भी मानव संसाधनों की जरूरत हो, हमारी शिक्षा व्यवस्था वो देश को उपलब्ध करायें, देश को दे।

इस संकल्प का नेतृत्व हमारे शिक्षकों और शिक्षण संस्थानों को करना है। हमारे शिक्षक जितनी तेजी से इस भावना को आत्मसात करेंगे, छात्र-छात्राओं को देश के युवाओं को उतना ही ज्यादा, देश के आने वाले भविष्य को भी उतना ही ज्यादा लाभ होगा।

उन्होंने कहा जब देश का मिजाज़ ऐसा हो, जब देश की रफ़्तार ऐसी हो तो हमें अपने युवाओं को भी खुली उड़ान के लिए नई ऊर्जा से भरना होगा। अभी तक स्कूल, कॉलेज और किताबें ये तय करते आये थे कि बच्चों को किस दिशा में जाना है। लेकिन राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बाद अब युवाओं पर दायित्व और बढ़ गया है। और इसके साथ ही हमारी भी ये जिम्मेदारी बढ़ गई है कि हम युवाओं के सपनों और उड़ान को निरंतर प्रोत्साहित करें, उसके मन को समझें, उसकी आकांक्षाओं को समझें, तभी तो खाद पानी डाल पाएंगे। उसे समझे बिना कुछ भी थोपने वाला युग चला गया है दोस्तो।

हमें इस बात का हमेशा ध्यान रखना होगा, हमें वैसा ही शिक्षण, वैसी ही संस्थानों की व्यवस्थाएं, वैसा ही मानव संसाधन विकास का हमारा मिजाज, अपने आपको सज्ज करना ही होगा। नई नीति में पूरा फोकस बच्चों की प्रतिभा और चॉइस के हिसाब से उन्हें स्किल्ड बनाने पर है। हमारे युवा स्किल्ड हों, कॉन्फिडेंट हों, प्रैक्टिकल हो, कैलकुलेटिव हो, शिक्षा नीति इसके लिए जमीन तैयार कर रही है। मुझे पूरा विश्वास है, आने वाले समय में भारत दुनिया में वैश्विक शिक्षा का एक बड़ा केंद्र बनकर उभर सकता है।

भारत न केवल दुनिया के युवाओं के लिए एजुकेशन डेस्टिनेशन बन सकता है, बल्कि दुनिया के देशों में भी हमारे युवाओं के लिए नए अवसर बन सकते हैं। इसके लिए हमें अपने एजुकेशन सिस्टम को इंटरनेशनल स्टैंडर्ड्स पर तैयार करना होगा। इस दिशा में देश लगातार प्रयास भी कर रहा है। हायर एजुकेशन को इंटरनेशनल स्टैंडर्ड्स के हिसाब से तैयार करने के लिए नए दिशा निर्देश जारी किये गए हैं। करीब 180 उच्च शिक्षा संस्थानों में अंतर्राष्ट्रीय मामलों के लिए विशेष कार्यालय की स्थापना भी की गयी है। मैं चाहूँगा कि आप सभी इसी दिशा में न केवल जरूरी विमर्श करें, बल्कि भारत के बाहर की व्यवस्थाओं से भी परिचित होने का प्रयास करें।

ये नई व्यवस्था, भारत की शिक्षा व्यवस्था को अंतरराष्ट्रीय अनुभवों से भी जोड़ने में मदद करेंगी।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि विद्यया अमृतम् अश्नुते।

कभी रुकना ना!

चल चला चल राही तू,
मुसाफिर तू कभी रुकना ना,
रुकना ना, कभी झुकना ना,
तेरेते रह तू आगे से आगे,
डूबना ना, फिसल ना ना,
हंसते रहना, मुस्कुराते रहना,
रोना ना कभी खोना ना!

संभल संभल के कदम को रखना,
थकना ना, ठहरना ना,
निडर होकर आगे बढ़ना,
सहना ना, तू कभी बहना ना,
चल चला चल राही तू,
मुसाफिर तू कभी रुकना ना!

करके दिखा जीवन में तू, सपने
किसी से कहना ना,
देते जा तू देते जा, पर कभी किसी
से लेना ना,
खुद्दारी हो तुझ में इतनी, मेहनत
करे बिना रहना ना,
चल चला चल राही तू,
मुसाफिर तू कभी रुकना ना!

अवसरों पर ध्यान देना,
कभी अवसर को नकारना ना,
सब को हृदय से अपनाते जा,
कभी किसी को धिक्कार ना ना,
समेट कर रखना खुद को,
कभी खुद से बिछड़ना ना,
चल चला चल राही तू,
मुसाफिर तू कभी रुकना ना!

शार्ट न्यूज

छात्र को क्लास रूम में बंद कर घर चला गया स्कूल का सारा स्टाफ, प्रिंसिपल सस्पेंड

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले से एक प्राइमरी स्कूल के कई शिक्षकों की लापरवाही सामने आई है। यहां पहली कक्षा के एक छात्र को क्लास रूम में बंद कर स्कूल का सारा स्टाफ घर चला गया। मामला प्रकाश में आने पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने स्कूल की प्रिंसिपल को निलंबित कर दिया गया है तथा पांच अन्य शिक्षकों पर कार्रवाई करते हुए उनकी अग्रिम वेतन वृद्धि पर रोक लगा दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मनिराम सिंह ने प्राथमिक विद्यालय सुखपुरा नंबर-1 में पहली कक्षा में पढ़ने वाले आदित्य नामक छात्र को कक्षा में बंद कर विद्यालय कर्मियों के घर चले जाने के मामले में प्रधान अध्यापिका उर्मिला देवी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है तथा विद्यालय में कार्यरत पांच शिक्षक- अफरोज आरा, प्रियंका यादव, शांति गोंड, मीरा देवी व सुरेंद्र नाथ सिंह की अग्रिम वेतन वृद्धि पर रोक लगा दी है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सोशल मीडिया पर शुक्रवार को वीडियो वायरल होने के बाद खंड शिक्षा अधिकारी हिमांशु मिश्र को मामले की जांच सौंपी थी। मामले में खंड शिक्षा अधिकारी की जांच रिपोर्ट में प्रधान अध्यापिका व पांच शिक्षकों को लापरवाही का जिम्मेदार पाया गया है।

दो पक्षों में विवाद के बाद पहुंची पुलिस टीम पर फायरिंग, बाल-बाल बचे एसओ समेत अन्य पुलिसकर्मी

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में दो पक्षों में विवाद की खबर पाकर पहुंची पुलिस पर फायरिंग कर दी गई। फायरिंग में एसओ समेत अन्य पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। पुलिस ने बचाव करते हुए फायरिंग कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। शेष आरोपी भीड़ का लाभ उठाकर भाग निकले। घटना की तहरीर पर दोनों ही पक्षों के 22 लोगों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा और जानलेवा हमला करने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना शनिवार दोपहर एक बजे की है। एलाऊ थाना प्रभारी सुनील कुमार भारद्वाज को सूचना मिली कि अघार गांव में दो पक्षों में प्रधानी की चुनावी रंजिश विवाद हो रहा है। सूचना पर थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और विवाद कर रहे लोगों को समझाने की कोशिश करने लगे। इसी बीच दोनों पक्ष पुलिस पर ही हमलावर हो गए और हथियार निकाल लाए। थाना प्रभारी ने बताया दोनों ही पक्षों ने पुलिस पर जानलेवा हमला बोल दिया। उनलोगों ने गाली गलौज करते हुए पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी गई। आरोपियों ने 20 राउंड से अधिक गोलियां चलाई, जिससे पूरे गांव में भगदड़ मच गई और लोग डर के चलते घरों में जाकर छुप गए।

यूके को पसंद है सहारनपुर का रामकेला आम, 400 क्विंटल की खेप जाएगी लंदन

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश में सहारनपुर की आम की मशहूर प्रजाति रामकेला ग्रेट ब्रिटेन में भी लोगों की जुबान पर राज करती है। रामकेला आम को अचार और चटनी के रूप में बेहद पसंद किया जाता है, नतीजतन मांग के मुतरबिक रामकेला आम की 400 क्विंटल की खेप लंदन भेजी जा रही है। सहारनपुर के फल निर्यातक तबजील अहमद ने शनिवार को बताया कि सहारनपुर का आम यूरोप में बेहद पसंद किया जाता है। इसकी अत्यधिक मांग को देखते हुए रविवार को 400 क्विंटल रामकेला आम की पहली खेप लंदन के लिए रवाना होगी। सहारनपुर मंडी स्थित मैंगो पैक हाउस से प्रसंस्कृत होकर कई प्रजातियों का आम विदेशों को निर्यात होता है। सहारनपुर मंडी समिति के सचिव अशोक गुप्ता और उपनिदेशक रिंकी जायसवाल ने बताया कि विदेश में सहारनपुर के आम दशहरी, चौसा, लंगड़ा, अल्फांसो, केसर, फजली आदि की बहुत मांग है। उन्होंने बताया कि 2018 में 19,471 किग्रा रामकेला आम का निर्यात हुआ था। इस बार अभी तक 5708 किग्रा रामकेला आम निर्यात हो चुका है। मैंगो पैक हाउस के प्रभारी जगपाल सिंह पुंडीर ने बताया कि जल्द ही दशहरी, लंगड़ा और चौसा आम भी मैंगो हाउस में प्रक्रिया पूरी होने के लिए रखा जाएगा। इसे प्रसंस्कृत होने के बाद यूरोपीय देशों को निर्यात किया जाएगा।

टॉफी लेने गए एक ही परिवार के चार बच्चे कार से कुचले, दो मरे

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश में सहारनपुर जिले के गंगोह कोतवाली स्थित मेनपुरा गांव में सड़क किनारे दुकान से टॉफी खरीदने गए चार बच्चों को तेज रफ्तार कार ने शनिवार को कुचल दिया, इनमें दो की मौत हो गयी। गंगोह के पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि स्थानीय निवासी मुकेश की चार साल की बेटी अंजली और आठ साल के बेटे अंश, 12 वर्षीय बिटिया खुशप्रीत और उसकी छोटी बहन नवप्रीत एक तेज रफ्तार कार की चपेट में आ गई। अंजली और अंश की जिला अस्पताल में मौत हो गई। जबकि नवप्रीत और खुशप्रीत घायल हो गई। हादसे से दोनों बच्चियां बुरी तरह से सहमी हुई है। गंगोह के क्षेत्राधिकारी चंद्रपाल शर्मा और कोतवाली प्रभारी जसबीर सिंह ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि इन बच्चों पर तेज रफ्तार ऑल्टो कार मौत बनकर झपटी। जिसमें एक ही परिवार के दो बच्चों की जान चली गई।
एक अन्य हादसे में नानौता थाना क्षेत्र के अंतर्गत दिल्ली-यमनोत्री हाइवे पर बीती रात 60 वर्षीया वृद्धा शांतवी देवी पत्नी महेंद्र निवासी मोहल्ला शेखजादगान गंभीर रूप से घायल हो गई। उन्हें सीएचसी नानोता में भर्ती कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई। थाना प्रभारी चंद्रसेन सैनी ने वाहन को कब्जे में लेकर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

5 लाख कावड़िये भदेश्वरनाथ मन्दिर में करेगे जलाभिषेक

बस्ती। उत्तर प्रदेश में बस्ती जिले के बाबा भदेश्वरनाथ मंदिर में इस साल लगभग 05 लाख कावड़िये प्राचीन भदेश्वरनाथ मन्दिर में जलाभिषेक करेंगे। मंदिर प्रबंधन की ओर से शनिवार को यह जानकारी देते हुए दावा किया गया कि भदेश्वरनाथ मंदिर में जलाभिषेक के लिए करीब पांच लाख से अधिक श्रद्धालु 26 तथा 27 जुलाई को अयोध्या से जल लेकर यहां पहुंचेंगे। उनकी सुरक्षा के लिए विशेष प्रबन्ध किये जा रहे हैं। कांवड़ यात्रा के मद्देनजर गोरखपुर-लखनऊ राजमार्ग पर 24 जुलाई को रात में 12 बजे से 27 जुलाई को कांवड़ यात्रा तथा मेला संपन्न होने तक यातायात डायवर्ट रहेगा। लखनऊ से बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर और गोरखपुर से वाया बस्ती लखनऊ की तरफ आने-जाने वाले वाहनों को अलग-अलग रूट से जाना होगा। कोरोना काल मे कावड़ यात्रा 2020 एवं 2021 में प्रतिबंधित रही थी। इस बार श्रद्धालु बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। एक अनुमान के मुताबिक इस साल कावड़ यात्रा में बस्ती मण्डल के सिद्धार्थनगर जिले से लगभग 30 हजार श्रद्धालु, संतकबीरनगर जिले से लगभग 28 हजार एवं बस्ती जिले से लगभग 4 लाख 55 हजार श्रद्धालु भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्य में सरयू नदी का जल लेकर भगवान भोलेनाथ का 26 व 27 जुलाई को जलाभिषेक करेंगे। पुलिस महानिरीक्षक आरके भारद्वाज ने बताया है कि कावड़ियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद रहेगा। उन्हें किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होने पाये, इसके पूरे इंतजाम किये गये हैं।

शामली पुलिस ने 249 मुकदमों के आरोपी बदमाश को मुठभेड़ में दबोचा

शामली। उत्तर प्रदेश में शामली जनपद के थाना झिंझाना में पुलिस टीम ने मुठभेड़ के बाद 249 मुकदमों के आरोपी और 20 हजार रुपये के इनामी बदमाश राशिद को गिरफ्तार किया है, जबकि उसका एक अन्य साथी फरार हो गया। शामली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक ने बताया कि राशिद के पास से एक तमंचा एवं कारतूस भी बरामद किए हैं। उसके खिलाफ झिंझाना के साथ-साथ हरियाणा के कई थानों में भी 249 मुकदमें दर्ज है। उन्होंने यूनीवार्ता को बताया कि पुलिस द्वारा वांछित, बदमाशों के खिलाफ चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत झिंझाना पुलिस व एसओजी की टीम ने ऊन तिराहे पर चेकिंग के दौरान दो बाइकों पर सवार बदमाशों से हुई मुठभेड़ के बाद राशिद को गिरफ्तार कर लिया। वह हरियाणा में भी 20 हजार रुपये का घोषित इनामी बदमाश है। राशिद पुत्र मौहब्बत झिंझाना थाना के गांव साल्हापुर का निवासी है। मुठभेड़ के दौरान उसका एक अन्य साथी फरार हो गया।

पुलिसकर्मियों के 3500 बच्चों को फ्री मिलेगी कोचिंग

दूसरे बच्चों को फीस में 50 प्रतिशत की छूट

लखनऊ। यूपी के पुलिसकर्मियों को लेकर अच्छी खबर है। इनके बच्चों को फ्री में कोचिंग देने की तैयारी की जा रही है। इसको लेकर पहले पुलिसकर्मियों के बच्चों का चयन किया जाएगा। योजना के तहत 3500 बच्चों का चयन कर लिया गया है। बतादें कि पुलिसकर्मियों के बच्चों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग की सुविधा दिलाने के उद्देश्य से पंजीकरण शुरू करा दिया गया है। इस साल दो बार होने वाली परीक्षाओं में चयनित होने वाले 3500 बच्चों को यह कोचिंग पूरी तरह निःशुल्क मिलेगी। पंजीकरण कराने वाले अन्य बच्चों को फीस में 50 फीसदी की छूट मिलेगी।

एडीजी पुलिस मुख्यालय बीपी जोगदण्ड ने पुलिस के सभी विभागाध्यक्षों को पत्र लिखकर कोचिंग सुविधा के लिए अनएकेडमी के साथ किए गए अनुबंध की जानकारी दी है। इसमें बताया गया है कि रजिस्ट्रेशन के लिए यूपी पुलिस की वेबसाइट पर अनएकेडमी का लिंक दिया गया है, जिस पर क्लिक करके पुलिसकर्मियों के बच्चे अपना पंजीकरण करा सकते हैं। अनएकेडमी की शिक्षोदया योजना के तहत निःशुल्क कोचिंग में 1000 बच्चों के चयन के लिए आगामी 31 जुलाई को परीक्षा कराई जाएगी। यह परीक्षा आनलाइन होगी। इसके बाद दूसरी निःशुल्क शिक्षा की योजना के तहत 2500 बच्चों का चयन किया जाएगा, जिसके लिए सितंबर माह में आनलाइन परीक्षा होगी।
इन दोनों योजनाओं के अलावा सभी पुलिसकर्मियों के बच्चों को अनएकेडमी द्वारा चलाए जा रहे आनलाइन व आफलाइन कोर्सेज के शुल्क में 50 फीसदी की छूट मिलेगी। अनएकेडमी ग्रुप द्वारा विद्यालयीय एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में ऑनलाइन-ऑफलाइन कक्षाएं चलाई जाती हैं। पुलिस विभाग के साथ एमओयू का उद्देश्य यूपी के सभी पुलिसकर्मियों के कक्षा नौ से स्नातक तक के बच्चों को शिक्षा एवं प्रतिर्स्पधात्मक परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के लिए कोचिंग उपलब्ध कराना है। इसमें शामिल छात्रों को एनडीए, यूपीएससी, एसएससी, नीट तथा आईआईटी-जेईई आदि विभिन्न प्रतियोगी एवं प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए ऑनलाइन-ऑफलाइन निःशुल्क कोचिंग व्यवस्था उपलब्ध कराने के साथ-साथ कॅरियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन भी किया जाएगा।

सिपाही ने शादी का वादा कर 2 साल तक लड़की से किया रेप

कानपुर। कानपुर में एक सिपाही के काले कारनामों का खुलासा एक लड़की ने किया है। पिछले 2 साल से सिपाही शादी का झांसा देकर इस दलित लड़की के साथ रेप कर रहा था। यही नहीं इस दौरान उसने लड़की का गर्भपात भी कराया। लड़की ने जब शादी का दबाव बनाया तो सिपाही ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए उसे भगा दिया। लड़की ने अब पुलिस कमिश्नर से न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस कमिश्नर ने मामले में एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई का आदेश दिया है। कैंट निवासी युवती ने बताया कि वह सन 2020 में 16 साल की थी और एक स्कूल में कक्षा 11 की छात्रा थी। उस दौरान जब वह स्कूल जाती थी तो कैंट निवासी युवक उसका रास्ता रोकता था। कई बार युवती ने अनदेखा किया।

जुबैर को अभी नहीं मिलेगी राहत, लखीमपुर खीरी कोर्ट में 11 जुलाई को होगी पेशी

सीतापुर। सुप्रीम कोर्ट से आल्ट न्यूज के पत्रकार मोहम्मद जुबैर को भले ही जमानत मिल गई हो लेकिन उनकी मुश्किलें अभी कम नहीं हुई हैं। फिलहाल अभी उन्हें राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं दिख रही है। सीतापुर जिला जेल प्रशासन को रिहाई का आदेश प्राप्त करा दिया गया लेकिन अब मामला लखीमपुर के एक कोर्ट से जारी वारंट पर लटक गया। लखीमपुर कोर्ट ने 11 जुलाई को एक मामले में जुबैर को अदालत के सामने हाजिर होने का आदेश दिया है। हालांकि दिल्ली पुलिस भी दोबारा तिहाड़ जेल ले जाने का प्रयास कर रही है क्योंकि मामला अभी लम्बित चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने के बाद मो. जुबैर की रिमांड स्थगित कर दी गई थी। हालांकि उसे बंगलुरु ले जाने के लिए पुलिस ने अपनी तैयारी कर ली थी और इसके लिए जेल से निकाला भी था मगर बीच में जमानत की खबर पर पुलिस अधिकारियों ने अपने हाथ खींच लिए। सीओ सिटी पीयूष कुमार ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट से जमानत के बाद रिमांड का कोई औचित्य नहीं रह जाता है। इसलिए सीतापुर जेल में ही शिफ्ट कर दिया गया है। उधर शुक्रवार की देर रात लखीमपुर खीरी पुलिस ने भी एक वारंट जेल में तामील कराया है। नवम्बर 2021 में मोहम्मदी थाने में एक मामला दर्ज कराया गया था। उसी में वारंट जारी किया गया था। अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल दो दिन अवकाश है।

बकरीद के दिन मुफ्त में करें ताज का दीदार

आगरा। इस्लाम धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक ईद-उल-अजहा (बकरीद) का पर्व इस साल 10 जुलाई को मनाया जाएगा। इस दिन यानी कल ताजमहल में तीन घंटे तक प्रवेश निःशुल्क रहेगा। इस सुविधा का लाभ देशी-विदेशी सभी पर्यटक उठा सकेंगे। ये जानकारी अधीक्षण पुरातत्वविद राजकुमार पटेल ने दी। आपको बता दें कि बकरीद पर ताजमहल में विशेष नमाज अदा की जाती है राजकुमार पटेल ने शनिवार को बताया कि बकरीद को देखते हुए ताजमहल में नमाज के दौरान सैलानियों का प्रवेश निःशुल्क रहेगा। सुबह सात से 10 बजे यह सुविधा तक रहेगी। इस दौरान नमाजियों के साथ सभी पर्यटकों को भी निशुल्क प्रवेश मिलेगा।

गौ तस्कर आरिफ पर बड़ी कार्रवाई, खुर्जा में दो करोड़ की संपत्ति कुर्क

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश में गौ तस्कर के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई जारी है। बुलंदशहर जिले के खुर्जा शहर में आरिफ पहलवान ने गोतस्करी, लूट और हत्या की घटनाओं से अर्जित की गई दो करोड़ पांच लाख की संपत्ति कुर्क की गई। कुर्की की कार्रवाई पांच मकानों पर की गई है।
शनिवार दोपहर डीएम चंद्र प्रकाश सिंह के आदेशों पर एसडीएम खुर्जा लवी त्रिपाठी और सीओ खुर्जा दिलीप सिंह कोतवाली खुर्जा नगर पुलिस और राजस्व अधिकारियों के साथ गांव इस्लामाबाद स्थित गोतस्कर आरिफ

पहलवान के घर कुर्की के लिए पहुंचे। जहां पर गैंगस्टर अधिनियम की धारा-14(1) के अंतर्गत आरिफ पहलवान की करीब 2.05 करोड़ की संपत्ति को जब्त किया गया। इनमें पांच मकान हैं। आरिफ के खिलाफ बुलंदशहर जिले के 4 थानों में गोवध, गैंगस्टर, हत्या, हत्या का प्रयास आदि धाराओं में 48 मुकदमे दर्ज हैं।
खुर्जा के एसडीएम लवी त्रिपाठी ने बताया कि डीएम के आदेशों पर गोतस्कर आरिफ पहलवान की 2 करोड़ 5 लाख की संपत्ति की कुर्की की कार्रवाई हुई है। कार्रवाई आरिफ के 5 मकानों पर की गई है। वहीं, खुर्जा के सीओ दिलीप सिंह ने बताया कि अपराध को नियंत्रण करने के लिए अपराधियों के खिलाफ इसी प्रकार की कार्रवाई की जाती रहेगी। गोकशी करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है।

मुलायम की पत्नी के निधन पर कई नेताओं ने जताया शोक

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के संरक्षक मुलायम सिंह यादव की पत्नी साधना गुप्ता (62 वर्षीय) का निधन हो गया। वह पिछले तीन महीनों से फेफड़ों के संक्रमण और अन्य बीमारियों से पीड़ित थीं। उन्हें गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने आज अंतिम सांस ली। सपा के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से शनिवार को ट्वीट किया गया कि समाजवादी पार्टी के संरक्षक आदरणीय नेताजी (मुलायम सिंह यादव) की पत्नी श्रीमती साधना यादव

जी का निधन, अत्यंत दुखद। भावपूर्ण श्रद्धांजलि। सपा के सूत्रों ने बताया कि मुलायम सिंह यादव अपनी पत्नी के निधन के समय दिल्ली में थे और शव को लखनऊ लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव व्यवस्था की देखरेख कर रहे हैं और अंतिम संस्कार का कार्यक्रम जल्द ही तय किया जाएगा। साधना गुप्ता के निधन की खबर मिलते ही पार्टी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मुलायम सिंह यादव के घर पहुंचने लगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक प्रकट करते हुए ट्वीट किया कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव जी की पत्नी साधना जी का निधन अत्यंत दुखद है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। योगी ने कहा कि प्रभु श्री राम दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान व उनके परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ? शांति! उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी एक ट्वीट के जरिए शोक व्यक्त किया और ईश्वर से शोकसंतप्त परिवार को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। साधना गुप्ता सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी थीं। मुलायम की पहली पत्नी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की मां मालती देवी का 2003 में निधन हो गया था।

बिहार से युवती का अपहरण, मरा समझकर गाजीपुर में फेंका

गहमर (गाजीपुर)। गाजीपुर में गहमर के खुदरा (पथरा) गांव के बाहर शनिवार की सुबह एक युवती को फेंककर बदमाश भाग निकले। युवती के हाथ पैर बंधे हुए थे।
ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची युवती को बेहोशी की हालत में अस्पताल पहुंचाया। कुछ देर के लिए होश में आई युवती ने बिहार से अपहरण होने के बात कही। अपहर्ताओं ने मरा हुआ मानकर युवती को गाजीपुर में फेंक दिया था। ग्रामीणों ने युवती को देखा तो उसके उसके हाथ पैर जूता के फीता से बांधे गए थे और गला नारियल की रस्सी से कसा था। पहले लोगों ने उसे मृत समझा लेकिन बाद में अचेत देखकर एंबुलेंस और पुलिस को जानकारी दी। गहमर प्रभारी निरीक्षक विश्वनाथ यादव ने बताया कि युवती से अभी बहुत कुछ जानकारी नहीं मिल पाई है। उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है।

रेप की धमकी पर युवती ने फेसबुक पर वीडियो शेयर कर लगाई फांसी

बस्ती। उत्तर प्रदेश में बस्ती की युवती ने रेप की धमकी मिलने पर शुक्रवार को फांसी लगा ली। इससे पहले उसने वीडियो बनाकर फेसबुक पर पोस्ट किया। मृतका के पिता ने गांव के ही एक युवक पर बेटी को दुष्कर्म की धमकी देने का आरोप लगाया है। वीडियो में युवती ने जान से मारने की धमकी का हवाला दिया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।
बस्ती में छावनी क्षेत्र की रहने वाली मृतका के पिता दिल्ली-हरिद्वार में पेंटिंग की ठेकेदारी का काम करते हैं। युवती भी इन दिनों पिता के साथ दिल्ली में ही रह रही थी। बताया जा रहा है कि दो दिन पहले ही वह दिल्ली से गांव लौटी थी। परिजनों के अनुसार शुक्रवार को घर पर कमरा बंद कर उसने छत की कुंडी से फांसी लगा ली। काफी देर तक कमरे का दरवाजा न खुलने पर परिजन देखने गए तो जानकारी हुई। आनन-फानन में उसे सीएचसी हर्रैया ले गए, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। आत्महत्या से पहले युवती ने अपना वीडियो भी बनाकर फेसबुक पर अपलोड किया था। वीडियो की जानकारी परिजनों को बाद में हुई। इधर बेटी की आत्महत्या की सूचना पाकर पिता भी दिल्ली से बस्ती पहुंच गए। शनिवार को पिता ने थाने पर तहरीर देकर आरोप लगाया है कि गांव के ही एक युवक ने उनकी बेटी को उसके साथ रेप करने की धमकी दी थी।

दो पक्षों में चली गोली से भाजपा सांसद के पीए का बेटा घायल

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश में कैराना संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद प्रदीप चौधरी के निजी सचिव नाथीराम का बेटा मुकुल, शनिवार को दो पक्षों के बीच हुयी गोलीबारी में घायल हो गया। गंगोह के पुलिस क्षेत्राधिकारी चंद्रपाल शर्मा ने बताया कि मुकुल बीबीए का छात्र है। दोपहर जब वह घर जा रहा था, तभी गंगोह-करनाल मार्ग पर दो पक्षों में संघर्ष हो गया। उत्सुकतावश वह झगड़े की जानकारी लेने लगा। उसी दौरान एक पक्ष की ओर से चलाई गई गोली छात्र मुकुल की जांघ में लग गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे जिला अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है।

अमरोहा में सड़क हादसा, हाईवे पर खड़े कंटेनर में पीछे से घुसी टूरिस्ट बस; चार लोग घायल

अमरोहा। अमरोहा में शनिवार को हुए एक सड़क हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। दिल्ली से पीलीभीत जा रही टूरिस्ट बस हाईवे किनारे खराब खड़े कंटेनर से टकरा गई। बस चालक को झपकी आने से यह हादसा हुआ। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जोया के सीएचसी में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने सभी को हायर सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया है। अमरोहा में चौधरपुर फ्लाईओवर के पास सड़क हादसा शनिवार सुबह चार हुआ। दिल्ली की ओर से आ रही एक बस टूरिस्ट को

लेकर पीलीभीत जा रही थी। यहां से गुजरते समय नींद की झपकी आने से बस चालक ने स्टेयरिंग से अपना नियंत्रण खो दिया। बेकाबू हुई बस हाईवे किनारे खड़े खराब कंटेनर में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। तेज धमाका होने से बस में मौजूद टूरिस्ट के बीच चीख पुकार मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने नेपाल निवासी घायल चालक विक्रम व परिचालक रौशन लाल, पीलीभीत निवासी सुनीता मलिक व उधम सिंह नगर निवासी राज सिंह को एंबुलेंस से जोया सीएचसी में भर्ती कराया। क्षतिग्रस्त दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर बस में मौजूद टूरिस्ट को दूसरे सवारी वाहनों से गंतव्य की ओर रवाना कराया। एसओ सुनील मलिक ने बताया कि मामले में इत्तेफाकिया हादसे की रिपोर्ट दर्ज की गई है। वहीं, घायलों को प्राथमिक उपचार देकर चिकित्सक ने बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया है।

बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे का 16 जुलाई को हो सकता है लोकार्पण

औरैया। उत्तर प्रदेश के दूसरे सबसे बड़े बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 16 जुलाई को लोकार्पण कर सकते हैं। इस बाबत प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्रा और अपर मुख्य सचिव (गृह) अवनीश अवस्थी ने शनिवार को यहां मुकम्मल तैयारियों का जायजा लिया। मिश्रा, अवस्थी और उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिरीक्षक देवेन्द्र सिंह चौहान ने एक्सप्रेस-वे का स्थलीय निरीक्षण कर एक्सप्रेस वे के निर्माण कार्य की स्थिति की समीक्षा की। गौरतलब है कि 29 फरवरी, 2020 को प्रधानमंत्री मोदी ने ही इसका शिलान्यास किया था। समझा जाता है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में प्रधानमंत्री मोदी इसका उद्घाटन आगामी 16 जुलाई को कर सकते हैं। पहले यह कार्यक्रम 12 जुलाई को प्रस्तावित था, लेकिन कुछ काम पूरे नहीं हो पाने के कारण इसे स्थगित करना पड़ा था।
बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे लगभग 28 महीने के रिकार्ड समय में बनकर तैयार हुआ है। लगभग 300 किमी लम्बे इस ऐक्सप्रेस वे पर केन, बेतवा और यमुना नदियों पर पुलों के अतिरिक्त रेलवे के अपरगामी पुलों सहित कई अन्य छोटे पुल बनाये गये हैं। यह एक्सप्रेस-वे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के माध्यम से यमुना एक्सप्रेस-वे (आगरा दिल्ली एक्सप्रेस वे) से जोड़ा जायेगा।
मिश्रा ने बताया कि पहले चित्रकूट से देश की राजधानी दिल्ली तक का सफर तय करने में लगभग 09 से 10 घण्टे लगते थे, इस एक्सप्रेस वे के बनने से अब यात्रियों को दिल्ली पहुचने के लिए सिर्फ 05 से 06 घण्टे का सफर तय करना होगा। यह एक्सप्रेस वे प्रदेश के सात जनपदों से होकर गुजरेगा, जिसमें इटावा और औरैया के अलावा बुन्देलखंड के जालौन, हमीरपुर, महोबा, बांदा और चित्रकूट शामिल हैं। उन्होने कहा कि यह एक्सप्रेस वे इन इन सातों जिलों में विकास की गति को तेज करेगा।
इसके अलावा एक्सप्रेस वे के साथ ही औद्यौगिक कारीडोर को भी विकसित किया जा रहा है, जिसमें कई औद्यौगिक इकाईयों को स्थापित कराया जायेगा।

मुख्तार के करीबी पर शिकंजा, 1 करोड़ 55 लाख की सम्पत्ति होगी कुर्क

मऊ। मऊ में अब माफिया मुख्तार अंसारी के करीबी बैजनाथ यादव पुत्र खुद्दी यादव की एक करोड़ 55 लाख रुपए की सम्पत्ति जब्त होगी। जिलाधिकारी अरुण कुमार ने शनिवार को सरायलखंसी के सरवां निवासी बैजनाथ यादव की संपत्ति गैंगेस्टर एक्ट के तहत कुर्क करने का आदेश जारी कर दिया। डीएम के आदेश के बाद मुख्तार गिरोह में हड़कम्प मचा है। जिलाधिकारी ने सख्ती के साथ चेताया कि अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्त से सख्त कार्रवाई चलती रहेगी। अपराधियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। मुख्तार अंसारी इस समय बांदा जेल में बंद है।
जिलाधिकारी ने बैजनाथ की सरायलखंसी के ग्राम सरवां स्थित आराजी संख्या 797 में रकबा 0-070 हेक्टेयर भूमि कुर्क करने के आदेश जारी किया है।
इस जमीन का बाजार मूल्य लगभग एक करोड़ 55 लाख रुपए बताया जा रहा है। बैजनाथ के खिलाफ विभिन्न धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। बैजनाथ यादव ने ग्राम सरवां स्थित आराजी संख्या 797 मि0 में रकबा 0-070 की जमीन अवैध रूप से कमाए गए धन से क्रय की थी।
जिलाधिकारी ने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप जनपद में गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत अवैध तरीके से अर्जित किए गए धन के प्रयोग से निर्मित चल/अचल संपत्तियों के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही करने का कार्य किया जा रहा है।
कहा कि कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अपराधियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिले में ऐसे सभी लोगों का चिन्हीकरण का कार्य किया जा रहा है जो अपराधियों के साथ मिलकर अवैध कार्यो में लिप्त है एवं जिनके विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही करने के पर्याप्त आधार मौजूद है।
इसके साथ ही जिन्होंने अवैध तरीके से अर्जित धन से बड़ी संख्या में चल एवं अचल संपत्तिया अर्जित की है।

अन्तरजनपदीय ठगी करने वाले परिवारों के 11 ठग गिरफ्तार

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के खेतासराय थाना क्षेत्र में पुलिस की स्वाट व सर्विलांस संयुक्त टीम ने अन्तरजनपदीय स्तर पर ठगी करने वाले 11 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से ठगी का 30 हजार 235 रुपया नगद, ठगी के उपकरण व भारी मात्रा में सामान बरामद किया है। इनमें से कुछ ठग एक ही परिवार के सदस्य हैं। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) डा संजय कुमार ने बताया कि थानाध्यक्ष खेतासराय पुलिस टीम व स्वाट टीम जौनपुर एवं सर्विलांस की संयुक्त टीम ने शनिवार को मुखबिर की सूचना पर खेतासराय स्टेशन के पूरब से 11 शातिर ठगों के गिरोह को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार ठगों ने बरामद उपकरण जेवरात, एवं पैसे के सम्बन्ध में पूछने पर बताया कि पैसा लेकर वे लोग वापस चले गये थे, फिर कुछ दिन इधर उधर समय व्यतीत कर जेवरात बेचने के उद्देश्य से यहां आये थे। कुछ दिन पहले इन लोगो ने खेतासराय चौराहे के पास मिठाई की एक दुकान पर नकली जेवरात बेचकर 2,73,000 रूपये ठगे थे। इसी इलाके वे फिर से जेवरात बेचने आये थे। इनके पास से पुलिस ने नकली जेवर बेचकर मिले पैसे बरामद किये। ठगी का काफी पैसा इन लोगों ने इधर उधर खर्च कर दिया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों में जिला हरदोई निवासी सीताराम और उसकी पत्नी तुलसी, मंगल गुजराती पुत्र चुन्नी गुजराती, प्रेम कुमार पुत्र सेवालाल निवासी बुलन्दशहर, लखनऊ निवासी परिवार के सदस्यों में बीरू कुमार पुत्र गंगाराम, उसकी शान्ति देवी, भाई किशन, मां राजू देवी, तथा फिरोजाबाद निवासी प्रभुराय पुत्र राम लाल, उसकी पत्नी सीता देवी तऔर रूपा देवी पत्नी स्वं शंकर निवासी रैना शामिल हैं।

5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी में भाग लेगा अडानी

नयी दिल्ली। अडानी समूह ने शनिवार को इन चर्चाओं की पुष्टि की कि वह 5जी स्पेक्ट्रम खरीदने के लिए नीलामी में भाग लेगा। समूह ने यह भी स्पष्ट किया है कि उसने विभिन्न क्षेत्रों के लिए 5जी प्राइवेट नेटवर्क समाधान के लिए स्पेक्ट्रम खरीदने की तैयारी की है।

कंपनी के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, हम हवाईअड्डा, बंदरगाह, लॉजिस्टिक, बिजली उत्पादन, संप्रेषण, वितरण तथा विनिर्माण के विभिन्न कार्यों में उच्च साइबर सुरक्षा वाले प्राइवेट नेटवर्क समाधान के लिए 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी में हिस्सा लेंगे।

अडानी समूह के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि आम उपभोक्ताओं के लिए मोबाइल संचार सेवाओं के कारोबार में प्रवेश करने की उनकी फिलहाल योजना नहीं है।

प्रवक्ता ने कहा,%ऐसे समय जबकि भारत नीलामी के लिए अगली पीढ़ी की 5जी दूरसंचार सेवाएं शुरू करने की तैयारी में है। हम भी उन आवेदकों में हैं जो खुली नीलामी की प्रक्रिया में भाग ले रहे हैं। अडानी समूह ने कहा है कि उसे यदि खुली नीलामी में 5जी स्पेक्ट्रम मिलता है तो वह अडानी फाउंडेशन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास के कामों में निवेश में महत्वपूर्ण वृद्धि किए जाने की हाल की घोषणा के अनुरूप होगा। इनमे से प्रत्येक कार्य में 5जी प्रौद्योगिकी का लाभ मिलने वाला है।

अडानी समूह ने कहा, हम अपना डिजिटल प्लेटफॉर्म बना रहे हैं जिसमें सुपर एप्स, अग्रिम श्रेणी के डेटा केंद्र और औद्योगिक कमान एवं नियंत्रण केंद्रों की स्थापना कर रहे हैं। इनके अतिरिक्त हमें अपने सभी कारोबार में तीव्र गति की उच्च गुणवत्ता वाली डाटा स्ट्रीमिंग क्षमता की भी आवश्यकता होगी।

अडानी समूह ने कहा है कि उसके सभी प्रयास राष्ट्र निर्माण की उसकी सोच और आत्मनिर्भर भारत के समर्थन के अनुरूप हैं। 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी 26 जुलाई को होगी। इसमें भाग लेने के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि आठ जुलाई थी।

26 रुपये में हवाई यात्रा करने का मौका, ऑफर सिर्फ 13 जुलाई तक

नई दिल्ली। बढ़ती महंगाई के बीच अगर आप कहीं घूमने-फिरने का मन बना रहे हैं तो आपके लिए एक शानदार एयर ऑफर है। जहां आप सिर्फ 26 रुपये में हवाई यात्रा का टिकट ले सकते हैं। जी हां...आपको इस ऑफर को सुन कर विश्वास नहीं होगा लेकिन यह सच है। दरअसल, वियतनाम की एविएशन कंपनी वियतजेट एक छप्परफाड़ ऑफर लेकर आई है। वियतजेट यह ऑफर चीनी वैलेंटाइंस डे के रूप में मनाए जाने वाले डबल 7 फेस्टिवल के मौके पर लेकर आई है। इस ऑफर के तहत ग्राहक मात्र 26 रुपये में हवाई सफर का लुत्फ उठा सकेंगे।

26 रुपये में मिल रहा टिकट

वियतजेट गोल्डन वीक मना रहा है। इस मौके पर वियतनाम की एयरलाइंस वियतजेट ने 7,77,777 उड़ानों के साथ घरेलू और अंतरराष्ट्रीय टिकट्स पर छूट दे रही है।

वियतजेट जुलाई में डबल 7/7 दिन के सम्मान में सिर्फ रु 26 में टिकट बुकिंग का मौका दे रही है। इस ऑफ़र के तहत घरेलू उड़ानों के साथ-साथ अंतराष्ट्रीय मार्गों के लिए 7 जुलाई से 13 जुलाई, 2022 तक बुकिंग करा सकते हैं।

उड़ान की अवधि 15 अगस्त 2022 से 26 मार्च, 2023 तक की होगी। बता दें कि इसमें नेशनल हॉलीडे शामिल नहीं हैं।

वियतजेट एयरलाइन के मुताबिक, इन टिकट्स की कीमत 7,700 वियतनामी डोंग से शुरू हैं। अगर भारतीय करेंसी से वियतनामी डोंग की तुलना करें तो एक वियतनामी डोंग यानी 0.0034 भारतीय रुपये के बराबर है। इस प्रकार 7,700 डोंग भारतीय मुद्रा में 26.08 रुपये होंगे।

इन रूट्स पर मिलती हैं फ्लाइट्स

वर्तमान में वियतजेट नई दिल्ली/मुंबई-हनोई और नई दिल्ली/मुंबई-हो ची मिन्ह सिटी सहित वियतनाम और भारत के बीच चार सेवाएं संचालित करती है। इस रूट पर हर सप्ताह तीन से चार फ्लाइट की फ्रीक्वेंसी है। 29 अप्रैल को एयरलाइन ने कहा था कि दिल्ली-हनोई मार्ग और दिल्ली-हो ची मिन्ह सिटी मार्ग पर उड़ानें 29 अप्रैल और 30 अप्रैल को फिर से शुरू होंगी।

कंपनी ने क्रमश: 3 जून और 4 जून से मुंबई-हनोई मार्ग और मुंबई-हो ची मिन्ह सिटी मार्ग पर नई उड़ानों की घोषणा की।

कहां से खरीदें टिकट

आपको बता दें कि आप इन टिकटों को वियतजेट की वेबसाइट www.vietjetair.com पर जाकर खरीद सकते हैं।

इसके अलावा वियतजेट एयर के मोबाइल एप्स अथवा बेसबुक के बुकिंग सेक्शन (www.facebook.com/vietjetvietnam) पर जाकर भी टिकट्स खरीदा जा सकता है।

ईडी ने फर्जी कंपनियों के लिए धन शोधन करने वाले व्यक्ति को किया गिरफ्तार

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन के कथित मामले में नरेंद्र कुमार गुप्ता नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। ईडी के अनुसार धन शोधन निवारक अधिनियम के तहत दाखिल मामलों की सुनवाई करने वाली विशेष अदालत ने आरोपी को 15 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा। ईडी ने शनिवार को ट्वीट कर कहा, एजेंसी ने नरेंद्र कुमार गुप्ता को धन शोधन के एक मामले में भारत से बाहर राशि भेजने के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह मामला 425 करोड़ रुपये का है। धन शोधन निवारक अधिनियम के तहत विशेष अदालत ने उसे 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

एलन मस्क पर मुकदमा करेगी ट्विटर

वाशिंगटन। ट्विटर बोर्ड अध्यक्ष ब्रेट टेलर ने शनिवार को कहा कि कंपनी के विलय समझौते को लेकर दबाव बनाने के लिए ट्विटर टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एलन मस्क के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करेगा।

श्री मस्क ने शुक्रवार को अपने वकील के माध्यम से ट्विटर के मुख्य कानूनी अधिकारी को एक पत्र भेज कर 44 अरब डॉलर के ट्विटर सौदे को समाप्त करने की घोषणा की थी।

श्री मस्क और ट्विटर के बीच अप्रैल में 54.20 डॉलर प्रति शेयर के हिसाब से सौदा हुआ था जिसकी कुल राशि करीब 44 अरब डॉलर थी।

उन्होंने ट्विटर के दावों की सच्चाई की समीक्षा के लिए मई में सौदे को रोक दिया था। ट्विटर ने दावा किया था कि उसके प्लेटफॉर्म पर पांच प्रतिशत से कम नकली अकाउंट है।

स्पूतनिक के अनुसार, श्री मस्क ने खरीद समझौते के कई उल्लंघनों के कारण सौदे को निलंबित करने का फैसला लिया है। इसमें नकली खातों के व्यापक विश्लेषण को पूरा करने के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान करने के लिए ट्विटर की नाकामयाबी भी शामिल है।

पत्र में कहा गया की श्री मस्क विलय समझौते को समाप्त कर रहे हैं क्योंकि ट्विटर समझौते के कई प्रावधानों का भौतिक उल्लंघन कर रहा है। ट्विटर ने अब तक श्री मस्क को महीने पहले मांगी गयी जानकारी प्रदान नहीं की है। उन्होंने ट्विटर की पहचान, संग्रह और खुलासे को आसान बनाने के लिए इससे जुड़ी जानकारी की मांग की थी।

पत्र के जवाब में श्री टेलर ने कहा, श्री मस्क के साथ ट्विटर बोर्ड मूल्य और शर्तों पर हुई सहमति पर लेनदेन को बंद करने के लिए प्रतिबद्ध है और विलय समझौते को लागू करने के लिए कानूनी कार्रवाई करने की योजना बना रहा है। हमें विश्वास है कि हम डेलावेयर कोर्ट ऑफ चांसरी में जीत हासिल करेंगे।

कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल, पेट्रोल-डीजल स्थिर

नई दिल्ली ।

क्रूड ऑयल इस समय काफी उतार-चढ़ाव से गुजर रहा है। फिलहाल कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चल रही है। इन सबके बीच शनिवार के लिए तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। दिल्ली में पेट्रोल अब भी 96.72 रुपए लीटर मिल रहा है। कंपनियों ने 6 अप्रैल के बाद से इसकी कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की है, जबकि क्रूड के भाव एक समय 140 डॉलर प्रति बैरल तक चले गए थे। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 109.27 रुपए और डीजल 95.84 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

टाटा मोटर्स की वैश्विक थोक बिक्री 48 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली ।

वाहन कंपनी टाटा मोटर्स की वैश्विक थोक बिक्री वित्त वर्ष 2022-23 की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान 48 प्रतिशत बढ़कर 3,16,443 इकाई पहुंच गई। इसमें कंपनी के स्वामित्व वाली 'जगुआर लैंड रोवर' (जेएलआर) की बिक्री आंकड़ा शामिल है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 की अप्रैल-जून तिमाही में वाहन डीलर के पास 2,14,250 इकाइयां भेजी गई थी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि टाटा मोटर्स के सभी 'वाणिज्यिक वाहनों' और 'टाटा देवू रेंज' की वैश्विक थोक बिक्री पहली तिमाही में बढ़कर 1,03,529 इकाई पर पहुंच गई। एक साल पहले इसने 52,470 वाहन बेचे थे। बीती तिमाही में कंपनी के सभी यात्री वाहनों की वैश्विक बिक्री बढ़कर 2,12,914 इकाई हो गई। एक साल पहले वित्त वर्ष 2021-22 की अप्रैल-जून तिमाही में 1,61,780 इकाइयां बिकी थी। जेएलआर की वैश्विक थोक बिक्री 82,587 इकाई रही। वित्त वर्ष 2021-22 की अप्रैल-जून तिमाही में जेएलआर ने कुल 97,141 इकाइयां बेची थी।

गो फर्स्ट का रेनी डे ऑफर, 1499 में करें हवाई सफर

नई दिल्ली । गो फर्स्ट ने मानसून सीजन पर रेनी डे ऑफर की घोषणा की है। मानसून ऑफर के तहत घरेलू गार्गों पर हवाई किराया 1499 रुपए से शुरू हो रहा है। इस ऑफर का फायदा 7 से 10 जुलाई के बीच उठाया जा सकता है। इस दौरान बुकिंग की गई टिकट पर 26 जुलाई से 31 मार्च 2023 तक यात्रा की जा सकती है। इस ऑफर का फायदा पहले आओ और पहले पाओ आधार पर उठाया जा सकता है। ऑफर का फायदा उठाकर बुक की गई टिकट ट्रांसफरेबल नहीं है। इस ऑफर का फायदा दूसरे किसी ऑफर के साथ नहीं उठाया जा सकता है। गो फर्स्ट की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, मंगलवार और बुधवार को एयरलाइन की तरफ यात्रियों को स्पेशल ऑफर मिलता है। इस ऑफर के तहत अगर आप इस एयरलाइन से मंगलवार और बुधवार को ट्रैवल करते हैं अनलिमिटेड री-शेड्यूलिंग का फायदा मिलेगा। इसके अलावा फ्री मील और सीट सलेक्शन की सुविधा भी मिलती है। एयरलाइन की तरफ से कपल्स के लिए 1000 रुपए का फ्री फूड हैम्पर और फैमिली के लिए 2000 रुपए का फ्री फूड हैम्पर मिलता है। इस ऑफर का फायदा 25 सितंबर 2022 तक उठाया जा सकता है। यह बुकिंग पीरियड है। ट्रैवल पीरियड 28 सितंबर 2022 तक है। एयरलाइन की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, दिल्ली से श्रीनगर के लिए हवाई किराया 3641 रुपए से शुरू हो रहा है। इसी तरह लेह के लिए हवाई किराया 1894 रुपए से शुरू हो रहा है। चेन्नई और कोलकाता से पोर्ट ब्लेयर के लिए हवाई किराया 4425 रुपए से हो रहा है। गोवा के लिए मुंबई से हवाई किराया 2019 रुपए से शुरू हो रहा है।

टीसीएस का मुनाफा 5.2 फीसदी बढ़कर 9,478 करोड़ रहा

मुंबई । टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का संचयी मुनाफा 30 जून को समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में वार्षिक आधार पर 5.2 फीसदी बढ़कर 9,478 करोड़ रुपए पहुंच गया। कंपनी ने बताया कि वार्षिक वेतन वृद्धि और पदोन्नति के चलते परिचालन लाभ में कमी आई। इस दौरान देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी का परिचालन से संचयी राजस्व वार्षिक आधार पर 16.2 प्रतिशत बढ़कर 52,758 करोड़ रुपए हो गया। टीसीएस ने एक रुपए अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर के लिए आठ रुपए के अंतरिम लाभांश की घोषणा की है। टीसीएस के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम नए वित्त वर्ष की शुरुआत मजबूत रुख के साथ कर रहे हैं। लेकिन व्यापक-आर्थिक अनिश्चितताओं को देखते हुए हम सतर्क हैं।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह सेंसेक्स 1700 अंक उछला, निफ्टी में भी रही तेजी

पिछले तीन दिन की तेजी से निवेशकों को 6.30 लाख करोड़ रुपए का लाभ हुआ

मुंबई ।

लंबे समय बाद पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में तेजी देखने को मिली। जून की बड़ी गिरावट के बाद जुलाई में बाजार में फिर से बढ़ोतरी हो रही है। इस महीने के पिछले सप्ताह सेंसेक्स ने 1700 अंक से ज्यादा बढ़त दर्ज की है। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स 1,573.91 अंक और निफ्टी 468.55 अंक प्रतिशत मजबूत हुए। सोमवार को सेंसेक्स 159.56 अंक की बढ़त के साथ 53,067.49 पर खुला और 326.84 अंक बढ़कर 53,234.77 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी भी 45.4 अंक बढ़कर 15,797.45 पर खुला और 83.30 अंक की बढ़त के साथ 15,835.35 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 328 अंक बढ़कर 53,562.83 पर खुला और 100.42 अंक टूटकर 53,134.35 पर बंद हुआ। निफ्टी 99.7 अंक चढ़कर 15,935.05 पर खुला और 24.50 अंक की गिरावट के साथ 15,810.85 पर बंद हुआ। बुधवार को 317.52 अंक बढ़कर 53,451.87 पर खुला और 616.62 अंक उछलकर 53,750.97 पर बंद हुआ। निफ्टी 81.8 अंक चढ़कर 15,892.65 पर खुला और 178.95 अंक के लाभ के साथ 15,989.80 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 498.77 अंक बढ़कर 54,249.74 पर खुला और 427.49 अंक की बढ़त के साथ 54,178.46 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 149.7 अंक चढ़कर 16,139.50 पर खुला और 143.10 अंक चढ़कर 16,132.90 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 448.68 अंक बढ़कर 54,627.14 पर खुला और 303.38 अंक की बढ़त के साथ 54,481.84 पर बंद हुआ। निफ्टी 142.6 अंक चढ़कर 16,275.50 पर खुला और 87.70 अंक बढ़कर 16,220.60 पर बंद हुआ।

निफ्टी लगभग एक महीने बाद वापस अपने 16,000 के स्तर को रिगेन कर पाया है। एक महीने पहले निफ्टी 16,000 से नीचे चला गया था।` पिछले सप्ताह निफ्टी 50 फिर से अपने इस महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर से ऊपर पहुंच गया था। शेयर बाजार में पिछले तीन दिन की तेजी से निवेशकों की संपत्ति 6.30 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई है। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स 1,300 अंक से ज्यादा चढ़ा है। बाजार में तेजी के साथ बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 6,30,479.15 करोड़ रुपए बढ़कर 2,51,59,998.80 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। पिछले सप्ताह विदेशी निवेशकों की बिकवाली भी कम हुई है। क्रूड की कीमतों में कमी ने बाजार को सपोर्ट दिया और बाजार ने तेजी दिखाई। भारतीय शेयर बाजार के लिए जून का महीना मुश्किलों में गुजरा है। इस दौरान घरेलू बाजार में भारी उतार-चढ़ाव रहा और निवेशकों का भारी नुकसान उठाना पड़ा। जून की शुरुआत में सेंसेक्स 55,500 के स्तर के ऊपर था लेकिन 20 जून आते आते यह लगभग 4000 अंक गिर गया। सेंसेक्स 51,500 के स्तर के करीब कारोबार करने लगा। फिर यहां थोड़ी रिकवरी दिखी लेकिन जून के अन्त में सेंसेक्स 53000 के स्तर के नीचे ही रहा।

बीआईएस ने जारी किया डिस्पोजेबल डायपर बनाने का पहला लाइसेंस

नई दिल्ली । भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने कहा कि उसने राजस्थान की एक कंपनी को वयस्क मरीजों के लिढ डिस्पोजेबल डायप' बनाने का पहला लाइसेंस जारी किया है। यह लाइसेंस पाने के बाद कंपनी बीआईएस के गुणवत्ता मानक चिह्न का इस्तेमाल कर सकेगी। बीआईएस, केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अधीन एक राष्ट्रीय मानक-निर्धारण निकाय है। ब्यूरो ने वयस्क मरीजों के लिढ 2020 में स्वदेशी डिस्पोजेबल डायपर के निर्माण के लिए गुणवत्ता दिशानिर्देश तैयार किया था। बीआईएस ने कहा कि डिस्पोजेबल डायपर के लिए पहला अखिल भारतीय लाइसेंस भिवाड़ी स्थित पैरामाउंट सर्जिमेड लिमिटेड को दिया गया है। इसका मतलब है कि कंपनी के वयस्क डायपर बीआईएस द्वारा तय मानक के अनुरूप होना चाहिए। ऐसा होने पर ही कंपनी अपने उत्पादों पर मानक चिह्न का इस्तेमाल कर सकती है। बयान में कहा गया कि लाइसेंस शुरू में कम से कम एक साल और अधिकतम दो साल तक के लिए दिया जाता है, जिसे आगे पांच साल तक के लिए बढ़ाया जा सकता है।

ओबेरॉय रियल्टी की अप्रैल-जून तिमाही में बिक्री बुकिंग बढ़कर 752 करोड़ हुई

नई दिल्ली । जमीन जायदाद के विकास से जुड़ी ओबेरॉय रियल्टी की चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में बिक्री बुकिंग चार गुना बढ़कर 752 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। यह बढ़त कमजोर आधार प्रभाव और इसकी संपत्तियों की बेहतर मांग के कारण हुई है। मुंबई की रियल एस्टेट कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि उसने अप्रैल-जून, 2022 के दौरान 164 इकाइयों की बिक्री बुकिंग की, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह संख्या केवल 39 इकाई रही थी। मूल्य के मामले में इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान इसकी बिक्री बुकिंग बढ़कर 752 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जबकि पिछले वर्ष की समान तिमाही में इसने केवल 170 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग की थी। कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के कारण अप्रैल-जून, 2021 में आवास बिक्री प्रभावित हुई थी।

एलन मस्क ने ट्विटर को खरीदने का समझौता समाप्त किया!

सैन फ्रांसिस्को ।

टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एलन मस्क ने ट्विटर के बोर्ड को बताया कि वह इसके अधिग्रहण का समझौता खत्म कर रहे हैं, जिसके बाद माइक्रोब्लॉगिंग साइट को 44 अरब डॉलर में खरीदने का उनका समझौता खटाई में पड़ता दिख रहा है। ट्विटर ने अभी इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। अभी यह भी स्पष्ट नहीं है कि क्या ट्विटर बोर्ड समझौता खत्म करने के लिए एक अरब डॉलर की क्षतिपूर्ति राशि लगाएगा या इस समझौते को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ी जाएगी। दुनिया के सबसे अमीर शख्स और सबसे प्रभावशाली सोशल मीडिया मंचों में से एक ट्विटर के बीच नाटकीय ढंग से हुए समझौते में यह नया मोड़ है। 9.5 करोड़ से अधिक फॉलोअर वाले मस्क ने ट्विटर पर भड़कते हुए कहा था कि वह स्वतंत्र अभिव्यक्ति के मंच के तौर पर अपनी क्षमता पर खरा उतरने में नाकाम रहा है। शुक्रवार को ट्विटर के शेयर पांच प्रतिशत तक गिरकर 36.81 डॉलर पर पहुंच गए। इस बीच टेस्ला का शेयर 2.5 प्रतिशत की उछाल के साथ 752.29 डॉलर पर पहुंच गया। प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग को लिखे पत्र में मस्क ने कहा कि ट्विटर ने इस समझौते को लेकर अपने दायित्वों का पालन नहीं किया है और साथ ही वह फर्जी या स्पैम खातों की संख्या नहीं बता पाया है।

इंडियन ओवीसीज बैंक ने ब्याज दर बढ़ाई

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने विभिन्न अवधि के कर्ज पर कोष की सीमांत लागत आधारित ब्याज दर (एमसीएलआर) 0.10 प्रतिशत बढ़ा दी है। आईओबी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि बैंक ने 10 जुलाई, 2022 से एमसीएलआर में संशोधन किया है। नई दरें 10 जुलाई से प्रभाव में आएंगी। इस संशोधन के बाद एमसीएलआर आधारित ब्याज दरें 6.95 प्रतिशत से 7.55 प्रतिशत होंगी। एक साल के लिए एमसीएलआर को बढ़ाकर 7.55 प्रतिशत कर दिया गया है जो अब तक 7.45 प्रतिशत था। इसी मानक दर पर वाहन, व्यक्तिगत और आवास ऋण जुड़े होते हैं। वहीं दो और तीन साल के लिये एमसीएलआर भी 0.10 प्रतिशत बढ़ाकर 7.55 प्रतिशत कर दिया गया है। एक दिन से लेकर छह महीने की अवधि के लिए एमसीएलआर को 0.10 प्रतिशत बढ़ाकर 6.95-7.50 प्रतिशत कर दिया गया है।

जोकोविच 21वां, किर्गियोस तलाशेंगे पहला ग्रैंड स्लैम

लंदन। छह बार के विम्बलडन विजेता सर्बिया के नोवाक जोकोविच अपना सातवां खिताब जीतने के लिये रविवार को ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस का सामना करेंगे, जबकि किर्गियोस अपने पहले ग्रैंड स्लैम खिताब के लिये दावेदारी पेश करेंगे।

अपना 21वां ग्रैंड स्लैम तलाश रहे जोकोविच ने सेमीफाइनल में ब्रिटेन के कैमरून नोरी को 2-6, 6-3, 6-2, 6-4 से मात दी थी, जबकि राफेल नडाल के चोटिल होने के कारण किर्गियोस को सेमीफाइनल में वॉकओवर मिल गया और वह अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंच गये।

अब फाइनल मैच में जोकोविच और किर्गियोस पहली बार विम्बलडन में एक दूसरे का सामना करेंगे। इससे पहले किर्गियोस और जोकोविच दो बार आमने-सामने आये हैं और ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने दोनों बार बाज़ी मारी है, हालांकि विम्बलडन में 95 मैच खेलकर 85 जीत चुके जोकोविच का अनुभव उन्हें एक मजबूत दावेदार बनाता है।

जोकोविच ने फाइनल में किर्गियोस से मिलने के बारे में कहा, एक बात तो पक्की है, कि दोनों तरफ से भावनाओं की लहर चलने वाली है। यह उनका पहला ग्रैंड स्लैम फाइनल है। वह बेहद उत्साहित हैं और उनके पास खोने के लिये बहुत कुछ नहीं है। वह इतनी आज़ादी के साथ खेल रहे हैं, उनके शॉट्स में बहुत ताकत है। हम कुछ समय से आमने-सामने नहीं आये हैं। मैं उनके खिलाफ एक सेट भी नहीं जीता हूं। उम्मीद है इस बार नतीजे अलग होंगे।

उन्होंने कहा, यह विम्बलडन में मेरा एक और फाइनल है, वह टूर्नामेंट जिसे मैं बेहद पसंद करता हूं। उम्मीद है कि मेरा अनुभव मेरे पक्ष में काम करेगा। जोकोविच अब विम्बलडन में लगातार 27 मैच जीत चुके हैं। नौवीं सीड नोरी को हराकर वह अपने 32वें ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंच गये और रोजर फेडरर

(31) के सर्वाधिक फाइनल खेलने के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। सर्बियाई खिलाड़ी अब 21वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतकर अपने धुर प्रतिद्वंद्वी नडाल के 22 ग्रैंड स्लैम जीतने के रिकॉर्ड के करीब पहुंचना चाहेंगे।

जोकोविच ने अपनी शानदार फॉर्म को भुनाने के बारे में कहा, मुझे पता है कि दांव पर क्या लगा है। अपने करियर के इस पड़ाव पर मेरे लिये हर मैच, हर ग्रैंड स्लैम महत्वपूर्ण है। मुझे नहीं पता कि आने वाले कुछ दिनों की तरह ट्रॉफी जीतने के लिए मेरे पास कितने ग्रैंड स्लैम अवसर होंगे। निश्चित रूप से, मैं इसे सकारात्मक दृष्टिकोण और आत्म-विश्वास और जीतने की इच्छा के साथ खेलना चाहूंगा। इसके बारे में कोई संदेह नहीं है।

उन्होंने कहा, इस स्तर पर मेरे पास जो अनुभव है, वह फाइनल में ऐसे व्यक्ति के खिलाफ खेलने में काम आ सकता है जिसने कभी ग्रैंड स्लैम फाइनल नहीं खेला है। इसके बावजूद, हम जानते हैं कि वह (किर्गियोस) कौन है और वह कोर्ट पर किस तरह का खेल खेलते हैं। मुझे नहीं लगता कि वह ज्यादा दबाव लेने वाले हैं।

दूसरी ओर, विश्व के नंबर 40 खिलाड़ी किर्गियोस अब तक जोकोविच, फेडरर, नडाल और एंडी मरे सहित चारों बड़े खिलाड़ियों को हरा चुके हैं, मगर अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में खेलने के लिये बेहद उत्हासित हैं।

एटीपी ने किर्गियोस के हवाले से कहा, सच कहूं तो मुझे कल रात नींद नहीं आयी। मैं शायद एक घंटे की नींद ले पाया। मुझे बहुत चिंता थी, मैं पहले से ही बहुत नर्वस महसूस कर रहा था, और मैं आमतौर पर नर्वस महसूस नहीं करता। मैं बस इतना जानता हूं कि बहुत सारे लोग हैं जो चाहते हैं कि मैं अच्छा करूं और अपना सर्वश्रेष्ठ दूं, लेकिन मुझे कल रात बहुत कम नींद आई। उम्मीद है कि आज रात मुझे कुछ नींद आएगी।

पहली बार किसी बड़े टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल से आगे पहुंचे किर्गियोस ने कहा, मैं बस बेचैन था, विम्बलडन फाइनल के बारे में मेरे दिमाग में बहुत सारे विचार थे। मैं सिर्फ खेलने के बारे में सोच रहा था, जाहिर तौर पर खुद के जीतने से लेकर हारने तक हर चीज की कल्पना कर रहा था।

किर्गियोस ने कहा कि उन्हें जीत और हार से फर्क नहीं पड़ता और वह इस फाइनल का हिस्सा बनकर खुश हैं। उन्होंने कहा, रविवार को मैं जीतूं या हारूं, मुझे खुशी होगी। मुझे कभी नहीं लगा था कि मैं इतनी बड़ी उपलब्धि का हिस्सा बनूंगा। विशेष रूप से 27 साल की उम्र में, मुझे लगता था कि यह मेरे करियर का अंतिम चरण है।

उन्होंने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था मैं यहां तक पहुंचूंगा। मैं बेहद खुश हूं, और मैं अपना पूरा प्रयास करने वाला हूं। उसके बाद जो होगा देखा जाएगा।

विराट और पंत के खेलने पर कौन होगा टी 20 टीम से बाहर

बर्मिंघम। भारत ने इंग्लैंड के ख़िलाफ़ पहले मैच में शुरू से लेकर आख़िरी तक दबदबा बनाकर रखा था, ऐसे में अब उनके लिए समस्याएं नहीं होनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं है। भारत के लिए कई समस्या बढ़ जाएंगी जब उसके स्टार खिलाड़ी विराट कोहली और ऋषभ पंत शनिवार को होने वाले दूसरे मैच के लिए टीम में लौटेंगे। भारत अच्छी तरह से जानता है, कि उसे टी20 विश्व कप से पहले इनका निपटारा भी करना होगा। कैसे वह विराट कोहली की फ़ॉर्म के मसले को संभालते हैं? कहां वह ऋषभ पंत को जगह देते हैं? हरफ़नमौला खिलाड़ियों में कौन जगह बनाता है?

विराट की जगह टीम इंडिया की एकादश में कहां बनती है, यह एक बड़ा सवाल है। जरा एक नज़र डालनी पड़ेगी कि उनकी अनुपस्थिति में किस खिलाड़ी ने क्या किया है।

दीपक हुड्डा ने छह ही टी20 खेले है। लेकिन उन्होंने बहुत ज़ल्द टीम की हाई रिस्क हाई रिटर्न पॉलिसी को अपना लिया है।

उन्होंने चार पारियों में 172.26 के स्ट्राइक रेट से 205 रन जड़ दिए हैं। उनका लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए खेलते हुए उनका आईपीएल सीज़न भी ज़बरदस्त रहा था। उन्होंने 14 पारियों में नंबर तीन या चार पर खेलते हुए 136.66 के स्ट्राइक रेट से 451 रन बनाए थे। वह ज़रूरत पड़ने पर ऑफ़ स्पिन भी डाल लेते हैं।इंग्लैंड के ख़िलाफ़ पहले टी20 में हुड्डा ने नंबर तीन पर खेलते हुए 17 गेंद में 33 रन बनाए थे। वह जब तीसरे ओवर में क्रीज़ पर आए तब स्कोर एक विकेट पर 29 रन था और जब वह नौवें ओवर में आउट हुए तब स्कोर तीन विकेट पर 89 रन था। कुल मिलाकर वह अपना काम कर चुके थे।

अब सूर्यकुमार यादव को देखें , जो 360 डिग्री बल्लेबाज़ हैं। वह हर भूमिका में सटीक बैठ जाते हैं।

रिबाकिना बनीं विम्बलडन चैम्पियन

एजेंसी

लंदन। कज़ाकस्तान की एलेना रिबाकिना शनिवार को ट्यूनीशिया की ओन्स जब्योर को विम्बलडन महिला फाइनल में तीन गेमों में हराकर ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाली पहली कजाक महिला और विम्बलडन जीतने वाली पहली एशियाई महिला बनीं।

कजाकस्तान की 17वीं सीड रिबाकिना ने सेंटर कोर्ट में एक घंटा 48 मिनट तक चले फाइनल मैच में तीसरी सीड जब्योर को 3-6, 6-2, 6-2 से मात दी।यह रिबाकिना का पहला ग्रैंड स्लैम फाइनल था, जिसमें जीतकर उन्होंने अपना तीसरा खिताब जीत लिया है।

इससे पहले वह बुकारेस्ट ओपन 2019 और होबार्ट ओपन 2020 का खिताब अपने नाम कर चुकी हैं। होबार्ट 2020 और विम्बलडन 2022 के बीच रिबाकिना को चार बार फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। साथ ही वह पिछले वर्ष हुए टोकयो ओलंपिक का कांस्य पदक मुकाबला भी हार गयी थीं।

रिबाकिना की विपक्षी जब्योर भी अपना पहला विम्बलडन फाइनल खेल रही थीं। जब्योर विम्बलडन फाइनल में पहुंचने वाली पहली ट्यूनीशियाई, पहली अरब और पहली अफ्रीकी महिला हैं। विश्व के सबसे पुराने ग्रैंड स्लैम आयोजन के फाइनल में पहली बार उतरते हुए दोनों खिलाड़ियों पर दबाव लगभग बराबर ही था, लेकिन पहला सेट हारने के बाद रिबाकिना ने शानदार वापसी की और बड़ी आसानी से अंतिम दो सेट जीतकर विम्बलडन खिताब हासिल किया।

इस जीत के साथ रिबाकिना ओपन एरा में 21 वर्षीय पेट्रा क्वितोवा (2011) के बाद वीनस रोज़वाटर डिश उठाने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बन गयीं।

श्रीलंका में बवाल : 15 जुलाई तक सभी स्कूल बंद, प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने को तैयार हुए रानिल विक्रमसिंघे

नई दिल्ली। आर्थिक संकट की दौर से गुजर रहे श्रीलंका में स्थिति चरमरा गई है। शनिवार को सैकड़ों प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के इस्तीफे की मांग करते हुए मध्य कोलंबो के हाई सिक्योरिटी जोन फोर्ट इलाके में राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास पर कब्जा जमा लिए हैं। देश में बढ़ते विरोध प्रदर्शन को देखते हुए श्रीलंकाई सरकार ने 15 जुलाई तक सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश जारी कर दिया है। अर्थव्यस्था गर्त में जाने की वजह से राज्य की कम से कम चार विश्वविद्यालयों को भी बंद कर दिया गया है। प्रदर्शन के बीच श्रीलंका के पीएमओ की ओर से कहा गया है कि प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने पार्टी नेताओं से कहा कि वह देश के प्रधानमंत्री के रूप में इस्तीफा देने और सर्वदलीय सरकार के लिए रास्ता बनाने के लिए तैयार है।

शनिवार को हुए प्रदर्शनों और राष्ट्रपति भवन पर कब्जा किए जाने के बाद पार्टी नेताओं की अहम बैठक हुई जिसमें सभी नेताओं ने कथित तौर पर राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे से पद छोड़ने का अनुरोध किया। वहीं, राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने कहा है कि वह पार्टी नेताओं की बैठक में लिए

गए किसी भी निर्णय का सम्मान करेंगे।

राजपक्षे पर पहले से ही है इस्तीफा देना का दबाव

राजपक्षे पर मार्च से ही इस्तीफा देने का दबाव बढ़ रहा है। वह अप्रैल में प्रदर्शनकारियों की ओर से उनके कार्यालय के प्रवेश द्वार पर कब्जा करने के बाद से ही राष्ट्रपति आवास को अपने आवास तथा कार्यालय के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। राष्ट्रपति आवास में काम करने वाले लोगों ने बताया कि शनिवार के प्रदर्शन के मद्देनजर राष्ट्रपति राजपक्षे ने शुक्रवार को ही आवास खाली कर दिया था। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए उन पर आंसू गैस के गोले छोड़े और पानी की बौछारें कीं तथा गोलियां चलायी, लेकिन फिर भी प्रदर्शनकारी बैरिकेटिंग को हटाकर राष्ट्रपति आवास में घुस गए। प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति आवास की दीवारों पर चढ़ गए और वे अंदर ही हैं। हालांकि, उन्होंने किसी संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाया और न ही किसी तरह की हिसा की है।

दो पुलिस अधिकारी समेत 30 लोग घायल

प्रदर्शनों के दौरान दो पुलिस अधिकारियों समेत कम से कम 30 लोग घायल हो गए और उन्हें कोलंबो में नेशनल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

प्रदर्शनकारियों की गाले, कैंडी और मतारा शहरों में रेलवे प्राधिकारियों से भी झड़प हुई और उन्होंने प्राधिकारियों को कोलंबो के लिए ट्रेन चलाने पर विवश कर दिया। इलाके में पुलिस, विशेष कार्य बल और सेना की बड़ी टुकड़ियों को तैनात किया गया है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे तब तक पीछे नहीं हटेंगे, जब तक गोटबाया राजपक्षे इस्तीफा नहीं दे देते हैं।

प्रदर्शन से पहले हटाया गया कर्फ़्यू

इससे पहले श्रीलंका पुलिस ने शीर्ष वकीलों के संघ, मानवाधिकार समूहों और राजनीतिक दलों के लगातार बढ़ते दबाव के बाद शनिवार को सात संभागों से कर्फ़्यू हटा लिया। पुलिस के मुताबिक पश्चिमी प्रांत में सात पुलिस संभागों में कर्फ़्यू लगाया गया था जिसमें नेगोंबो, केलानिया, नुगेगोडा, माउंट लाविनिया, उत्तरी कोलंबो, दक्षिण कोलंबो और कोलंबो सेंट्रल शामिल हैं।

यह कर्फ़्यू शुक्रवार रात नौ बजे से अगली सूचना तक लागू किया गया था। श्रीलंका के बार एसोसिएशन ने कर्फ़्यू का विरोध करते हुए इसे अवैध और मौलिक अधिकारों का हनन करार दिया था।

बेडेनोच प्रधानमंत्री की दौड़ में शामिल

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के शरद ऋतु तक औपचारिक रूप से पद छोड़ने की घोषणा के बाद पूर्व मंत्री केमी बेडेनोच शनिवार को कंजरवेटिव पार्टी के नेतृत्व की दौड़ में शामिल हो गयी। सुश्री बेडेनोच प्रधानमंत्री पद की दौड़ में शामिल नवीनतम नेता हैं। इससे पहले भारतीय मूल के ऋषि सनक, टॉम तुगेंदत और सुएला ब्रेवरमैन प्रधानमंत्री बनने की कतार में है। बीबीसी के अनुसार, सुश्री बेडेनोच ने कहा कि वह एक ऐसी सरकार का नेतृत्व करना चाहती हैं जो सच्चाई बताएगी। उन्होंने इस सप्ताह की शुरुआत में ब्रिटेन के समानता मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था।

अमेरिका में गर्भपात पर रोक के कानून को राष्ट्रपति की मंजूरी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने देश में गर्भपात पर रोक लगाने के शासकीय आदेश पर शुक्रवार को हस्ताक्षर कर दिए। हालांकि, उन्होंने गर्भपात के संवैधानिक अधिकार पर रोक लगाने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश की आलोचना करते हुए लोगों से इस फैसले से निराश न होने की अपील की। बाइडेन ने कहा कि गर्भपात के अधिकार को कायम रखने का सबसे त्वरित तरीका एक राष्ट्रीय कानून पारित करना है। इसके लिए मतदान कराने की चुनौती है। अच्छी बात यह है कि नवंबर में चुनाव होने वाले हैं।

शासकीय आदेश पर बाइडेन के हस्ताक्षर के बाद न्याय मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं मानव सेवा मंत्रालय को महिलाओं को गर्भपात कराने या उन राज्यों की यात्रा करने से रोकने का अधिकार मिल गया है, जहां गर्भपात कराने पर पूरी तरह से पाबंदी नहीं है। अमेरिका के कुछ राज्यों में अब भी गर्भपात की अनुमति है, लेकिन इसके लिए कड़ी शर्तों का पालन करना होगा। गौरतलब है कि अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने 24 जून को गर्भपात के लिए संवैधानिक संरक्षण को समाप्त कर दिया था। अदालत का फैसला अधिकतर अमेरिकियों की इस राय के विपरीत था कि 1973 के रो बनाम वेड फैसले को बरकरार रखा जाना चाहिए जिसमें कहा गया था कि गर्भपात कराना या न कराना, यह तय करना महिलाओं का अधिकार है। इससे अमेरिका में महिलाओं को सुरक्षित गर्भपात का अधिकार मिल गया था।

शार्ट न्यूज

मलेशिया मास्टर्स के सेमीफाइनल में हारे प्रणय

कुआलालम्पुर। हांग कांग के शीर्ष शटलर एनजी का लोंग एंगस ने शनिवार को भारत की ऐतिहासिक थॉमस कप विजेता टीम का हिस्सा रहे एचएस प्रणय को हराकर मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में प्रवेश किया। एंगस ने पहला गेम हारने के बाद प्रणय को सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले में 17-21, 21-9, 21-7 से मात दी। प्रणय ने पहले गेम में कुछ अप्रत्याशित गलतियों के बावजूद आक्रामक शुरुआत करते हुए 13-10 की बढ़त हासिल कर ली। हांग कांग के खिलाड़ी अपनी रेंज से जूझते नज़र आये, जिसका फायदा उठाते हुए प्रणय ने अपनी बढ़त 16-11 पर पहुंचाई। एंगस ने वापसी करते हुए दो लगातार पॉइंट स्कोर किये, लेकिन प्रणय ने इससे प्रभावित हुए बिना पहला गेम 21-17 पर समाप्त किया। दूसरे गेम की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर हुई, लेकिन 5-5 के बाद एंगस ने गियर बदलते हुए लगातार छह पॉइंट स्कोर किये और 11-5 की बढ़त बना ली। इससे पहले कि प्रणय अपनी लय ढूंढ पाते, एंगस ने गेम को 21-9 पर समाप्त कर मैच को तीसरे निर्णायक मुकाबले तक पहुंचाया। निर्णायक मुकाबले में प्रणय ने 7-4 की शुरुआती बढ़त हासिल की, मगर एंगस ने जल्द ही मैच पर अपनी पकड़ बनानी शुरू कर दी और एक समय पर 13-9 की लीड ले ली।प्रणय ने फाइनल में पहुंचने का प्रयास करते हुए मैच को 16-18 तक पहुंचाया, लेकिन नेट पर उनकी गलती का फायदा उठाते हुए एंगस ने मैच पॉइंट हासिल किया। तीसरा गेम 21-17 पर समाप्त कर एंगस ने फाइनल में कदम रखा जहां उनका मुकाबला इंडोनेशिया के चिको ऑरा ड्वी वार्डोयो से होगा। चिको सेमीफाइनल में चीन के लू गुआंग ज़ू को 20-22, 23-21, 21-19 से हराकर आ रहे हैं।

करुणारत्ने, मेंडिस ने श्रीलंका को फ्रंट फुट पर डाला

गाले। श्रीलंका ने कप्तान डिमुथ करुणारत्ने (86) और कुसल मेंडिस (84) के अर्द्धशतकों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को दो विकेट के नुकसान पर 184 रन बना लिये। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 364 रन बनाये और श्रीलंका अब 180 रन से पिछड़ी हुई है। दूसरे दिन की शुरुआत 298/5 से करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम चार विकेट 35 रन जोड़कर गंवाए। श्रीलंका के लिये टेस्ट में पदार्पण कर रहे प्रभात जयसूर्या ने एलेक्स कैरी (28), मिचेल स्टार्क (1) और नेथन लियोन (5) को आउट कर छह विकेट पूरे किये। पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ 145 रन बनाकर नाबाद रहे लेकिन एक ओर से निरंतर विकेट गिरने के कारण कंगारू टीम 364 पर ऑल आउट हो गयी। स्मिथ ने 272 गेंदों की अपनी पारी में 16 चौके लगाये। श्रीलंका के लिये जयसूर्या के अलावा कसुन रजिता ने दो विकेट लिये जबकि रमेश मेंडिस और महीष तीक्ष्णा को एक-एक विकेट मिला। श्रीलंका के लिये पारी की शुरुआत करने उतरे सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका मात्र छह रन बनाकर पवेलियन लौट गये, लेकिन इसके बाद करुणारत्ने और मेंडिस ने पहला टेस्ट में 10 विकेट से हारी श्रीलंका की पारी को संबल दिया और 152 रन की विशाल साझेदारी की। करुणारत्ने ने स्वेपसन की गेंद पर पगबाधा होने से पहले 165 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 86 रन बनाये जबकि मेंडिस दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 84 रन पर नाबाद रहे। मेंडिस के साथ एंजेलो मैथ्यूज छह रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं और श्रीलंका ने स्टंप्स तक 184 रन बना लिये हैं।

दिल्ली राज्य कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ

नयी दिल्ली। दक्षिण दिल्ली क्षेत्र के सांसद रमेश बिधूड़ी ने सरिता विहार खेल मैदान में शनिवार को दिल्ली राज्य कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस मौके पर पूर्व डिप्टी मेयर वीर सिंह, दिल्ली राज्य कबड्डी संघ के अध्यक्ष जिले सिंह, उपाध्यक्ष एमएस त्यागी, निरंजन सिंह एवं सुरेन्द्र तंवर, सह-सचिव अनुज कुमार, अजीत कुमार, रामवीर सिंह और पूजा शर्मा मौजूद रहे। संघ के महासचिव सुरेन्द्र सिंह के अनुसार शनिवार के पुरुष वर्ग के मैचों में पूल सी में नयी दिल्ली ने जिला उत्तर पश्चिम को 41-36 से हराया, जबकि पूल डी में जिला दक्षिण पूर्व ने जिला दक्षिण को 46-41 से पराजित किया। महिला वर्ग के पूल बी में जिला उत्तर पूर्व ने जिला पश्चिम को 56-44 से हराया, जबकि पूल डी में जिला दक्षिण पश्चिम ने जिला दक्षिण को 48-47 से हराया।

एशियाई चैम्पियन विश्वनाथ सुरेश राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के क्वार्टरफाइनल में

चेन्नई। मौजूदा एशियाई चैंपियन विश्वनाथ सुरेश और रोहित चमोली ने चेन्नई में 5वीं युवा पुरुष और महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शनिवार को जोरदार जीत के साथ पुरुषों के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्वनाथ ने जहां सेवा खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी) का प्रतिनिधित्व करते हुए 48 किग्रा वर्ग में चंडीगढ़ के सुशांत कपूर को 5-0 से हराया, वहीं 2021 के एशियाई जूनियर चैंपियन चंडीगढ़ के रोहित ने 51 किग्रा अंतिम-16 प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के भूपेंद्र कुमार को समान अंतर से मात दी। इसी बीच, एसएससीबी के जदुमणि मंडेंगबम (51 किग्रा) ने भी पुरुषों के क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। उन्होंने मणिपुर के एडिपक लैशराम सिंह को सर्वसम्मत निर्णय से हराया। चंडीगढ़ के लिए रोहित के अलावा परिणीता श्योरण ने भी 48 किग्रा वर्ग में आंध्र प्रदेश की वैष्णवी नेथला पर 5-0 से आसान जीत हासिल करके महिला वर्ग से अंतिम-8 चरण में प्रवेश किया।साथ ही महाराष्ट्र की चार महिलाओं सहित छह मुक्केबाजों ने आयोजन के तीसरे दिन क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

अब त्रिपुरा की तरफ़ से घरेलू क्रिकेट खेलेंगे ऋद्धिमान साहा

अगरतला ।बंगाल के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज़ ऋद्धिमान साहा 2022-23 के घरेलू सत्र में त्रिपुरा की तरफ़ से खेलते हुए दिखाई देंगे। इसके साथ ही वह टीम के मेंटॉर की भूमिका भी निभाएंगे। शुक्रवार को अगरतला में उन्होंने करार पर हस्ताक्षर किया। संभावना है कि उन्हें कप्तान भी बनाया जाएगा। साहा पिछले एक महीने के अधिक समय से त्रिपुरा के साथ बातचीत के दौर में थे। पिछले महीने के अंत में बंगाल क्रिकेट संघ से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिलने के बाद चीजें बस औपचारिक ही रह गईं थी। वह आगामी सीज़न से पहले लगने वाली तैयारी कैंप में भाग लेने के लिए तैयार हैं, जो सितंबर में शुरू होने की संभावना है। 37 वर्षीय साहा ने 122 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 41.98 की औसत से 6423 रन बनाए हैं। इसमें उनके 40 टेस्ट के करियर में 30 के क़रीब के औसत से बनाए गए 1354 रन भी शामिल हैं। वह अब तक 13 शतक और 38 अर्धशतक लगा चुके हैं। साहा ने आखिरी बार नवंबर में न्यूजीलैंड के ख़िलाफ़ टेस्ट मैच खेला था। इसके बाद उन्हें भारतीय टीम प्रबंधन द्वारा साफ़ कह दिया गया था कि वे भविष्य की तरफ़ देख रहे हैं। इसके बावजूद साहा ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों में खेलते रहने की इच्छा व्यक्त की थी। वह वर्तमान में आईपीएल चैंपियन गुजरात टाइटंस का हिस्सा हैं, जिसके लिए उन्होंने 11 पारियों में 132.32 के स्ट्राइक रेट से 317 रन बनाए थे। पिछले सीज़न में, त्रिपुरा ने अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहते हुए 50 ओवरों की विजय हजारे ट्रॉफ़ी के नॉकआउट में जगह बनाई थी। हालांकि वे सैयद मुश्ताक अली टी 20 के नॉकआउट में जगह बनाने से चूक गए थे। रणजी ट्रॉफ़ी में उन्हें तीन मैचों में सिर्फ़ एक अंक मिला था।

एजबेस्टन टेस्ट में 'नस्लभेदी भाषा' के आरोपों के बाद एक व्यक्ति गिरफ्तार

बर्मिंघम। बर्मिंघम पुलिस ने भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गये एजबेस्टन टेस्ट के चौथे दिन सामने आई नस्लभेदी टिप्पणियों की खबरों के बीच एक 32 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। बर्मिंघम पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि व्यक्ति को पूछताछ के लिये हिरासत में रखा गया है। पुलिस ने ट्वीट किया, बर्मिंघम में सोमवार को टेस्ट मैच में नस्लवादी, अपमानजनक व्यवहार की रिपोर्ट के बाद एक 32 वर्षीय व्यक्ति को नस्लीय रूप से भड़काऊ अपराध के लिए गिरफ्तार किया गया है। वह पूछताछ के लिए हिरासत में है।

न्यूजीलैंड में मंकीपॉक्स का पहला मामला

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड में शनिवार को मंकीपॉक्स के पहले मामले की पुष्टि हुई। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शनिवार को जारी बयान में यह जानकारी दी।मंत्रालय ने बताया कि ऑकलैंड का एक व्यक्ति मंकीपॉक्स वायरस से संक्रमित हैं और वह हाल ही में विदेश यात्रा से वापस आया है। उसने कहा कि न्यूजीलैंड में मंकीपॉक्स वायरस का सामुदायिक प्रसारण का मामला सामने नहीं आया है। न्यूजीलैंड में पिछले महीने मंकीपॉक्स को आधिकारिक तौर पर मंकीपॉक्स वायरस को महामारी के रूप में आगाह किया गया था। न्यूजीलैंड की प्रयोगशालाओं में मंकीपॉक्स पीसीआर परीक्षण के बाद इस वायरस से संक्रमण का पहला मामला सामने आया है। मंत्रालय ने विदेश में रहने वाले और मंकीपॉक्स के प्रसार से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल होने वाले किसी भी व्यक्ति को किसी भी लक्षण से अवगत होने और स्वास्थ्य कर्मियों से सलाह लेने की सलाह दी। मंत्रालय वर्तमान में न्यूजीलैंड में फिलहाल, चेचक के टीके को मंकीपॉक्स वायरस के प्रसार पर रोकथाम के लिए उपयोग में लाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे इस्तीफा देने पर सहमत

कोलंबो। श्रीलंका में प्रदर्शनकारियों के राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लेने से उत्पन्न स्थिति के बीच विदेशी मीडिया रिपोर्ट में शनिवार को कहा गया कि प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे संसद में पार्टी नेताओं की मांग पर पद से इस्तीफा देने को राजी हो गये हैं। खाड़ी क्षेत्र के प्रमुख अखबार खलीज टाइम्स की एक रिपोर्ट में श्री विक्रमसिंघे के कार्यालय के बयान के हवाले से कहा गया है कि प्रधानमंत्री पार्टी नेताओं की सलाह पर पद से हटने को तैयार हो गये हैं। इससे पहले श्री विक्रमसिंघे ने दिन में अपने मंत्रिमंडल की आपात बुलाई थी। बैठक में राष्ट्रपति भवन पर प्रदर्शनकारियों के कब्जे और राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के अपने आधिकारिक निवास से निकल जाने के बाद की स्थिति की समीक्षा की गयी। गौरतलब है कि आर्थिक संकट और उच्च महंगाई से जूझ रहे श्रीलंका में इस समय अस्थिरता का माहौल है। कोलंबो में प्रदर्शनकारी इस हालात के लिए श्री गोटाबाया को जिम्मेदार ठहराते हुए उनके इस्तीफे की मांग की कर रहे हैं। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों ने गोटाबाया के आधिकारिक निवास में घुस कर उस पर कब्जा कर लिया है। बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति भवन में प्रदर्शनकारियों के घुसने से कुछ देर पहले ही श्री गोटाबाया वहां से निकल गये थे। वह इस समय कहां हैं, इसकी जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गयी है। कर्ज से डूबे श्रीलंका के पास ईंधन और खाद्य वस्तुएं आयात करने के लिए विदेशी मुद्रा नहीं है। भारत और जापान जैसे देशों ने श्रीलंका की तात्कालिक सहायता की है लेकिन वहां की वित्तीय स्थिति संभल नहीं रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले दिनों विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की बैठक में श्रीलंका कर्ज सहायता उपलब्ध कराने में प्राथमिकता दिये जाने की अपील की थी।

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे का अंतिम संस्कार मंगलवार को

टोक्यो। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के शुक्रवार को निधन के बाद उनके पार्थिव शरीर को उनके घर टोक्यो में लाया गया है। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को किया जाएगा। जापान के पब्लिक ब्रॉडकास्टर एनएचके की रिपोर्ट के मुताबिक, उनका पार्थिव शरीर को दोपहर के करीब डेढ़ बजे शिबुया जिला लाया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा भी उनके आवास पर पहुंचे हुए थे। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, पूव प्रधानमंत्री के निधन पर शोक मनाने के लिए सोमवार को रात भर जागकर एक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। मंगलवार को उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। क्योडो समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, यामातो-सैदाईजी रेलवे स्टेशन के सामने चुनावी भाषण देने के दौरान एक व्यक्ति ने सुबह करीब साढ़े 11 बजे श्री आबे को पीछे से गोली मारी। देश में सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री की कुर्सी संभालने वाले श्री आबे के साथ यह दुर्घटना नारा शहर में हुई। पुलिस ने कहा कि गोली लगने के तुरंत बाद 67 वर्षीय श्री आबे जमीन पर रक्तरंजित होकर गिर पड़े और उन्हें आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

आ गया है मानसून। मतलब खूब सारी बारिश और टर्र-टर्र करते मेंढक, मम्मी के हाथ का बना गर्म सूप और कागज की नाव तैराने का समय। ऊपर से सोने पर सुहागा यह कि स्कूल भी अभी बंद ही हैं, इसलिए तुम्हारे तो वारे-न्यारे हो गए हैं। तुम तो इस मौसम में खूब मस्ती करते हो, ये हमें पता है, पर क्या तुम्हें पता है कि जानवर-पक्षी क्या करते हैं? वो कैसे मजे करते हैं। चलो आज जरा घर से बाहर निकलें और इनकी दुनिया में चलें...

मानसून में ये भी गाते गुनगुनाते नहाते हैं..

यूं तो बारिश में ज्यादातर जानवर और पक्षी छांव वाली जगह की तलाश में रहते हैं, जहां उन पर पानी न गिरे। इसके लिए वे किसी पेड़ के तने, गुफा, पत्ते के नीचे या जमीन के नीचे चले जाते हैं। लेकिन कई जानवर इस बारिश को खूब पसंद करते हैं। खासकर कुछ खास किस्म की चिड़िया गाना गाती हैं तो कुछ पंख फैलाकर नहाती हैं। बारिश के समय मैना, कोयल खूब गाना गाती हैं। चिड़ियों को बारिश खूब पसंद होती है। वो पेड़ की डाली पर बैठकर बारिश का मजा लेती हैं। पत्तों से टपकता पानी उन्हें खूब पसंद है। लेकिन कई तरह की चिड़िया इस मौसम के आने से पहले दूसरे इलाकों में कूच कर जाती हैं। इनमें व्हाइट रफ्ड मनाकिंस खास है। अमेरिका में रहने वाली ये चिड़िया फल खाती है और दो-तीन घंटे से अधिक समय तक भोजन के बिना नहीं रह सकती। जैसे ही बारिश का मौसम आता है ये दूसरे इलाकों की ओर चली जाती हैं।

ऐसे बचाओ अपने पेट्स को

बारिश के समय तुम यह सुनिश्चित करो कि तुम्हारे पेट्स भीगें नहीं। अगर वो भीग भी गए हैं तो उन्हें तुरंत पोंछ दो। अगर उन्हें ठंड लग रही है तो किसी कंबल से ढंककर रखो। जैसे ही बारिश बंद हो तो उन्हें घुमाने कहीं बाहर ले जाओ। उनके साथ खूब खेलो, जिससे वे सुस्त न पड़ें। उनके फर और पंजों को साफ करते रहो। इस मौसम में सबसे ज्यादा जानवर बीमार होते हैं, इसलिए तुम उन पर नजर रखो। अगर उन्हें जलन-खुजलाहट हो रही है या बाल झड़ने लगे हैं तो यह इन्फेक्शन के पनपने की निशानी है। समय से वेक्सिनेशन करवाना जरूरी है।

मौसम बदलेगा, ये पहले से जान लेते हैं: भारी बारिश या तूफान आने से पहले ब्लैक कोकाटूस पहाड़ों से नीचे आना आरंभ कर देते हैं। ऐसा ये सुबह के समय करते हैं।

बिल्लियां अपने पैरों को चाटती हैं और उससे अपनी आंखों को साफ करती हैं। ऐसा माना जाता है कि बिल्ली के कान काफी तेज होते हैं और उन्हें मौसम बदलने से पहले ही कुछ ध्वनियां सुनाई देने लगती हैं, जिससे उनमें यह बदलाव आ जाता है। गाय का बछड़ा यदि ज्यादा एक्टिव दिख रहा हो तो इसका मतलब है कि बारिश आने वाली है। बछड़ा ऐसे में अपनी आंखों क ो खुजलाना आरंभ करता है। अगर कुत्ता अपनी पीठ के बल सोने लगे तो समझ लेना चाहिए कि मौसम बदल सकता है। अगर मेंढक चिल्लाने लगें तो मान लें कि 24 से 48 घंटे में बारिश गिरेगी। तोते बारिश होने से पहले खास तरह की आवाजें निकालना आरंभ कर देते हैं। कछुए अगर नदी को छोड़कर मैदानी इलाकों की ओर आएं तो समझ लीजिए कि बारिश या बाढ़ आने वाली है।

तुम्हारे लिए मस्ती का समय है ये...

स्कूल अभी कुछ दिन पहले ही खुले हैं और बारिश शुरू हो चुकी है। मतलब फुल टू मस्ती और धमाल करने का समय है ये। तुम बारिश में खूब नहा सकते हो, खेल सकते हो और चाहो तो घर की खिड़की से इसके नजारे देख सकते हो। पानी में छप-छप करना, दोस्तों को भिगोना, उन्हें छींटे मारना, नाव बनाकर तैराना कितना मजेदार होगा ना। हल्की बारिश में फुटबॉल खेलो, वॉलीबॉल खेलो, क्रिकेट खेलो और मस्ती करो। अगर मां घर से न निकलने दें तो पेंटिंग बनाओ या सूप पियो।

क्या करते हैं जानवर

तोता चुप रहता है और कोई जगह ढूंढकर वहां छिप जाता है। गिलहरी और चुहिया गर्म जगह की तलाश करते हैं और वहां से छिपकर बारिश देखते हैं। मेंढ़क, कछुए और मछली तालाब या झील के नीचे के भाग में स्थित पत्थरों में शरण लेते हैं। रेंगने वाले जीवों जैसे सांप आदि की खासियत होती है उनकी चमड़ी। चमड़ी पर प्रोटीन होता है, जिसे केरेटिन कहा जाता है। ये उनकी त्वचा को वॉटरप्रूफ बना देता है, इसलिए ये खूब नहाते हैं। ओरंगुटान किसी पेड़ के पत्तों से अपने सिर को ढंककर बैठ जाता है। पीले रंग की चिडिया अमेरिकन गोल्डफिंचेस जरा सी देर भी गीला होकर नहीं रह सकती। बारिश शुरू होते ही वह सूखी जगह की तलाश कर वहां छिप जाती है। मोर बारिश शुरू होने से पहले नाचना शुरू कर देता है। मॉरनिंग डव्स को नहाना पसंद होता है। कठफोड़वा भी खूब नहाता है। बारिश के समय मेंढक तेज आवाजें निकालता है। तोता बारिश बंद होने के बाद एक डाली से दूसरी डाली तक आता-जाता है और नाचता है।

मानसून बोलो या काल वर्षा

मानसून शब्द अरबी भाषा के शब्द 'मौसिम' से बना है। केरल में मानसून को 'काल वर्षा' कहा जाता है। 'मानसून' उन मौसमी पवनों को कहते हैं, जो ठंड में महाद्वीपों से महासागरों की ओर और गर्मी में महासागरों से महाद्वीप की ओर चलती हैं।

बारिश में भीगो पर...

बारिश में भीगने में सभी को मजा आता है। चुभती-जलती गर्मी से राहत मिलती है, प्रकृति और भी सुंदर हो जाती है। जगह-जगह बहते झरने, नदियां कितने सुंदर लगते हैं। वैसे तो मम्मी-पापा भी बारिश को पसंद करते हैं, पर जब बारी बच्चों की आती है तो मम्मी ज्यादा देर बारिश में नहाने नहीं देतीं। जल्दी से घर में आ जाओ, बारिश में मत भीगो, बस इसी बात की रट लगाये रहती हैं। उनका कहना सही भी है, क्योंकि बारिश बच्चों के लिए बीमारियों का कारण भी बन सकती है। हां, अगर तुम इन बातों को ध्यान में रखो तो तुम बारिश का मजा भी ले सकते हो और बीमार भी नहीं पड़ोगे। इस मौसम में सबसे ज्यादा मच्छर पैदा होते हैं, जो कई बीमारियों को जन्म देते हैं। इसलिए घर में पानी इकट्ठा मत होने दो। इसके लिए तुम घर में नीम की सूखी पत्तियों का धुंआ कर सकते हो। मानसून में पीने के पानी में अक्सर गंदगी आ जाती है, जो टायफाइड, कॉलरा जैसी बीमारियां फैलाती है। इसलिए पानी उबालकर ही पीएं। बाहर का खाना न खाएं। बारिश के पानी में ज्यादा देर तक मत रहो। इससे तुम्हें स्किन की बीमारियां हो सकती हैं। इसलिए तुम रेनकोट, रेनबूट पहनो और छाता लेकर ही निकलो। जब भी भीगो तो जल्दी से कपड़े बदलो। इस समय गटर या मेनहोल्स के पास मत जाओ, क्योंकि ये सभी ओवरफ्लो होते हैं। मानसून में सर्दी-जुकाम और खांसी हो जाती है। इसलिए मम्मी जो दें वो ही खाओ। नाखूनों को काटकर रखो, क्योंकि बहुत सारी बीमारियां इन नाखूनों से ही पेट के अंदर जाती हैं। इस मौसम में तुम्हें बार-बार हाथ धोने चाहिये। अगर बारिश में तुम्हारे मोजे गीले हो जाएं तो उन्हें उतार दो, नहीं तो फंगल इन्फेक्शन हो सकता है। अगर तुम्हारे घर में एसी लगा है तो नहा कर सीधे उस कमरे में मत जाना, बीमार पड़ सकते हो। गीले बिजली के तारों को मत छूना और न ही उन पर फंसी कोई चीज लोहे के डंडे से निकालने की कोशिश करना।

जानो आइसक्रीम की हिस्ट्री

बच्चों! आइसक्रीम हर किसी को ललचाती है। आज बाजार में आइसक्रीम वनीला, चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी, मैंगो, पाइनऐपल आदि के स्वाद के साथ कोन, कप, स्टिक आदि के आकर्षक पैकेज में मौजूद है, लेकिन क्या आपको पता है कि आखिर तरह-तरह की वेरायटी वाली आइसक्रीम बनी कैसे, इसकी शुरुआत कब और कैसे हुई? आइए जानें इस बारे में..

वैसे यह निश्चित रूप से मालूम नहीं है कि सबसे पहले आइसक्रीम कैसे बनी और इसकी शुरुआत कैसे हुई, लेकिन एक किंवदंती के अनुसार, लगभग दो हजार साल पहले रोमन सम्राट नीरो ने अपने गुलामों से कहा था कि वे पास के पहाड़ों से बर्फ ले आयें। नीरो ने उस बर्फ में फलों का रस, शहद आदि मिलाया और उसका आनंद लिया. इसे ही आइसक्रीम की शुरुआत माना जा सकता है। समय बीतने के साथ लोग बर्फ में अन्य स्वादिष्ट चीजें मिलाकर खाने लगे और सन् 1600 तक आइसक्रीम काफी लोकप्रिय हो युकी थी। इसके बाद लोग अनेक प्रकार के प्रयोग करके इसे नया-नया रूप, आकार व स्वाद देकर और लोकप्रिय बनाते चले गये। एक बार पार्टियों में वेटर का काम करने वाले रॉबर्ट ग्रीन नामक व्यक्ति ने मजबूरीवश एक प्रयोग कर डाला। उस समय क्रीम और काबरेनेटेड पानी मिला कर एक पेय बनाया जाता था जो कई दशकों तक खासा लोकप्रिय रहा था। एक पार्टी में उस पेय के लिए क्रीम कम पड़ गई। ग्रीन ने उसकी जगह वनीला आइसक्रीम डाल दी। आइसक्रीम एक फोम के रूप में गिलास में ऊपर तक भर गई और वह घोल काफी स्वादिष्ट बन पड़ा था और जल्दी ही वह लोकप्रिय हो गया। इसे आइसक्रीम सोडा के नाम से पुकारा जाने लगा। इसी तरह के मजबूरीवश किये प्रयोगों ने अन्य प्रकार की आइसक्रीम्स को जन्म दिया।

संडे आइसक्रीम

स्मिथसन नामक व्यक्ति के पास एक छोटा-सा रेस्त्रं था, जिसमें लोग आइसक्रीम खाने अक्सर आते थे. 1890 के एक रविवार के दिन उसके रेस्त्रं में आइसक्रीम कम पड़ने लगी और दूसरी चीजें, जैसे फल, विभिन्न प्रकार की चॉकलेटें, क्रीमें आदि काफी थीं। रविवार को आइसक्रीम की आपूर्ति नहीं होती थी इसलिए स्मिथसन ने आइसक्रीम की मात्र कम कर दी तथा उसके ऊपर फल, चॉकलेट सिरप और दूसरी गाढ़ी क्रीम डालना प्रारंभ कर दिया। जब ग्राहकों ने इसकी तारीफ करना प्रारंभ कर दिया तो उसने इस आइसक्रीम का नाम संडे आइसक्रीम रख दिया। अब वह हर रविवार को संडे आइसक्रीम देने लगा। धार्मिक कारणों से कुछ लोगों द्वारा संडे नाम का विरोध करने पर स्मिथसन ने संडे आइसक्रीम में संडे की स्पेलिंग बदल डाली।

कोन वाली आइसक्रीम

कुरकुरे कोन में आइसक्रीम खाने का अलग ही आनंद है। इसकी शुरुआत भी मजबूरी में ही हुई। 1904 में सेंट लुई मेले में दो व्यक्ति खाने की वस्तुओं के काऊंटर पर अगल-बगल खड़े थे। एक पेपर की प्लेटों में आइसक्रीम बेच रहा था और दूसरा वेफर पर (पेस्ट्री जैसा लगने वाला) जिसके ऊपर चीनी के दाने चिपके हुए थे। अगस्त का महीना था और लोग धड़ाधड़ आइसक्रीम ले रहे थे। वेफर बेचने वाला मुंह ताक रहा था। तभी अचानक कागज की प्लेटें कम पड़ गईं और आइसक्रीम वाले को लगा कि अब उसे अपना काऊंटर बंद करना पड़ेगा। तभी वेफर बेचने वाला उसकी मदद के लिए आगे आया। उसने वेफल से कोन बनाया और दोनों उसमें आइसक्रीम भर कर बेचने लगे। लोगों को कुरकुरा वेफ र आइसक्रीम के साथ बहुत भाया तथा अब वह खूब बिकने लगा। 1920 तक एक-तिहाई आइसक्रीम कोन में बिकने लगी।

चॉकलेट आइसक्रीम

एक दिन क्रिश्चियन नेल्सन नामक व्यक्ति अमेरिका के आयोवा में स्थित अपनी दुकान में आइसक्रीम व चॉकलेट बेच रहा था। तभी एक बालक हाथ में सिक्के लिए दुकान में आया और आइसक्रीम की फरमाइश की। फिर उसने इरादा बदल दिया और चॉकलेट की फरमाइश कर डाली। नेल्सन को लगा कि यह बालक तभी संतुष्ट हो पायेगा जब उसे दोनों स्वाद मिलेंगे। उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस काटी तथा उसके दोनों ओर चॉकलेट की पतली परत चिपका दी और तभी चॉकलेट आइसक्रीम की खोज हो गयी। अब वह नयी चॉकलेट वाली आइसक्रीम जमाने लगा। उसने इस दिशा में अनेक प्रयोग भी कर डाले ताकि चॉकलेट उसकी आइसक्रीम से भली प्रकार चिपक जाये। उसे सफलता आसानी से नहीं मिल रही थी। तभी उसको एक सेल्समैन ने सलाह दी कि वह कोको बटर का प्रयोग करे। अब नेल्सन ने नये सिरे से प्रयोग प्रारंभ कि ये। 1920 में एक रात उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस चॉकलेट के मिश्रण में डाली। कुछ देर बाद चॉकलेट ठंडा होकर आइसक्रीम के चारों ओर जम गया। इसके साथ ही चॉकलेट लगी आइसक्रीम खासी लोकप्रिय हो गई।

CMYK CMYK CMYK CMYK